स्टालिन की होगी वापसी, बीजेपी... 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

सलमान और नयनतारा की अगली... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 18 | गाजियाबाद / बुधवार 22 अप्रैल 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

गुजराती अनपढ़ के बाद अब मोदी आतंकवादी

मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी पर फिर दिया विवादित बयान, तमिलनाडु में वोटिंग से पहले खड़ी की कांग्रेस के लिए मुश्किल

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव प्रचार के अंतिम दिन कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम नरेंद्र मोदी पर बड़ा हमला बोला। तमिलनाडु के चेलाचेरी प्रचार करने पहुंचे थे। मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम नरेंद्र मोदी के टेररिस्ट (आतंकवादी) शब्द का इस्तेमाल किया। खरगे ने कहा कि वे मोदी के साथ कैसे मिल सकते हैं। वह एक आतंकवादी हैं। और वह ऐसे व्यक्ति हैं जो समानता में विश्वास नहीं रखते। उनकी पार्टी भी समानता और न्याय में विश्वास नहीं रखती। और ये लोग उनके साथ मिल रहे हैं, इसका मतलब है कि वे लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं। बीजेपी ने खरगे के इस बयान पर आपत्ति जताते हुए उनसे माफी की मांग की है। बाद में मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि उन्होंने ऐसा नहीं कहा।

पहले केरल में की थी विवादित टिप्पणी

पांच राज्यों के चुनाव के बीच यह दूसरा मौका है जब खरगे ने ऐसी टिप्पणी की है जिसे बीजेपी मुद्दा बना सकती है। केरल में प्रचार के दौरान खरगे ने गुजरात के लोगों को अनपढ़ कह दिया था। बाद में विरोध बढ़ने पर उन्होंने अपने बयानपर माफी मांग ली थी। खरगे का यह बयान कांग्रेस को इसलिए नुकसान पहुंचा सकता है क्योंकि गुजरात में स्थानीय निकाय के चुनाव चल रहे हैं।

एआईएडीएमके पर हमला, मोदी पर टिप्पणी

मल्लिकार्जुन खरगे ने एक प्रेस कांफ्रेंस में यह बयान दिया। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में डीएमके और कांग्रेस का गठबंधन लोगों के लिए विकास के लिए काम करता रहेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी ने अन्नादुरैई, कलैगनार, कामराज, पेरियर और बाबा साहब अंबेडकर को नहीं मानते हैं। खरगे ने कहा कि वे (मोदी) समानता में यकीन नहीं रखते हैं। उनकी पार्टी भी समानता और न्याय में यकीन नहीं करती है। इसका मतलब है कि वे महान हस्तियों की विचारों को नहीं मानती है। तमिलनाडु में मल्लिकार्जुन खरगे का यह बयान ऐसे वक्त पर सामने आया है जब राज्य में 23 अप्रैल को वोटिंग होनी है। बीजेपी ने राज्य में एआईएडीएमके के साथ तालमेल करके चुनाव लड़ा है। पीएम नरेंद्र मोदी भी तमिलनाडु में प्रचार के लिए पहुंचे थे। तब उन्होंने संसद में महिला आरक्षण संबंधी और परिसीमन के लिए जरूरी संशोधन बिल पास नहीं होने पर कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी और समाजवादी पार्टी को घेरा था।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में श्रवण कुमार बने जेडीयू विधायक दल के नेता

- पूर्व मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने लगाई श्रवण के नाम पर मुहर

पटना (एजेंसी)। बिहार विधान सभा में जनता दल यूनाइडेट (जेडीयू) के विधायक दल के नेता श्रवण कुमार को चुना गया है। विधायक दल के नेता के रूप में श्रवण कुमार के नाम पर जेडीयू अध्यक्ष और पूर्व सीएम नीतिश कुमार ने अपनी मंजूरी की मुहर लगा दी। जेडीयू ने विधानसभा में नेता के तौर पर श्रवण कुमार का नाम विधान सभा भेज दिया है। इसकी पुष्टि विधान सभा की ओर से जारी नोटिफिकेशन से हुई है। बिहार विधानसभा की ओर से जारी नोटिफिकेशन में बताया गया है कि जेडीयू ने विधायक दल के नेता के तौर पर श्रवण कुमार को चुना है। इसके पहले सोमवार को जेडीयू विधायक दल की बैठक नीतिश कुमार के 1 अणे मार्ग पर हुई थी। इस बैठक में नीतिश कुमार को विधायक दल का नेता चुने जाने के लिए अधिकृत किया था। आज नीतिश कुमार ने श्रवण कुमार के नाम पर मुहर लगा दी है।

नीतिश कुमार ने विधायकों को दिया था 200 सीट का लक्ष्य- जेडीयू विधायक दल की बैठक में नीतिश कुमार ने अपने विधायकों को 200 सीट के लक्ष्य को ध्यान में रखकर काम करने का निर्देश दिया था। साथ ही नीतिश कुमार ने कहा था कि वो पहले ही तरह बिहार की जनता के बीच आते-जाते रहेंगे। बता दें, जेडीयू विधायक दल के नेता चुने गए पूर्व मंत्री श्रवण कुमार की 3 दिन पहले ही बिहार सरकार ने सुरक्षा बढ़ा दी थी।

तमिलनाडु के शिवगंगा में भीड़ ने किया हमला

- ईसी के लोगों से छीन लिए जब्त किए 13.44 लाख कैश
- कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम के ऑफिस में थी मोटी रकम

शिवगंगा (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के दौरान शिवगंगा में भीड़ ने चुनाव ड्यूटी में लगे फ्लाइंग स्क्वॉड से 13.44 लाख रुपये की रकम छीन ली। यह रकम शिवगंगा के सांसद कार्ति चिदंबरम के ऑफिस से छापे के बाद जब्त की गई थी। भागने से पहले आरोपियों ने फ्लाइंग स्क्वॉड में शामिल कर्मचारियों की गाड़ी की चाबी भी ले गए। पुलिस ने इस मामले में पलानियप्पन नाम के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। चुनाव पर्यवेक्षक में जुटे अधिकारियों को सोमवार को सूचना मिली थी कि शिवगंगा के सांसद कार्ति चिदंबरम के कराईकुड़ी स्थित ऑफिस पर बड़ी रकम रखी गई है, जिसे वोटरों में बांटा जाना है। सूचना के आधार पर स्क्वॉड ने छापेमारी की। कार्ति चिदंबरम के ऑफिस में दो बैग और एक कपड़े का थैला मिला, जिसमें नोट भरे थे। अफसरों ने रकम जब्त कर ली। जब अफसर पैसे लेकर जाने लगे तो वहां मौजूद पलानियप्पन ने रकम गिनने की मांग कर दी।

भारत की आंतरिक सुरक्षा करेगा 'प्रज्ञा'!

गृह मंत्रालय को मिला एआई से लैस सैटेलाइट सिस्टम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की आंतरिक और समुद्री सुरक्षा को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने दो अहम उपलब्धियां हासिल की हैं। इसके तहत गृह मंत्रालय को एक आधुनिक सैटेलाइट सिस्टम सौंपा गया है, जबकि भारतीय नौसेना के लिए एक खास एयर ड्रॉपेबल कंटेनर का सफल परीक्षण किया गया है। देश की आंतरिक सुरक्षा एजेंसियों को और अधिक चुस्त और आधुनिक बनाने के लिए गृह मंत्रालय को 'प्रज्ञा' नामक स्वदेशी सैटेलाइट इमेजिंग सिस्टम सौंपा गया है। सोमवार को गृह मंत्रालय के 'कर्तव्य भवन-3' में आयोजित एक समारोह के दौरान डीआरडीओ के सचिव समीर वी. कामत ने केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन को यह सिस्टम सौंपा।

सुरक्षा एजेंसियों को रीयल-टाइम निर्णय लेने में करेगा मदद

इस अत्याधुनिक सिस्टम को DRDO की प्रयोगशाला सेंटर फॉर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एंड रोबोटिक्स द्वारा पूरी तरह से भारत में विकसित किया गया है। इसकी खासियत की बात करें तो यह सिस्टम आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर आधारित है। यह सुरक्षा एजेंसियों को रीयल-टाइम (तत्काल) निर्णय लेने में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करेगा। देश के संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी करने और आतंकवाद विरोधी अभियानों को सफलतापूर्वक अंजाम देने में यह सिस्टम गेम-चेंजर साबित होगा।

भारतीय नौसेना के लिए एडीसी-150 का सफल परीक्षण

आंतरिक सुरक्षा के साथ-साथ समुद्री सीमाओं की सुरक्षा और राहत कार्यों को तेज करने के लिए डीआरडीओ और भारतीय नौसेना ने संयुक्त रूप से स्वदेशी एयर ड्रॉपेबल कंटेनर एडीसी-150 के चार सफल इन-फ्लाइट परीक्षण किए हैं। यह परीक्षण 21 फरवरी से 1 मार्च के बीच गोवा के तट पर विभिन्न कठिन परिस्थितियों में भारतीय नौसेना के विमान से किया गया। यह कंटेनर 150 किलोग्राम तक का पेलोड (सामान/राहत सामग्री) हवा से गिराने (एयर-ड्रॉप) में सक्षम है। इसका मुख्य उद्देश्य तट से दूर गहरे समुद्र में संकट में फंसे नौसैनिक जहाजों तक त्वरित प्रतिक्रिया के तहत तत्काल चिकित्सा सहायता, जरूरी उपकरण या राशन पहुंचाना है। इस प्रोजेक्ट को कम समय में पूरा करने के लिए कई संस्थानों ने मिलकर काम किया। इसके सभी विकासात्मक उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे कर लिए गए हैं और उम्मीद है कि इसे जल्द ही भारतीय नौसेना के बेड़े में आधिकारिक रूप से शामिल कर लिया जाएगा। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन भारत की प्रमुख रक्षा शोध एजेंसी है। इसका मुख्य उद्देश्य देश की सैन्य शक्ति को अत्याधुनिक तकनीक से लैस करना और रक्षा उपकरणों के मामले में भारत को पूरी तरह से आत्मनिर्भर बनाना है। प्रज्ञा और एडीसी-150 इसी आत्मनिर्भरता के उत्कृष्ट उदाहरण हैं।

दुनिया अब भारत के ज्ञान से लगा रही है बड़ी उम्मीद

- मोहन भागवत बोले-राजा से विज्ञान तक सब मॉडल हो गए हैं फेल

अगरतला (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को कहा कि 2000 साल तक शासन, धर्म और विज्ञान के अलग-अलग प्रयोगों के बाद अब दुनिया भटक गई है और भारत के ज्ञान की ओर देख रही है। उन्होंने यह बात त्रिपुरा के मोहनपुर में धार्मिक कार्यक्रम में कही। भागवत मां सौंदर्य चिन्मयी मंदिर के प्रतिष्ठा और कुंभाभिषेक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। भागवत ने कहा कि पहले सत्ता राजा को दी गई, लेकिन बाद में राजा ही जनता का शोषण करने लगा। इसके बाद लोगों ने भगवान को सर्वोच्च मानकर धर्म बनाए, लेकिन इससे भी खून-खराबा नहीं रुका। विज्ञान के दौर में भी मानव की समस्याएं खत्म नहीं हुईं। लोगों ने कहा कि हम वैज्ञानिक हैं, जब तक भगवान लैब में नहीं दिखेगा, हम नहीं मानेंगे। इसके बाद विज्ञान का दौर आया। कई सुविधाएं और आराम मिले, लेकिन संतोष नहीं आया। आज भी दुनिया में दुख है, परिवार टूट रहे हैं, अपराध बढ़ रहे हैं। युद्ध शुरू होते हैं तो रुकते नहीं। विकास जितना बढ़ रहा है, पर्यावरण उतना ही नष्ट हो रहा है। अब 2000 साल के इन प्रयोगों के बाद दुनिया भटक रही है और भारत के ज्ञान की ओर उम्मीद से देख रही है। उन्होंने इसे भारत का कर्तव्य बताया और कहा कि यही भारत के जीवन का उद्देश्य है। कार्यक्रम में त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा और अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद थे।

- संघ चीफ बोले-विज्ञान और धर्म दोनों से नहीं मिली शांति

सांसद अमृतपाल की फिर गिरफ्तारी के हैं आसार

एनएसए खत्म होने से पहले डिब्रूगढ़ पहुंची अमृतसर पुलिस

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी को लेकर हलचल तेज हो गई है। पंजाब पुलिस की एक विशेष टीम असम के डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल पहुंच चुकी है, जहां अमृतपाल सिंह फिलहाल एनएसए के तहत बंद हैं। अमृतपाल सिंह की एनएसए हिरासत 22 अप्रैल को समाप्त हो रही है। सूत्रों के अनुसार जैसे ही उनकी नजरबंदी खत्म होगी अमृतपाल सिंह को अजनाला मामले में गिरफ्तार करके स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा, जहां से रिमांड लिया जाएगा। इसके बाद मुकदमे की कार्रवाई शुरू होने की संभावना है। अमृतपाल सिंह को अप्रैल 2023 में मोगा के रोड़े गांव से गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले फरवरी 2023 में अजनाला पुलिस थाना पर हमले का मामला सामने आया था।

'सुप्रीम' सवाल, छूने से देवता अपवित्र कैसे होते हैं

सबरीमाला के वकील बोले-भगवान अयप्पा ब्रह्मचारी, इसलिए पूजा की प्रथा भी वैसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सबरीमाला अयप्पा मंदिर के मुख्य पुजारी से पूछा कि क्या संविधान उस भक्त की मदद के लिए आगे नहीं आएगा जिसे देवता को छूने की इजाजत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी तब आई जब मुख्य पुजारी ने कहा कि कोई भक्त पूजा के लिए मंदिर जाता है, तो वह देवताओं की विशेषताओं के विपरीत नहीं हो सकता। नौ जजों की संविधान पीठ धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है, जिसमें केरल के सबरीमाला मंदिर का मामला भी शामिल है। साथ ही, पीठ कई धर्मों द्वारा पालन की जाने वाली धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे और विस्तार पर भी सुनवाई कर रही है। इस पीठ में चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस बीवी नागरत्ना, एमएल सुंदरेश, अहसानुद्दीन अमनुल्लाह, अरविंद कुमार, ऑगस्टीन जॉर्ज महीस, प्रसन्ना बी वराले, आर महादेवन और जॉयमाल्य बागची शामिल हैं।

मंदिर में होने वाले समारोहों की प्रकृति धर्म का अभिन्न अंग

मुख्य पुजारी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील वी गिरि ने दलील दी कि किसी मंदिर में होने वाले समारोहों और रीति-रिवाजों की प्रकृति उस धर्म का एक अभिन्न अंग होती है, और इसलिए उसे एक धार्मिक प्रथा माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रथा जारी रखना, जो एक अनिवार्य धार्मिक प्रथा है, पूजा के अधिकार का ही एक हिस्सा होगा। यह अधिकार उस धर्म या संप्रदाय में विश्वास रखने वाले हर सदस्य के लिए है। गिरि ने कहा, जब कोई भक्त पूजा के लिए मंदिर जाता है, तो वह देवता की विशेषताओं के विपरीत नहीं हो सकता, क्योंकि उसका उद्देश्य ही देवता की पूजा करना होता है।

भीषण गर्मी और 'लू' की चपेट में देश

- लोगों का जीना हो गया मुहाल, सड़कें सूनी, घरों पर दुबकने को मजबूर नजर आए लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के मैदानी इलाकों में तेज गर्मी जारी है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, ओडिशा और दिल्ली में कई जगह पारा 44 डिग्री पार पहुंच गया है। कई जगह लू का भी अलर्ट है। मध्य प्रदेश के भोपाल में पहली बार रात में लू चलने की चेतावनी दी गई है। भोपाल, छिंदवाड़ा, मंडला, नर्मदापुरम, ग्वालियर, रतलाम और छतरपुर समेत 16 जिलों में लू चलने के आसार हैं। उत्तर प्रदेश में प्रयागराज में 44.4 डिग्री के साथ देश में सबसे गर्म रहा। गर्मी को देखते हुए 8वीं तक के स्कूलों का टाइम बदल दिया गया है। झारखंड में भी आज से स्कूलों के समय में बदलाव किया है। महाराष्ट्र के गोंदिया और छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में सोमवार को पारा 43 डिग्री दर्ज हुआ। दोनों जिलों में दोपहर 12.30 बजे से 4 बजे तक ट्रैफिक सिग्नल बंद कर दिए गए।

पूर्वोत्तर में अगले 15 दिन रिकॉर्ड बारिश संभव

असम की राजधानी गुवाहाटी के खानापारा इलाके में 21.59 सेमी बारिश दर्ज की गई। गुवाहाटी में मूसलाधार बारिश के बाद सोमवार को बाढ़ जैसे हालात बन गए, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ और एक महिला की मौत हो गई। हालात को देखते हुए सभी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। पूर्वोत्तर भारत में अगले 15 दिनों में एशिया में सबसे ज्यादा बारिश होने की संभावना है। विशेषज्ञों के अनुसार, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और नगालैंड में इस हफ्ते भारी बारिश की आशंका है। अनुमान है कि 20 से 22 अप्रैल के बीच कई इलाकों में तेज बारिश होगी, जबकि 23 अप्रैल को थोड़ी राहत मिल सकती है, लेकिन 24 अप्रैल से फिर बारिश की तीव्रता बढ़ने के आसार हैं।

उत्तर प्रदेश के 26 जिलों में लू का अलर्ट

प्रदेश में 26 जिलों का तापमान 40 डिग्री या इससे ज्यादा पहुंच गया। मौसम विभाग ने अगले 4 दिनों तक दिन में लू का अलर्ट जारी किया है। भीषण गर्मी को देखते हुए योगी सरकार ने 8वीं तक के सरकारी स्कूलों की टाइमिंग बदल दी है। मंगलवार सुबह से प्रयागराज, काशी, कानपुर में तेज धूप निकली है। काशी के घाटों में सन्नाटा पसरा है। प्रदेश के 8 जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया। रोहतास का डेहरी 43.2 डिग्री के साथ राज्य का सबसे गर्म रहा। पटना के डीएम डॉ. त्यागराजन ने 5वीं तक की क्लास की टाइमिंग में बदलाव किया है। हालांकि अररिया, किशनगंज, पूर्णिया और कटिहार में 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने की संभावना है। राज्य के कई हिस्सों में अगले 4 दिन तक गर्म और उमस भरा मौसम बना रहेगा। 14 जगहों पर तापमान 40 डिग्री से ज्यादा हो गया है।

भोपाल में लेंसकार्ट के खिलाफ सड़क पर उतरे कई हिंदू संगठन

शोरूम का घेराव, तिलक-कलावा पर जमकर किया बवाल

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के न्यू मार्केट रोशनपुरा में ड्रेस कोड के खिलाफ लेंसकार्ट शोरूम के बाहर हिंदू उत्सव समिति के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने कर्मचारियों को तिलक लगाया, मंत्रोच्चार के साथ कलावा बांधा। कहा- सनातन का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान। हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने कहा कि संगठन लेंसकार्ट के बहिष्कार का आह्वान कर रहा है। यह हिंदुस्तान है, यहां तिलक, कलावा और बिंदी का सम्मान होना चाहिए। अगर कंपनी ने इन पर रोक लगाने की कोशिश की, तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कॉरपोरेट कंपनियों से कहा- सनातन धर्म के प्रतीकों का अपमान हुआ, तो सख्त विरोध किया जाएगा।

बहिष्कार का ऐलान कंपनी को चेतावनी

हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने कहा कि संगठन लेंसकार्ट के बहिष्कार का आह्वान कर रहा है। उनका कहना है कि भारत में तिलक, कलावा और बिंदी का सम्मान होना चाहिए। यदि कंपनी ने इन पर रोक लगाने की कोशिश की, तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म के प्रतीकों का अपमान हुआ तो सख्त विरोध किया जाएगा। कंपनी के सीईओ पीयूष बंसल की माफी स्वीकार नहीं है। अगर हमने कंपनी को ऊंचाइयों तक पहुंचाया है, तो जरूरत पड़ने पर नीचे भी ला सकते हैं।

भगवान जगन्नाथ के तीन रथों के निर्माण कार्य का शुभारंभ, ओडिशा के जंगलों से लाई गईं लकड़ियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। त्यागराज नगर स्थित जगन्नाथ मंदिर में भगवान जगन्नाथ के तीन रथों के निर्माण कार्य का शुभारंभ पूरे रीति-रिवाज के साथ शुरू हुआ। यह समारोह पुरी के मुख्य जगन्नाथ धाम में अपनाई जाने वाली परंपराओं और रीति-रिवाजों के अनुसार वैदिक मंत्रों के उच्चारण और जगन्नाथ स्वामी की जय के जयघोष के बीच संपन्न हुआ। पवित्र लकड़ियों की व्यवस्था करने में अहम भूमिका निभाने वाले अवनीकांत साहू भी इस अवसर पर उपस्थित थे और उन्होंने मुख्य कर्ता के रूप में पूजा-अर्चना संपन्न की। इस अवसर पर कई वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, त्यागराज नगर के विधायक नीरज बसोया और नई दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज भी उपस्थित रहीं। इस उत्सव का हिस्सा बनने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु इस समारोह में शामिल हुए। त्यागराज जगन्नाथ मंदिर प्रबंधन ने बताया कि ओडिशा के बाहर पहली बार, 16 जुलाई को विश्व प्रसिद्ध रथ यात्रा उत्सव के दिन जगन्नाथ मार्ग पर तीन मूर्तियों के तीन रथ खींचे जाएंगे। प्रबंधन के अधिकारियों ने बताया कि इन रथों के लिए ओडिशा के ही कुछ श्रद्धालुओं ने ओडिशा के जंगलों से पवित्र लकड़ियों को एकत्रित कर, पालदेहाड़ (ओडिशा) में आयोजित एक विशेष समारोह के माध्यम से उन्हें यहां तक पहुंचाने की व्यवस्था की। पूजा समारोह में ओडिशा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद (राज्यसभा) मनमोहन सामल उपस्थित रहे।

5 लाख महिलाओं के हाथ में आया 'पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड'

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बसों के भीतर महिलाओं के मुफ्त सफर के लिए अब तक 5.30 लाख महिलाओं ने पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड बनवा लिए हैं। यह जानकारी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को दी। उन्होंने कहा कि यह संख्या न केवल इस योजना की सफलता को प्रमाणित करती है, बल्कि दिल्ली की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था पर महिलाओं के बढ़ते भरोसे और सक्रिय भागीदारी को भी दर्शाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार दिल्ली की हर बेटी और महिला की सुरक्षा, सुविधा और आत्मनिर्भरता के लिए प्रतिबद्ध है। 'पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड' केवल मुफ्त यात्रा का पास नहीं है, बल्कि यह महिलाओं को एक डिजिटल पहचान और सम्मानजनक सफर का अनुभव देने वाला सशक्त माध्यम है। सार्वजनिक परिवहन जब सुलभ और सुरक्षित होता है तो महिलाओं के लिए शिक्षा, रोजगार और प्रगति के अवसर अपने आप ही बढ़ जाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह 'टैप-ऐंड-गो' तकनीक पर आधारित एनसीएमसी कार्ड है। अब महिलाओं को कागजी टिकट लेने की जरूरत नहीं है। केवल ईटीएम मशीन पर कार्ड टैप करें और अपनी सीट लें। इस कार्ड की मदद से महिलाओं और ट्रांसजेंडर लोगों को बस में मुफ्त यात्रा करने की सुविधा मिल रही है। यही स्मार्ट कार्ड भुगतान देकर मेट्रो और अन्य सार्वजनिक परिवहनों में भी इस्तेमाल किया जा सकेगा। यह योजना 5 वर्ष से अधिक उम्र की दिल्ली की सभी महिलाओं और ट्रांसजेंडर निवासियों के लिए है। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञ मानते हैं कि इस कार्ड से हर महिला को महीने में 1,200 से 2,400 रुपये तक की बचत हो रही है। उन्हें विश्वास है कि आने वाले समय में इस योजना का विस्तार और अधिक प्रभावी ढंग से होगा।

पुराने चेक की वैधता खत्म होने पर नहीं बनता अपराध : कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। द्वारका जिला अदालत ने एक अहम फैसले में स्पष्ट किया है कि यदि चेक अपनी वैधता अवधि समाप्त होने के बाद बैंक में पेश किया जाता है तो वह नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स (एनआई) अधिनियम की धारा 138 के तहत अपराध नहीं माना जा सकता। इसी आधार पर न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी नितेश गोयल की अदालत ने 27.10 लाख रुपये के चेक बाउंस मामले में आरोपी गुरमीत को बरी कर दिया है। यह मामला पारिवारिक रिश्तों से जुड़ा था, जहां शिकायतकर्ता सुषमा दलाल ने अपने करीबी रिश्तेदार को वर्षों पहले बड़ी रकम उधार देने का दावा किया। शिकायत के अनुसार, आरोपी गुरमीत ने वर्ष 2016 में मकान निर्माण और निजी जरूरतों के लिए करीब 70 लाख रुपये उधार लिए थे, जिसमें से कुछ रकम लौटाने के बाद शेष भुगतान के लिए वर्ष 2023 में 27.10 लाख रुपये का चेक जारी किया गया। जब यह चेक अक्तूबर 2023 में बैंक में लगाया गया तो वह क्लियरिंग मोड उपलब्ध नहीं होने के कारण लौट आया। इसके बाद कानूनी नोटिस भेजकर मामला अदालत पहुंचा। सुनवाई के दौरान अदालत ने पाया कि संबंधित बैंक (ओरिएंटल बैंक ऑफकॉमर्स) का पंजाब नेशनल बैंक में विलय हो चुका था और पुराने चेकबुक की वैधता 30 सितंबर 2021 तक ही थी। ऐसे में 30 अक्तूबर 2023 को प्रस्तुत किया गया चेक पहले ही अपनी वैधता खो चुका था। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि एनआई अधिनियम की धारा 138 के तहत अपराध तभी बनता है जब चेक अपनी वैध अवधि के भीतर पेश किया जाए और अन्य सभी शर्तें भी पूरी हों। चूंकि इस मामले में चेक ही समयसीमा के बाद लगाया गया, इसलिए कानून की मूल शर्त पूरी नहीं हुई। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि भले ही आरोपी ने चेक पर हस्ताक्षर स्वीकार किए हों और कानून में देनदारी का अनुमान भी लगाया जाता हो, लेकिन यदि चेक वैध ही नहीं है तो आपराधिक जिम्मेदारी तय नहीं की जा सकती। इस तरह अदालत ने तकनीकी लेकिन महत्वपूर्ण आधार पर आरोपी को बरी करते हुए यह संदेश दिया कि चेक बाउंस मामलों में समयसीमा और वैधता की शर्तें बेहद अहम हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

वॉयस ऑफ ह्यूमन फाउंडेशन का सामूहिक विवाह, 11 जोड़े बने जीवनसाथी

नई दिल्ली (एजेंसी)। वॉयस ऑफ ह्यूमन फाउंडेशन द्वारा पाँचवाँ सामूहिक विवाह समारोह सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसमें 11 जोड़ों ने एक साथ वैवाहिक बंधन में बंधकर नए जीवन की शुरुआत की। समारोह के दौरान संस्था ने सभी नवविवाहित जोड़ों को आवश्यक घरेलू सामान और उपहार भेंट किए। यह पहल आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सम्मानपूर्वक विवाह का अवसर प्रदान करने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास मानी जा रही है। कार्यक्रम में स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों और समाजसेवियों ने भाग लेकर संस्था के कार्यों की प्रशंसा की। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर संस्था की वंदना ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज सेवा से बड़ा कोई कार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि अभावग्रस्त कन्याओं का विवाह कराना अत्यंत पुण्य का कार्य है और इसमें सहयोग करने वाले सभी लोग इसके भागीदार हैं। संस्था ने भविष्य में भी इस प्रकार के सामाजिक कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

दिल्ली में कानून व्यवस्था पर सवाल, पुलिस में हजारों पद खाली : डॉ. नरेश कुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। डॉ. नरेश कुमार ने राजधानी की बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू को ज्ञापन सौंपते हुए गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि कई संवेदनशील मामलों में पुलिस की निष्क्रियता से जनता के बीच असुरक्षा का माहौल बन रहा है। उन्होंने गार्गी कॉलेज में अव्यवस्था, सीआर पार्क में दोहरे हत्याकांड और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आवास के बाहर हुए हंगामे जैसे घटनाक्रमों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन मामलों में पुलिस की चुप्पी चिंताजनक है। उनके अनुसार, बढ़ते अपराधों के बावजूद समय पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पा रही है। डॉ. नरेश कुमार ने बताया कि संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार दिल्ली पुलिस में स्वीकृत 97,331 पदों में से 14,140 पद खाली हैं, जिससे कानून व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने इन रिक्त पदों को शीघ्र भरने और बढ़ती आबादी के अनुरूप नए पुलिस थानों की स्थापना की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस को संविधान और कानून के अनुसार निष्पक्ष रूप से कार्य करना चाहिए, न कि किसी राजनीतिक दबाव में। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि गार्गी कॉलेज छात्रसंघ चुनाव के दौरान जबरन प्रवेश की घटनाओं और अन्य मामलों में भी पुलिस ने अपेक्षित कार्रवाई नहीं की।

एक साल में बदली एमसीडी की तस्वीर, आगे 'मॉडल शहर' का लक्ष्य: सत्या शर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम की स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने दावा किया है कि पिछले एक वर्ष में एमसीडी में हुए बदलाव केवल प्रशासनिक सुधार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह एक व्यापक परिवर्तन की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि निगम ने लंबे समय से चली आ रही समस्याओं पर ठोस कार्रवाई करते हुए व्यवस्था को पटरी पर लाने के साथ-साथ विकास की नई दिशा भी तय की है।

सत्या शर्मा के अनुसार यह परिवर्तन नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन, अमित शाह के मार्गदर्शन और रेखा गुप्ता के नेतृत्व का परिणाम है। उन्होंने कहा कि इन नीतिगत दिशाओं ने निगम को नई ऊर्जा और स्पष्ट लक्ष्य प्रदान किया है।

उन्होंने बताया कि सरकार बनने के साथ ही आम नागरिकों को राहत देना प्राथमिकता में रहा। घर-घर कूड़ा उठाने पर लगाए गए उपयोग शुल्क को समाप्त कर करोड़ों लोगों को सीधे लाभ पहुंचाया गया। साथ ही स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सैकड़ों बाजारों में रात्रिकालीन सफाई, ढलावों की नियमित सफाई और आधुनिक मशीनों का उपयोग बढ़ाया गया, जिससे सफाई व्यवस्था को स्थायी रूप दिया जा सका।

कूड़े के निस्तारण को लेकर भी बड़े स्तर पर काम किया गया है। सत्या शर्मा ने बताया कि कचरे के पहाड़ों को खत्म करने के लिए बड़े पैमाने पर निस्तारण और अपशिष्ट से ऊर्जा बनाने वाली परियोजनाओं को तेज किया गया है, जिससे राजधानी को कचरा मुक्त शहर बनाने की दिशा में तेजी आई है।

कर्मचारियों के हितों पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि नियमितीकरण, समय पर वेतन और पेंशन तथा स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता से कर्मचारियों का मनोबल बढ़ा है। वहीं वित्तीय मोर्चे पर निगम ने रिकॉर्ड स्तर पर संपत्ति कर संग्रह करते हुए पहली बार लाभ वाला बजट प्रस्तुत किया है, जो वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता का संकेत है।

भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए सत्या शर्मा ने कहा कि अब लक्ष्य केवल सुधार तक सीमित नहीं है, बल्कि दिल्ली को एक आदर्श शहरी ढांचे में विकसित करना है। ÷एक सड़क-एक दिन÷ योजना के तहत रोजाना एक सड़क को मॉडल सड़क के रूप में विकसित किया जाएगा। साथ ही तीनों लैंडफिल स्थलों को समाप्त कर उन्हें हरित क्षेत्र और सार्वजनिक उपयोग के स्थानों में परिवर्तित करने की योजना है।

उन्होंने यह भी बताया कि हर वार्ड में स्वास्थ्य और सामुदायिक सुविधाओं का विस्तार, डिजिटल सेवाओं को सरल बनाना, प्रदूषण नियंत्रण के लिए निरंतर निगरानी प्रणाली स्थापित करना तथा विद्युत वाहन चार्जिंग और सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना निगम की प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके साथ ही बड़े स्तर पर पौधारोपण अभियान और नागरिक सहभागिता को बढ़ाकर राजधानी को हरित और टिकाऊ शहर बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

सत्या शर्मा ने कहा कि एक वर्ष में परिवर्तन की मजबूत नींव रखी जा चुकी है और आने वाले समय में यही बदलाव दिल्ली की पहचान बनेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि एमसीडी विकसित, स्वच्छ और आधुनिक राजधानी के लक्ष्य को हर हाल में प्राप्त करेगी।

विधायी मसौदा-निर्माण लोकतांत्रिक शासन का मूल है : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। विधायी मसौदा-निर्माण लोकतांत्रिक शासन का मूल है किसी कानून की सटीकता ही तय करती है कि वह अधिकारों की रक्षा कितनी प्रभावी ढंग से करता है, जवाबदेही सुनिश्चित करता है और आम नागरिकों के जीवन को कैसे प्रभावित करता है। उक्त बातें दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने मंगलवार को दिल्ली विधान सभा के दौरे पर आए 18 देशों के 43 प्रतिनिधियों के दल को संबोधित करते हुए कही। ये प्रतिनिधि बांग्लादेश, भूटान, ओमान, केन्या, श्रीलंका, फिलीपींस और तंजानिया सहित विभिन्न देशों से आए थे और लोकसभा सचिवालय के संसदीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा आयोजित 37वें अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि विधानसभा परिसर को एक विरासत स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां एक संग्रहालय बनाया जा रहा है जो विधानसभा की यात्रा को दर्शाएगा। इसके अलावा, इसके इतिहास को जनता तक पहुंचाने के लिए लाइट एंड साउंड शो की भी योजना बनाई जा रही है। विधानसभा अध्यक्ष ने अपने संबोधन में विधानसभा के ऐतिहासिक और संस्थागत महत्व का उल्लेख करते हुए बताया कि वर्तमान भवन, जो 1912 में बना, पहले इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल का मुख्यालय था और बाद में 1919 के भारत सरकार अधिनियम के तहत केंद्रीय विधान सभा के रूप में उपयोग हुआ। उन्होंने 24 अगस्त 1925 को विठ्ठलभाई पटेल के पहले भारतीय अध्यक्ष के रूप में चुने जाने को याद किया और इसे औपनिवेशिक शासन के दौरान विधायी स्वायत्तता की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

एबीवीपी ने 12 मांगों को लेकर डीयू में निकाला 'छात्र अधिकार मार्च'

नई दिल्ली (एजेंसी)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने मंगलवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों की मूलभूत समस्याओं और अधिकारों को लेकर विश्वविद्यालय परिसर में विशाल 'छात्र अधिकार मार्च' का आयोजन किया। इस विरोध प्रदर्शन में विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों से आए छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। एबीवीपी ने दिल्ली विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष 12 प्रमुख मांगों का एक मांगपत्र रखा है, जो छात्रों के शैक्षणिक और बुनियादी ढांचे से जुड़े सुधारों पर केंद्रित है। परिषद की मुख्य मांगों में विश्वविद्यालय को 'पोर्टा केबिन' मुक्त बनाना, अनिवार्य फायर सेफ्टी ऑडिट सुनिश्चित करना और 30 अप्रैल 2026 तक परीक्षा फॉर्म की लेट फीस से छूट दिलाना शामिल है। इसके अतिरिक्त, अभाविप ने पांच वर्षीय लॉ बीए एलएलबी (ऑनर्स) की शुल्क को घटाने, अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए सप्लीमेंट्री परीक्षा का आयोजन, नए हॉस्टलों का निर्माण और एक 'सेंट्रलाइज्ड प्लेसमेंट सेल' की स्थापना जैसी महत्वपूर्ण मांग उठाई। सामाजिक समावेशिता को बढ़ावा देते हुए एबीवीपी ने थर्ड जेंडर छात्रों के लिए मुफ्त शिक्षा और विश्वविद्यालय के बुनियादी ढांचे को दिव्यांग सुगम्य बनाने पर भी विशेष जोर दिया है। एबीवीपी ने 'एक कोर्स, एक फीस' और अकादमिक काउंसिल में छात्रों के प्रतिनिधित्व की मांग करते हुए कॉलेज कैंटीन में स्वच्छता और भोजन की गुणवत्ता बनाए रखने की भी पुरजोर अपील की है। एबीवीपी दिल्ली के प्रांत मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि यह 'छात्र अधिकार मार्च' दिल्ली विश्वविद्यालय प्रशासन की उदासीनता के विरुद्ध छात्रों का एक निर्णायक शंखनाद है। एबीवीपी ने जिन 12 मांगों को उठाया है, वे छात्रों के भविष्य और उनकी सुरक्षा से जुड़ी हुई हैं। आज हमारे आंदोलन के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर यह मांग की कि यदि प्रशासन इन 12 मांगों पर तत्काल सकारात्मक कदम नहीं उठाता है तो एबीवीपी छात्र हितों की रक्षा के लिए और भी उग्र आंदोलन करेगी।

दक्षिणी ज़ोन में कार्यों की समीक्षा, समयसीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। संजीव खिरवार ने दक्षिणी ज़ोन के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर चल रहे विकास कार्यों और नागरिक सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण का उद्देश्य मुख्यमंत्री विकास निधि के अंतर्गत प्रगति, डीसिल्टिंग कार्यों और स्वच्छता व्यवस्था का आकलन करना रहा।

निरीक्षण के दौरान ग्रीन पार्क और आसपास के इलाकों में सड़क परियोजनाओं का जायजा लिया गया। इस अवसर पर दक्षिणी ज़ोन के उपायुक्त राकेश कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। आयुक्त ने कार्यों की गुणवत्ता पर संतोष जताते हुए शेष परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि आमजन को बेहतर आवाजाही सुविधा मिल सके।

मानसून की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए गौतम नगर में नालों और पार्किंग स्थलों की सफाई का भी निरीक्षण किया गया। आयुक्त ने डीसिल्टिंग कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सख्त दस्तावेज़ीकरण प्रक्रिया अपनाने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि सभी लंबित डीसिल्टिंग और सड़क कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर बिना गुणवत्ता से समझौता किए पूरे किए जाएं। साथ ही विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर बल दिया, ताकि परियोजनाओं के निष्पादन में आ रही बाधाओं को दूर किया जा सके।

आयुक्त ने कर्मचारियों के प्रभावी उपयोग पर जोर देते हुए निर्देश दिए कि दक्षिणी ज़ोन में स्वच्छता के मानकों में उल्लेखनीय सुधार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि नगर निगम नागरिकों को सुरक्षित, स्वच्छ और बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

आवारा कुत्तों की बढ़ती समस्या पर विजय गोयल ने मुख्य सचिव से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। विजय गोयल ने राजधानी में आवारा कुत्तों के बढ़ते हमलों को लेकर मुख्य सचिव राजीव वर्मा से दिल्ली सचिवालय में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने समस्या के समाधान के लिए तत्काल सख्त कदम उठाने की मांग की। गोयल ने अपने ज्ञापन में कहा कि आवारा कुत्तों के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निर्देशों की लगातार अवमानना हो रही है। उन्होंने बताया कि न्यायालय ने निर्देश दिया है कि सार्वजनिक स्थानों से आवारा कुत्तों को हटाकर शेल्टर होम में रखा जाए और आक्रामक कुत्तों को भी स्थायी रूप से वहीं रखा जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सड़कों, सोसाइटी और अपार्टमेंट में कुत्तों को खाना खिलाना प्रतिबंधित है तथा यह केवल निर्धारित फीडिंग सेंटरों पर ही किया जा सकता है। गोयल के अनुसार इन नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ प्रशासन और पुलिस को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। गोयल ने आरोप लगाया कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी फैला रहे हैं, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है। उन्होंने कहा कि आरडब्ल्यूए को ऐसे मामलों में कार्रवाई करने और प्राथमिकी दर्ज कराने का अधिकार है। इसके साथ ही उन्होंने दिल्ली नगर निगम की व्यवस्थाओं पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अभी तक पर्याप्त शेल्टर होम और फीडिंग सेंटर स्थापित नहीं किए गए हैं, वहीं 311 अनुप्रयोग भी प्रभावी ढंग से काम नहीं कर रहा है। गोयल ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसके लिए तुरंत ठोस कदम उठाने आवश्यक हैं।

महिला आरक्षण पर सियासत तेज, भाजपा पर 'छिपे एजेंडे' का आरोप: शोभा ओझा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की पूर्व महिला अध्यक्ष शोभा ओझा ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि भाजपा सरकार संसद में संशोधन विधेयक के जरिए अपने ÷छिपे हुए एजेंडे÷ को लागू करना चाहती थी, जिसे विपक्ष की एकजुटता ने विफल कर दिया। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण के नाम पर परिसीमन के माध्यम से सत्ता पर नियंत्रण स्थापित करने की कोशिश की गई।

राजीव भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में शोभा ओझा ने कहा कि वर्ष 2023 में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम को कांग्रेस के समर्थन से दोनों सदनों में मंजूरी मिली थी, जिसमें जनगणना के आधार पर सीटों का परिसीमन कर महिलाओं को आरक्षण देने का प्रावधान किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान प्रस्ताव 2011 की जनगणना के आधार पर लागू करने की कोशिश की गई, जो वास्तविक स्थिति के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी है और लोकतंत्र तथा संविधान की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष किया है। ओझा के अनुसार भाजपा की विचारधारा महिलाओं के हितों के विपरीत रही है और इतिहास में महिलाओं को पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया।

संवाददाता सम्मेलन में दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री नरेन्द्र नाथ, दिल्ली प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष पुष्पा सिंह सहित अन्य वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे। वक्ताओं ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि महिला आरक्षण विधेयक को राजनीतिक लाभ के उद्देश्य से लाया गया, न कि वास्तविक सशक्तिकरण के लिए।

नरेन्द्र नाथ ने कहा कि संसद में विधेयक को बहुमत न मिलना सरकार की विफलता को दर्शाता है। उन्होंने मांग की कि 2021 की जनगणना के आधार पर परिसीमन कर 2029 के लोकसभा चुनाव में महिला आरक्षण लागू किया जाए, न कि इसे आगे टालकर 2034 तक ले जाया जाए।

वहीं पुष्पा सिंह ने कहा कि महिला आरक्षण की बुनियाद कांग्रेस ने रखी थी और पंचायती राज तथा नगर निकायों में 33 प्रतिशत आरक्षण देकर महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की गई। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के प्रयासों से ही महिलाओं को शासन के विभिन्न स्तरों पर अवसर मिला है और पार्टी आज भी इस दिशा में संघर्ष कर रही है।

कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार से मांग की कि मौजूदा लोकसभा सीटों पर एक तिहाई महिला आरक्षण तुरंत लागू किया जाए, ओबीसी महिलाओं के लिए उप-कोटा सुनिश्चित किया जाए और महिला सुरक्षा के मामलों में जवाबदेही तय की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक महिलाओं को उनका अधिकार नहीं मिल जाता, तब तक पार्टी का संघर्ष जारी रहेगा।

धीरे धीरे खत्म होने लगा सार्वजनिक पुस्तकालय का चलन: जनरल वीके सिंह

–बदल रहा है लाइब्रेरी का स्वरूप, लेकिन खत्म नहीं होगी पुस्तकों की आवश्यकता : प्रो. योगेश सिंह

–डीयू के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग का 80 वां स्थापना दिवस समारोह आयोजि

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग का 80 वां स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर जनरल वी.के सिंह ने सार्वजनिक पुस्तकालयों के समाप्त होने पर चिंता व्यक्त की। डीयू में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि जब आप किसी लाइब्रेरी में जाते हैं, तो वहां वो चीज प्राप्त करते हैं जो कहीं और नहीं मिल सकती। अगर आप यूरोप में जाएं तो वहां सार्वजनिक पुस्तकालयों पर सबसे ज्यादा जोर देखने को मिलता है।

हमारे यहां भी पहले सार्वजनिक पुस्तकालय थे, धीरे धीरे उनका चलन खत्म होने लगा, कुछ जगह पर अभी भी हैं, लेकिन शायद उनकी देखरेख उतनी नहीं है, जितना कि उनको सपोर्ट मिलना चाहिए। अब समय है कि हम उन्हें और अच्छा बना सकें, ताकि सब लोगों को उनका फायदा मिल सके। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि विश्वविद्यालयों से ही देश के उच्चतम लोग निकल पाते हैं।

उन्होंने कहा कि एक समय था जब लाइब्रेरी का अपना महत्व था। आप किसी भी संस्था का आकलन करना चाहते थे तो, उसकी लाइब्रेरी से उसका आकलन होता था। अब लाइब्रेरी का स्वरूप बदल गया है। लाइब्रेरी और इनफार्मेशन साइंस का अपना एक अलग महत्व है। किसी भी देश को आगे बढ़ने के लिए शिक्षा की जरूरत होती है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि तकनीक के कारण आज लाइब्रेरी का स्वरूप बदल रहा है, लेकिन पुस्तकों की आवश्यकता कभी खत्म नहीं होगी। अगर हमें आगे बढ़ना है तो पढ़ने की आदत बनाए रखना जरूरी है। पुस्तकों का तरीका बदल सकता है, उनके प्रकाशन का माध्यम बदल सकता है, लेकिन उनकी उपयोगिता कम नहीं हो सकती। प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि प्राचीन काल में हमारे नालंदा विश्वविद्यालय का पुस्तकालय विश्व प्रसिद्ध था। दुनिया के अनेकों देशों से स्कॉलर वहां पढ़ने आते थे।

कुलपति ने कहा कि भारत में बीसवीं शताब्दी के आरंभ में सार्वजनिक पुस्तकालयों की स्थापना करने की शुरुआत का श्रेय बड़ौदा के महाराजा सियाजीराव को जाता है। उन्होंने अमरीका के विलियम एलनसन बोर्डेन को अपनी रियासत में पुस्तकालयों की स्थापना करने के लिए आमंत्रित किया। बीएचयू (बनारस हिंदू विश्वविद्यालय) की मुख्य लाइब्रेरी का नाम उन्हीं के नाम पर सयाजीराव गायकवाड़ लाइब्रेरी है, क्योंकि इसके निर्माण के लिए उन्होंने ही दान दिया था।

डीएम की अध्यक्षता में हुई जनसुनवाई,अधिकारियों को दिए त्वरित कार्यवाही के आदेश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। डीएम रविन्द्र कुमार माँदड़ ने अपने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई की। जनसुनवाई के दौरान राजस्व विभाग, जीडीए, नगर निगम, कृषि विभाग, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, निर्माण विभाग सहित अन्य विभागों से सम्बंधित प्रार्थना व शिकायती पत्र प्राप्त हुए। डीएम ने अधिकारियों को शासन के मंशा अनुरूप त्वरित कार्यवाही करने के आदेश दिए। वहीं जनसुनवाई की सीधे सीएम ऑफिस उत्तर प्रदेश से लाइव कनेक्टिविटी से मॉनिटरिंग की जा रही थी। डीएम ने जनमानस की सुविधा हेतु जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य दिवस में सुबह 10 से 12 बजे जन शिकायतें सुनेंगे और उनके साथ जूम पर लाइव रहेंगे। जनसुनवाई के दौरान कई शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया एवं जूम के माध्यम से संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर उन्हें शिकायतों से अवगत कराते हुए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के आदेश दिए। डीएम ने जनसुनवाई के दौरान एक दिव्यांगजन महिला, जिसका नाम दीनमनी शर्मा को दिव्यांजन कल्याण विभाग से श्रबण यंत्र एवं मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल और दूसरे दिव्यांगजन दीपक को ट्राइसाइकिल प्रदान की गई। जनसुनवाई के दौरान एडीएम सिटी विकास कश्यप, एडीएम जे. अंजुम बी, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी अंशुल चौहान सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नगर निगम मुख्यालय पर हुआ संभव के तहत जनसुनवाई का आयोजन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर निगम मुख्यालय पर प्रत्येक मंगलवार को संभव के तहत जनसुनवाई का आयोजन किया जाता है। आज की गई जनसुनवाई के दौरान 21 समस्याएं नगर निगम अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत की गई। समस्याओं में 13 निर्माण विभाग, 4 उद्यान विभाग, 2 टैक्स और 2 एंक्रोचमेंट से संबंधित प्राप्त हुई। प्राप्त सभी समस्याओं का निस्तारण करने के आदेश सभी विभाग अध्यक्षों को दिए गए। अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव ने बताया कि जनता की समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रत्येक मंगलवार को संभव के तहत जनसुनवाई का आयोजन नगर निगम मुख्यालय पर किया जाता है।

जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों और समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता पर किया जाता है। समस्या का निस्तारण करने के लिए संबंधित विभाग अध्यक्ष को आदेशित किया जाता है। उन्होंने बताया कि समस्या का निस्तारण करने के बाद फरियादी से समस्या से संबंधित फीडबैक भी लिया जाता है। स्थलीय समस्याओं का निस्तारण करने के लिए नगर निगम के अधिकारी व कर्मचारी मौके पर पहुंचकर समस्या का निस्तारण कर रहे हैं। जनसुनवाई के दौरान उद्यान प्रभारी डॉ. अनुज कुमार सिंह, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी संतोष कुमार राय, प्रभारी संपत्ति पल्लवी सिंह व अन्य मौजूद रहे।

सरस्वती मेडिकल कॉलेज में लाइव मॉक ड्रिल, अग्नि सुरक्षा को लेकर किया जागरूक

हापुड़ (शिखर समाचार)। अग्निशमन सेवा सप्ताह के अवसर पर सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में व्यापक अग्नि सुरक्षा मॉक ड्रिल एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्टाफ, विद्यार्थियों और आगंतुकों को अग्नि सुरक्षा, संभावित खतरों की पहचान तथा आपातकालीन परिस्थितियों में प्रभावी प्रतिक्रिया के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम के दौरान विस्तृत प्रदर्शन और संवादात्मक सत्र आयोजित किए गए, जिनमें अग्निशमन उपकरणों के सही उपयोग और आवश्यक सुरक्षा प्रोटोकॉल की जानकारी दी गई। मुख्य आकर्षण लाइव डेमो रहा, जिसमें अग्निशामक यंत्रों के उपयोग की पास तकनीक खींचें, निशाना लगाएं, दबाएं और झाड़ू की तरह चलाएं को व्यावहारिक रूप से समझाया गया। साथ ही रेस प्रोटोकॉल बचाव, सतर्क करना, नियंत्रित करना और निकासी के तहत आपातकालीन स्थिति में उठाए जाने वाले जरूरी कदमों की जानकारी दी गई। अग्नि सुरक्षा टीम ने कार्बन डाइऑक्साइड अग्निशामक यंत्र, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण, श्वसन यंत्र सहित अन्य आपातकालीन उपकरणों का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण देकर उन्हें वास्तविक परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयार किया गया। इसके अलावा विशेषज्ञों की निगरानी में आउटडोर मॉक ड्रिल भी आयोजित की गई, जिसमें आपात स्थिति का वास्तविक अनुकरण करते हुए निकासी प्रक्रिया, समन्वय और त्वरित प्रतिक्रिया का अभ्यास कराया गया। इस अभ्यास ने प्रतिभागियों को टीमवर्क, सतर्कता और समय पर निर्णय लेने के महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम में फायर ऑफिसर अरशद खान, प्रमोद कुमार, द्वितीय फायर ऑफिसर दिनेश कुमार, फायरमैन चंद्र पाल सिंह, कमल कोरी और सुपरवाइजर अभिषेक पुंडीर की अहम भूमिका रही। वहीं प्राचार्या डॉ. बरखा गुप्ता, वरिष्ठ सलाहकार ब्रिगेडियर डॉ. आर. के. सहगल, महाप्रबंधक एन. वर्धराजन, निदेशक रघुवर दत्त, चिकित्सा अधीक्षक मेजर जनरल डॉ. सी. एस. अहलूवालिया तथा मानव संसाधन प्रबंधक एल. रुबावथी ने इस पहल की सराहना करते हुए सुरक्षा जागरूकता को और मजबूत करने पर जोर दिया।

क्रॉसिंग गोल चक्कर पर मार्केट में लगी आग, दमकल विभाग ने पाया आग पर काबू

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र के गोल चक्कर पर मंगलवार की सुबह मार्केट में अचानक आग लग गई। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और भगदड़ का माहौल बन गया। आग का धुआं काफी दूर तक दिखाई देने लगा और धुएं को देखकर लोगों का जमावड़ा मौके पर लग गया। आग की सूचना दमकल विभाग की टीम को दी गई। दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग को बुझाना शुरू किया। इसी दौरान दमकल विभाग को सूचना मिली की अजनारा जैनएक्स सोसायटी के 20 वे तल पर एक फ्लैट में आग लग गई है। आग की गंभीरता को देखते हुए दूसरे जनपद से भी फायर टैंकर मौके पर मंगाए गए। गौतम बुध नगर के चीफ फायर ऑफिसर भी मौके पर पहुंचे। गाजियाबाद व गौतम बुद्ध नगर की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद मार्केट और फ्लैट में लगी आग पर काबू पाया। गनीमत रही की आग लगने के कारण कोई जनहानि नहीं हुई और समय रहते ही आग पर काबू पा लिया गया, वरना क्रॉसिंग रिपब्लिक का सीएनजी पंप और अन्य सोसायटी भी आग की चपेट में आ सकती थी । चीफ फायर ऑफिसर राहुल पाल ने बताया कि सुबह लगभग 11 बजे फायर स्टेशन कोतवाली पर सूचना प्राप्त हुई कि क्रॉसिंग-रिपब्लिक गोल चक्कर के पास दुकानों में आग लग गई है। सूचना पर तत्काल फायर टैंकर घटनास्थल के लिए रवाना किए गए।घटनास्थल पर जाकर देखा गया कि आग विकराल रूप से जल रही थी और मौके की नजाकत को देखते हुए अन्य फायर स्टेशन वैशाली, कोतवाली, साहिबाबाद व जनपद गौतमबुद्धनगर से फायर टैंडर की घटनास्थल

पर बुलाये गए। फायर सर्विस यूनिट ने तत्काल दो लाइन बनाकर दुकानों की आग को बुझाना आरंभ किया। दुकानों की आग को बुझाया जा रहा था। इसी बीच पास स्थित अजनारा जैनएक्स सोसाइटी के 20 वे तल पर अरुणोदय वर्मा के फ्लैट नंबर एम-2006 में आग लग गई। तत्काल फायर सर्विस यूनिट सोसायटी पर पहुंची और अथक परिश्रम कर फ्लैट की आग को बूझकर शांत किया गया। फ्लैट में एक कमरे में आग लगी थी, जिसमें तीन एसी, दो मेज, एक एलइडी टीवी व कमरे की दीवार क्षतिग्रस्त हुई। उन्होंने बताया कि लगभग-20 दुकानों में आग लगी थी, जो अस्थायी रूप से टीन शैड से निर्मित थी।दुकानों की आग को पूर्ण रूप से बुझा दिया गया है और आग से किसी भी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई है। फायर यूनिट ने त्वरित कार्यवाही करते हुए पास स्थित अन्य कई दुकाने, मॉडल वाइन शॉप और आईजीएल सीएनजी पंप को सुरक्षित बचा लिया गया। आग पर काबू पाने के लिए 6 फायर टैंडर, 5 वाटर बाउजर व एक हाइड्रोलिक प्लेटफार्म का प्रयोग किया गया।

शालीमार गार्डन पुलिस ने पकड़ा 900 किलो सिंथेटिक पनीर, खाद्य विभाग ने किया नष्ट

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना शालीमार गार्डन पुलिस क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। चेकिंग के दौरान पुलिस को एक टेंपो आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने जब टेंपो की तलाशी ली तो उसमें बड़ी मात्रा में नीले ड्रम मौजूद थे। पुलिस ने जब ड्रम को चेक किया तो उसमें पनीर मौजूद था। पुलिस ने तत्काल दो लोगों को हिरासत में लेते हुए खाद्य विभाग को सूचना दी। खाद्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पनीर का सैंपल लिया तो वह सिंथेटिक पनीर निकला। टीम ने पनीर का वजन किया तो पनीर 900 किलो था। खाद्य विभाग की टीम में सिंथेटिक पनीर को नष्ट कर दिया है। इसके अलावा

हिरासत में लिए गए दोनों अभियुक्तों से पूछताछ की जा रही है। खाद्य अधिकारी आशुतोष राय ने बताया कि थाना शालीमार गार्डन पुलिस ने सूचना दी थी कि चेकिंग के दौरान उन्होंने मथुरा से दिल्ली जा रहे एक टेंपो को रोका था। टेंपो में बड़ी मात्रा में पनीर मौजूद है। सूचना की गंभीरता को समझते हुए तत्काल मौके पर टीम रवाना की गई। पनीर का सैंपल चेक किया गया तो वह सिंथेटिक पनीर पाया गया। सिंथेटिक पनीर को खाद्य विभाग की टीम ने नष्ट कर दिया है। उन्होंने बताया कि हिरासत में लिए गए दोनों अभियुक्तों से पूछताछ की जा रही है कि वह यह सिंथेटिक पनीर कहां से लाए थे और दिल्ली में किसको देने जा रहे थे।

नगीना में एम्स की मांग को लेकर शुरू हुआ पोस्टकार्ड अभियान

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। नगीना में एम्स बनवाने की मांग को लेकर नागरिकों ने मुख्यमंत्री को संबोधित पोस्टकार्ड अभियान शुरू किया है। लोगों का मानना है कि इस माध्यम से उनकी मांग सीधे सरकार तक पहुंचेगी और क्षेत्र को बड़ी स्वास्थ्य सुविधा मिल सकेगी। अभियान के तहत भेजे जा रहे पोस्टकार्ड में नगीना में एम्स स्थापित करने के लिए उपयुक्त भूमि की उपलब्धता का उल्लेख किया गया है। बिजनौर रोड स्थित वर्षों से बंद पड़ी नगीना सहकारी कताई मिल की जमीन को इसके लिए उपयुक्त बताया गया है। साथ ही सड़क और रेल मार्ग से बेहतर संपर्क तथा मुरादाबाद मंडल और उत्तराखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों की बड़ी आबादी को लाभ मिलने का तर्क भी दिया गया है। अभियान के संयोजक डॉक्टर भूपेश चौहान ने बताया कि एक लाख पोस्टकार्ड भेजने का लक्ष्य रखा गया है, जिसकी शुरूआत पहले दिन एक हजार पोस्टकार्ड से की गई। पूर्व में इस संबंध में एसडीएम विजय शंकर मिश्रा को ज्ञापन भी सौंपा जा चुका है। इस अभियान को जनआंदोलन का रूप देने की तैयारी है। शुरूआत सरोज देवी ने पहला पोस्टकार्ड भेजकर की।

कारखाना अधिनियम 1948 : बनारस की बीड्स कंपनी में हेल्थ एंड सेफ्टी ट्रेनिंग हुई संपन्न

बनारस (शिखर समाचार)। कारखाना अधिनियम 1948 की धारा 111-अ के अनुपालन में बनारस बीड्स में फर्स्ट ऐड व हेल्थ एंड सेफ्टी ट्रेनिंग सम्पन्न हुई, जिसमें एसएमई गुरुकुल फाउंडेशन एनजीओ की तरफ से डॉक्टर अभिषेक कंचन ने कंपनी के सभी कर्मचारियों को हेल्थ एंड सेफ्टी के बारे जानकारी दी। कार्यस्थल पर काम करते समय किस प्रकार की सावधानियां रखनी चाहिये, जिससे कंपनी परिसर में किसी भी तरह की दुर्घटना होने से बचा जा सके। कारखाना अधिनियम 1948 की धारा 111-अ के तहत कारखाने के नियोक्ता की जिम्मेदारी है कि वह कारखाने में काम करने वाले सभी करमचारियो को हेल्थ एंड सेफ्टी का प्रशिक्षण दिलवाए। मुख्य निरीक्षक कारखाना द्वारा अनुमोदित किसी प्रशिक्षण संस्था से प्रशिक्षण दिलवाए, जो कार्यस्थल पर श्रमिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए प्रशिक्षण देते है। यह भी आवश्यक होगा की इस प्रकार की ट्रेनिंग की वार्षिक विवरण क्षेत्र के फैक्ट्री डिपार्टमेंट के कार्यालय में प्रत्येक वर्ष जमा करना अनिवार्य है अन्यथा कंपनी के ऊपर दंड के भी प्रावधान है।

टाइगर गंगा हेरिटेज के नाम से रोडवेज की विशेष बस सेवा शुरू होगी

बिजनौर (शिखर समाचार)। कलेक्ट्रेट सभागार में जिला उद्योग बंधु की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता जिलाधिकारी जसजीत कौर ने की। बैठक में जनपद में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से टाइगर गंगा हेरिटेज के नाम से परिवहन निगम की विशेष बस सेवा प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया। यह सेवा क्षेत्र के प्रमुख पर्यटन स्थलों को जोड़ते हुए स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देने में सहायक सिद्ध होगी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने विकास कुमार अग्रवाल, संभागीय अध्यक्ष द्वारा जिले में फ्लाई ऐश आधारित उत्पादों का निर्माण करने वाली औद्योगिक इकाइयों के हित में ईंट प्रकरण की अनुसूची दरों में लोक निर्माण विभाग द्वारा फ्लाई ऐश ईंट एवं टाइल्स की दरें निर्धारित किए जाने के अनुरोध पर संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि पोर्टल पर प्राप्त 578 आवेदन पत्रों में से 227 का प्रथम स्तर पर सत्यापन, 108 का द्वितीय स्तर पर सत्यापन तथा 85 आवेदन तृतीय स्तर पर स्वीकृत पाए गए। वहीं मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत 1700 आवेदन के लक्ष्य के सापेक्ष 441 आवेदन बैंकों को प्रेषित किए गए, जिनमें से 13 स्वीकृत, 22 में ऋण वितरण, 428 लंबित तथा 11 आवेदन बैंकों द्वारा अस्वीकृत पाए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रण विजय सिंह, उपायुक्त उद्योग अमित कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, विकास कुमार अग्रवाल, जुल्फुकार आलम, मुनीश त्यागी, नितिन अग्रवाल तथा अन्य उद्योग बंधु एवं व्यापार बंधु उपस्थित रहे।

जीडीए का ओटीएस 2026 धमाका: डिफॉल्टर आवंटियों को बड़ी राहत, ब्याज जुमार्ने से मिलेगी मुक्ति

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने डिफॉल्टर आवंटियों के लिए खजाना खोल दिया है। लंबे समय से ब्याज और जुमार्ने की मार झेल रहे आवंटियों के लिए अब वन टाइम सेटलमेंट (ओ टी एस) स्कीम का रास्ता साफ हो गया है। जीडीए ने युद्ध स्तर पर इस योजना को धरातल पर उतार दिया है।

क्या है योजना और क्यों है खास?

सरकार का सीधा मकसद है डिफॉल्टर्स को राहत देना और अटके हुए राजस्व को वापस लाना। जीडीए ने इस योजना के प्रचार-प्रसार के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। शहर की हर गली से लेकर प्रमुख चौराहों तक, होर्डिंग्स, रेडियो और सोशल मीडिया के जरिए ओटीएस 2026 का शोर है।

हेल्प डेस्क पर उमड़ी भीड़

जीडीए परिसर में 18 अप्रैल 2026 को विशेष ओटीएस हेल्प डेस्क की शुरूआत की गई है। यहां सिर्फ नियमों की जानकारी ही नहीं दी जा रही, बल्कि धड़ाधड़ फॉर्म भी बांटे जा रहे हैं।

आंकड़ों की जुबानी:

पहले ही दिन से आवंटियों का तांता लगा है। अब तक लगभग 100 लोगों ने फॉर्म लिया है, जिसमें से 12 आवेदनकर्ता तो फॉर्म भरकर जमा भी कर चुके हैं।

डेडलाइन का रखें ध्यान

यह योजना सीमित समय के लिए है।
योजना शुरू: 18 अप्रैल 2026
अंतिम तिथि: 17 जुलाई 2026

प्राधिकरण का कहना है कि यह मौका हाथ से निकला तो बाद में पछतावा ही बचेगा। सभी तरह की संपत्तियों पर यह स्कीम लागू है, इसलिए देरी न करें।

जीडीए की अपील

अगर आप भी डिफॉल्टर सूची में हैं, तो आज ही जीडीए की हेल्प डेस्क पर संपर्क करें और अपने कागजात दुरुस्त करवाएं। ओटीएस स्कीम का फायदा उठाएं और टेंशन फ्री हो जाएं!

शादी से इनकार पर सनकी प्रेमी ने युवती की चाकू मारकर हत्या

बिजनौर (शिखर समाचार)। थाना शहर कोतवाली क्षेत्र की काशीराम कॉलोनी में मंगलवार को प्रेम प्रसंग के चलते एक सनसनीखेज हत्या की घटना सामने आई। एक शादीशुदा युवक ने शादी से इनकार करने पर अपनी प्रेमिका की चाकू से गोदकर बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार काशीराम कॉलोनी निवासी कशिश का प्रेम प्रसंग दूसरे समुदाय के राहुल नामक युवक के साथ चल रहा था, जो पहले से विवाहित है। बताया जा रहा है कि मंगलवार को कशिश की मां किसी कार्य से घर से बाहर गई हुई थी। इसी

दौरान राहुल वहां पहुंच गया और कशिश पर शादी करने का दबाव बनाने लगा। कशिश द्वारा उसके शादीशुदा होने के चलते विवाह से इनकार करने पर राहुल आपा खो बैठा। गुस्से में आकर उसने पास में रखे चाकू से कशिश पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल कशिश ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत और अफरा तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और मामले में कड़ी विधिक कार्रवाई की जाएगी।

खतौली तहसील बार एसोसिएशन चुनाव संपन्न, सुभाष चन्द अध्यक्ष व सत्यप्रकाश सैनी महासचिव निर्वाचित

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। खतौली तहसील बार एसोसिएशन का वार्षिक चुनाव मंगलवार को शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें अध्यक्ष पद पर सुभाष चन्द तथा महासचिव पद पर सत्यप्रकाश सैनी निर्वाचित हुए। चुनाव में सभी 100 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जिससे अधिवक्ताओं में उत्साह देखने को मिला। मतदान प्रक्रिया सुबह 9 बजे प्रारंभ होकर दोपहर 1 बजे तक चली, जबकि मतगणना दोपहर 2:30 बजे से शुरू होकर देर शाम तक पूर्ण हुई। वरिष्ठ समिति के अध्यक्ष चतरपाल सिंह तथा सदस्य रामचंद्र सैनी और मोहम्मद अरशद ने परिणामों की घोषणा की। अध्यक्ष पद के लिए हुए मुकाबले में सुभाष चन्द को 54 मत प्राप्त हुए, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी सरदार जितेंद्र सिंह को 48 मत मिले। इस प्रकार सुभाष चन्द ने 6 मतों के

अंतर से जीत दर्ज की। महासचिव पद पर त्रिकोणीय मुकाबला काफी रोचक रहा, जिसमें सत्यप्रकाश सैनी को 44 मत, महेश कुमार को 39 मत तथा अनुज कुमार को 16 मत प्राप्त हुए। इस करीबी मुकाबले में सत्यप्रकाश सैनी ने 5 मतों से जीत हासिल की। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर नवाब सिंह को 54 मत तथा वेदप्रकाश उपाध्याय को 44 मत मिले, जिसमें नवाब सिंह ने 10 मतों से विजय प्राप्त की। महिलाओं के लिए आरक्षित कोषाध्यक्ष पद पर अनामिका को 56 मत तथा शकुंतला को 43 मत प्राप्त हुए, जिसमें अनामिका विजयी रहीं। उपाध्यक्ष (10 वर्ष) के दो पदों पर गंगा शरण और मुकेश शर्मा, उपाध्यक्ष (8 वर्ष) के दो पदों पर हरिनिवास और अशोक सैनी निर्वाचित हुए। सहसचिव के तीन पदों पर रेखा देवी, युगांक मित्तल और विनीत कुमार गौतम ने जीत दर्ज की। वरिष्ठ सदस्य के छह पदों पर राजवीर सिंह, सचिन कुमार आर्य, अमित त्यागी, शाकिर अहमद, विपिन कुमार और विकास कुमार निर्वाचित हुए। कनिष्ठ सदस्य के छह पदों पर रवि कुमार, अभिषेक भड़ाना, तरुण मोघा, पंकज कुमार, अमन कुमार और अजय राठी विजयी रहे। वहीं अंकुश कुमार तथा एक अन्य प्रत्याशी को समान मत प्राप्त होने के कारण दोनों को छह-छह माह का कार्यकाल दिया जाएगा। परिणाम घोषित होने के बाद विजयी प्रत्याशियों के समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। समर्थकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर और मालाएं पहनाकर जीत का जश्न मनाया। जीत के बाद नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुभाष चन्द ने इसे अधिवक्ताओं के विश्वास और सम्मान की जीत बताया और कहा कि वे अधिवक्ताओं के हितों के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। वहीं महासचिव बने सत्यप्रकाश सैनी ने अपनी जीत को अधिवक्ताओं की एकजुटता का परिणाम बताते हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

Akashwani Civil Wing Sehkari Awas Samiti Limited
Site Office: Akash Vihar, Park No. 1, Village Sadullabda, Loni, Ghaziabad (UP)

मीमो/2026/गा0बाद/आ0वा0वि0आ0 समिति लि0 दिनांक: 20.04.2026

अन्तिम सूचना

सर्वसमिति के साथ प्रबन्ध कमेटी के निर्णय के अनुसार सम्बन्धित सदस्यों को समय – समय पर बकाया राशि जमा कराने के लिए कहा गया था परन्तु सदस्यों द्वारा कोई भी जवाब प्राप्त नहीं हुआ और न ही समिति कार्यालय में आकर उक्त के सम्बन्ध में कारण स्पष्ट किया जिसके सम्बन्ध में सम्बन्धित सदस्यों को अन्तिम नोटिस स्पीड पोस्ट के माध्यम से कई बार समिति द्वारा भेजा गया तथा उनसे अन्तिम नोटिस प्राप्त होने की तारीख से 15 दिवस के भीतर जवाब देने का अनुरोध भी किया गया है लेकिन फिर भी कोई जवाब प्राप्त नहीं हुआ अन्त में यह निर्णय लिया गया कि इसके बाद उनकी सदस्यता समाप्त करने की सूचना उनके सभी सम्बन्धित पते पर स्पीड पोस्ट के द्वारा भेजी गई फिर भी डिफाल्टर सदस्यों द्वारा कोई जवाब नहीं दिया। अतः प्रबन्धक कमेटी में दिनांक 28.03.2026 को हुई अपनी बैठक के प्रस्ताव सं0. 10 के माध्यम से उनकी सदस्यता समाप्त का निर्णय लिया गया एवं भविष्य में यदि सम्बन्धित सदस्य पुनर्विचार के लिए अपना अनुरोध प्रस्ताव प्रस्तुत करते हैं तो प्रबन्ध समिति के उक्त के सम्बन्ध में कोई संज्ञान नहीं लेगी जिसकी सभी जिम्मेदार सदस्यों की स्वयं की होगी। सदस्यों की सूची विवरण अनुसार निम्न प्रकार है:

1– श्री एम0 साई राम – सदस्य सं0. 04/AVC/91
2– श्रीमती अनीता मल्होत्रा – सदस्य सं0. 338/AV/97
3– श्रीमती हरविन्दर कौर – सदस्य सं0. 342/AV/97
4– श्री तनुज नागपाल – सदस्य सं0. 345/AV/97
5– श्री जतिन्दर कुमार निगम – सदस्य सं0. 355/AV/97
6– श्री धीरेन्द्र कुमार – सदस्य सं0. 360/AV/97

सचिव (अवैतनिक)
आकाशवाणी सिविल विंग सहकारी आवास समिति लिमिटेड

संक्षिप्त समाचार

केवाईसी न होने पर नहीं मिलेगा टैबलेट-स्मार्टफोन

वाराणसी। बीएचयू में जिन छात्र या छात्राओं ने डीजी शक्ति पोर्टल पर अपनी केवाईसी नहीं की है। उसे टैबलेट या स्मार्टफोन नहीं मिल पाएगा। संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय के डीन की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि छात्र और छात्राएं जल्द अपना केवाईसी कर लें। ताकि उन्हें लाभ मिल सके।

सीएम योगी ने गूलर रोड की घटना पर मेयर और नगर आयुक्त को किया तलब

अलीगढ़। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गूलर रोड पर ऊंची-नीची सड़क के कारण हुए जानलेवा हादसे का संज्ञान लिया है। उन्होंने मेयर प्रशांत सिंघल और नगर आयुक्त प्रेमप्रकाश मीणा को रविवार को लखनऊ तलब किया और पूरी घटना की जानकारी ली। ऐसे हादसे दोबारा नहीं होने देने की सख्त हिदायत दी। बता दें कि बीते शुक्रवार की रात गूलर रोड पर ऊंची-नीची सड़क के कारण प्रतिभा कॉलोनी निवासी विकास कुमार राठौर की जान चली गई थी। मुख्यमंत्री ने मेयर और नगर आयुक्त से कहा कि भविष्य में ऐसी कोई घटना नहीं होनी चाहिए। सभी निर्माणाधीन सड़कों के आसपास सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए जाएं। बैरीकेडिंग और ग्लोसाइन बोर्ड लगाए जाएं, ताकि रात के समय भी लोगों को सही स्थिति दिखाई दे सके और वह हादसों से बच सकें। मेयर प्रशांत सिंघल ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुसार सोमवार से सभी निर्माणाधीन सड़कों और अन्य प्रोजेक्ट के आसपास बैरिकेडिंग लगाई जाएंगी। ग्लोसाइन बोर्ड लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही सीएम से इंडोर स्टेडियम और अन्य प्रोजेक्ट के लोकार्पण का आग्रह किया गया है। इसके लिए जल्द ही उनके कार्यालय से समय मिलने की उम्मीद है।

1834 परीक्षार्थियों ने छोड़ी बीटेक, बीआर्क की प्रवेश परीक्षा

अलीगढ़, एजेंसी। एएमयू की बीटेक, बीआर्क की प्रवेश परीक्षा में 1834 और बीकॉम व बीबीए की प्रवेश परीक्षा में 474 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। यह परीक्षाएं अलीगढ़, लखनऊ, पटना, कोलकाता, श्रीनगर और कोझिकोड सहित विभिन्न केंद्रों पर हुईं। सुबह की पाली में बीटेक, बीआर्क की प्रवेश परीक्षा में पंजीकृत 14,405 में से 12,571 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। दूसरी पाली में बीकॉम, बीबीए की प्रवेश परीक्षा हुई। इसमें पंजीकृत 3,813 में से 3339 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। कुलपति प्रो. नईमा खातून ने प्रॉक्टर प्रो. मोहम्मद नवेद खान के साथ विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उधर, परीक्षार्थियों की सहायता के लिए एएमयू राष्ट्रीय सेवा योजना ने रेलवे स्टेशन और अन्य प्रमुख स्थानों पर विशेष हेल्प सेंटर स्थापित किए थे। साथ ही गैर-सरकारी संगठनों, छात्रों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने पेयजल व अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए शिविर भी लगाए।

डीएवी के अर्थशास्त्री ने रिफाईनरी स्थापना के लिए रिसर्च कर जुटाया डेटा

वाराणसी, एजेंसी। बीएचयू के संबद्ध कॉलेज डीएवी पीजी कॉलेज के रिसर्च आउटपुट के अनुसार राजस्थान के बालोतरा में एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (एचआरआरएल) परियोजना लगने जा रही है। डीएवी के अर्थशास्त्री प्रो. अनूप मिश्रा के नेतृत्व में बनी टीम ने यह पाया कि रिफाइनरी क्षेत्रीय विकास के हर पैमाने पर सफल है। अब राष्ट्र को समर्पित होने के लिए तैयार है। साल 2023 में एचपीसीएल ने इस परियोजना के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव के आकलन के लिए एक व्यापक सर्वेक्षण कराया था। इसकी मुख्य जिम्मेदारी प्रो. मिश्रा को दी गई थी। डॉ. सिद्धार्थ सिंह और डॉ. उदयभान सिंह सहित 10 शोधकर्ताओं की टीम ने मई-जून 2023 में पचपदरा क्षेत्र का दौरा कर डेटा जुटाया। फरवरी 2026 में किए गए हालिया अवलोकन से यह सामने आया कि अध्ययन के दौरान दिए गए लगभग 90 प्रतिशत सुझावों को धरातल पर सफलतापूर्वक लागू कर दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को इस परियोजना का लोकार्पण करेंगे। अध्ययन के अनुसार, रिफाइनरी के निर्माण के दौरान 24,000 से ज्यादा लोगों को सीधा रोजगार मिला। भविष्य में संचालन चरण में लगभग 10,000 और अवसर सृजित होने की संभावना है। इसके साथ ही 35,000 से अधिक अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं, जिससे कुल मिलाकर 60,000 से 70,000 परिवारों की आजीविका इस परियोजना से जुड़ गई है। आर्थिक मोर्चे पर, स्थानीय निवासियों की औसत वार्षिक आय में भारी वृद्धि हुई है, जिससे बालोतरा का बाजार अब 250 से अधिक नई दुकानों और विकसित सेवा क्षेत्र के साथ एक बड़े व्यापारिक केंद्र के रूप में उभरा है।

गर्मी से धधक रहा यूपी

ताजनगरी आगरा में पारा 43.6 डिग्री, आज से लू का रेड अलर्ट

आगरा, एजेंसी। ताजनगरी में भीषण गर्मी ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। 43.6 डिग्री सेल्सियस के साथ रविवार सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। वहीं न्यूनतम पारा 24 डिग्री दर्ज किया गया। गर्मी का असर पर्यटन पर भी देखने को मिला। आम दिनों में वीकेंड पर ताज का दीदार करने 40 हजार से ज्यादा पर्यटक पहुंचते हैं, लेकिन रविवार को यह आंकड़ा महज 16,645 पर सिमट गया। दोपहर में सड़कों पर सन्नाटा नजर आया। लोगों के साथ पशु-पक्षी भी बेहाल दिखे।

मौसम विज्ञान विभाग ने आगरा और आसपास के क्षेत्रों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार 20 अप्रैल से क्षेत्र में तीव्र हीटवेव (लू) चलने की आशंका है। अगले तीन दिनों तक गर्म पछुआ हवाएं लोगों को सताएंगी। सूखी गर्मी के कारण डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ गया है, जिसे देखते हुए प्रशासन ने लोगों को दोपहर 12 से शाम 4 बजे के बीच बेवजह बाहर न निकलने की सलाह दी है।

भीषण गर्मी और तपिश के कारण दोपहर के समय ताजमहल परिसर के मुख्य हिस्सों में सन्नाटा पसरा नजर आया। रॉयल गेट से लेकर सेंट्रल टैंक तक पर्यटकों की आवाजाही बेहद कम रही। खास बात यह रही कि सेंट्रल टैंक स्थित डायना बेंच, जहां फोटो खिंचवाने के लिए पर्यटकों में होड़ मची रहती है और लंबी कतारें लगती हैं, रविवार दोपहर वहां पर्यटकों की संख्या बेहद कम रही। चिलचिलाती धूप के कारण पर्यटक स्मारकों में घूमने के बजाय छायादार जगहों की तलाश करते नजर आए। आगरा किला और अन्य स्मारकों पर भी पर्यटकों की संख्या बेहद कम रही।

प्यासे रहे पर्यटक, बंद मिले दोनों आरओ प्लांट

ताजमहल के पश्चिमी गेट के पास पर्यटकों की सुविधा के लिए दो आरओ प्लांट लगवाए गए हैं, लेकिन रविवार को ये दिखावा साबित हुए। भीषण गर्मी में जब पर्यटकों को पानी की सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब दोनों ही प्लांट बंद पड़े थे। इसके चलते पर्यटकों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ा और मजबूरी में महंगी बोतलों का सहारा लेना पड़ा।

धरी रह गईं नोटशीट की कहानी, साथ ही दिखने लगे गुनाह और चुस्त महकमे में सुस्त फाइलों के किस्से

लखनऊ, एजेंसी। यूपी के राजनीतिक गलियारे और प्रशासनिक गलियों में आज तीन किस्से काफी चर्चा में रहे। चाहे-अनचाहे आखिर ये बाहर आ ही जाते हैं। इन्हें रोकने की हर कोशिश नाकाम होती है। आज की कड़ी में धरी रह गईं माननीयों की नोटशीट की कहानी। इसके अलावा टेंपर्ड ग्लास से दिखने लगे गुनाह और चुस्त महकमे में सुस्त फाइलें के किस्से भी चर्चा में रहे।

धरी रह गईं माननीयों की नोटशीट : आधी आबादी के मुद्दे पर हुई प्रेसवार्ता में एकता दिखाने के लिए बुलाया तो गया था सभी घटक दलों के माननीयों को लेकिन उन्हें बोलने का मौका नहीं मिला। हालांकि, माननीयों की तैयारी में कोई कमी नहीं थी। उन्होंने पूरी तन्मयता से हर बिंदु पर नोट बनाए थे, ताकि मौका मिलेगा तो बांचेंगे भी। उनकी बोलने की बेताबी का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि घटक दलों के सभी माननीय मंच पर मुखिया के संबोधन पर कम और अपने नोट तैयार करने में ज्यादा मशगूल दिखे। उन्हें भरोसा था कि बार-बार घटक दलों की एकता की बात हो रही है तो बोलने का मौका भी मिलेगा, लेकिन उनके हिस्से आई सिर्फ निराशा। लिहाजा प्रेसवार्ता खत्म होने की घोषणा होते ही सभी माननीय मन मसोस कर निकल गए।

टेंपर्ड ग्लास से दिखने लगे गुनाह : एक जिले में डीएम पर तहसीलदार ने घूस के आरोप क्या जड़े, हमेशा की तरह आई एम सेफ बिरादरी ने तहसीलदार को ही गुनहगार बताकर निपटाने की तैयारी कर ली। सारा मामला सही चल रहा था लेकिन फोन पर टेंपर्ड ग्लास लगाकर देने की मांग वाली ऑडियो क्लिप ने साहब की बेगुनाही से पर्दा हटा दिया। ऑडियो में पौने दो लाख के आईफोन के साथ टेंपर्ड ग्लास भी लगवाने का लालच उन पर भारी पड़ गया।

क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय पर 23 अप्रैल को लगेगी पासपोर्ट लोक अदालत

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। पासपोर्ट संबंधित समस्याओं और आवेदकों की लंबित फाइलों के निस्तारण के लिए क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय गाजियाबाद पर पासपोर्ट लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। लोक अदालत के माध्यम से पासपोर्ट से सम्बंधित लंबित फाइलों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। पासपोर्ट लोक अदालत आगामी 23 अप्रैल 2026 को शाम 3 बजे से 5 बजे तक क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय हापुड़ चुंगी, कमला नेहरू नगर, गाजियाबाद के कक्ष संख्या 320 में आयोजित की जाएगी। इस अदालत में क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी आवेदकों से मिलकर उनकी समस्याएँ सुनेंगे और निस्तारण करेंगे। क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी अनुज स्वरूप ने बताया कि विदेश मंत्रालय और भारत सरकार के दिशा-निदेर्शों के अनुपालन में क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय गाजियाबाद इस विशेष पासपोर्ट लोक अदालत का आयोजन कर रहा है। समय की सीमित उपलब्धता के कारण अदालत में 50 आवेदकों की फाइलों का निस्तारण किया जाएगा।उन्होंने नागरिकों से अपील कि आवेदक अपने साथ सम्बंधित दस्तावेज व मूल प्रति एवं छायाप्रति लेकर आएं और इस आयोजन का लाभ उठाएं, जिससे उनकी समस्या का सरलता से निस्तारण किया जा सके।

अक्षय तृतीया ने तोड़ दिया सोने-चांदी के भाव का भ्रम

बाजार में हुई इतनी खरीद, खिल उठा कारोबार

आगरा, एजेंसी। अक्षय तृतीया पर्व पर रविवार को बाजारों में जबरदस्त रौनक लौट आई। सोने-चांदी के आभूषणों से लेकर सिक्के और बर्तन खूब बिके। रियल एस्टेट से लेकर कपड़ा और वाहन बाजार तक में भारी उत्साह देखा गया। इस दौरान शहरभर में करीब 100 करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान है। ग्राहकों का यह उत्साह सोमवार को भी जारी रहने की उम्मीद है।

एमजी रोड से लेकर किनारी बाजार तक ज्वेलरी शोरूम्स पर भारी भीड़ रही। किनारी बाजार, रावत पाड़ा और जौहरी बाजार में खरीदारी के लिए ग्राहक उमड़ पड़े। सोने और चांदी की रिकॉर्ड बिक्री ने व्यापारियों को गदगद कर दिया। आभूषण ज्वेलर्स के स्वामी आनंद अग्रवाल ने बताया कि मेकिंग चार्ज पर भारी छूट और निश्चित उपहारों जैसे शानदार ऑफर्स के कारण ग्राहकों ने जमकर खरीदारी की। हल्के गहनों के साथ-साथ निवेश के लिए सिक्कों और बुलियन की भी भारी मांग रही। हमारे यहां निश्चित खरीद पर चांदी के सिक्के भी मुफ्त बांटे गए हैं। ग्राहकों के लिए ये ऑफर्स सोमवार को भी जारी रहेंगे।

विवाह सीजन से अन्य सेक्टर्स में भी भारी उछाल : शादी के सीजन के चलते केवल सर्राफा बाजार ही नहीं, बल्कि अन्य व्यापारिक क्षेत्रों में भी रविवार को जबरदस्त तेजी देखने को मिली।

कपड़ा और गारमेंट बाजारः शादियों की मुख्य खरीदारी के कारण गारमेंट शोरूम्स और सुभाष बाजार स्थित थोक कपड़ा बाजार में ग्राहकों की भारी भीड़ रही।

ऑटोमोबाइल सेक्टर : शुभ मुहूर्त पर दोपहिया और चार पहिया वाहनों की जमकर बिक्री हुई। शोरूम्स पर पहले से बुक किए गए वाहनों की डिलीवरी लेने वालों का तांता लगा रहा।

रियल एस्टेट : निवेशकों और घर खरीदारों ने भी इस पावन अवसर पर रियल एस्टेट में भारी दिलचस्पी दिखाई। संपत्तियों की जमकर बुकिंग हुई और कई लोगों ने नए घर में गृह प्रवेश भी किया।

बर्तन बाजार : परंपरा के अनुसार अक्षय तृतीया पर धातु खरीदना शुभ माना जाता है, जिसके चलते बर्तन बाजार में भी अच्छी-खासी बिक्री दर्ज की गई।

आज भी अच्छे कारोबार की आस : आगरा व्यापार मंडल के अध्यक्ष टीएन अग्रवाल का कहना है कि अक्षय तृतीया का यह व्यापारिक उत्साह अभी थमा नहीं है। ऑफर्स की मियाद और ग्राहकों की भारी मांग को देखते हुए सोमवार को भी बाजारों में अच्छी खरीदारी होने की पूरी उम्मीद है। कुल मिलाकर, ग्राहकों के उत्साह और ऑफर्स की बारिश ने इस बार अक्षय तृतीया को व्यापारिक जगत के लिए बड़ी सफलता बना दिया है।

लायंस क्लब शामली सेनेर्जी ने किया पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

शामली (शिखर समाचार)। लायंस क्लब शामली सेनेर्जी द्वारा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और हरित वातावरण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक भव्य पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम रॉक गोल्ड एकेडमी परिसर में संपन्न हुआ।

मंगलवार को क्लब के सदस्यों ने परिसर में कई छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण किया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि पौधारोपण से क्षेत्र में हरियाली बढ़ेगी और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण देने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है।

सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण को वर्तमान समय की सबसे बड़ी जरूरत बताते हुए सभी से इसमें सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। साथ ही उपस्थित लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में परियोजना अध्यक्ष प्रियंका गोयल, सिद्धार्थ गर्ग, विश्वास, तुषार धवन, वैभव गुप्ता, मोहित कंबोज और पुनीत जैन सहित अन्य सदस्यों ने सहभागिता की।

कांधला के बीपीएन जूनियर हाई स्कूल पहुंचे अभिनेता राहुल रॉय, बच्चों के साथ बिताया समय

शामली (शिखर समाचार)। राहुल रॉय ने मंगलवार को कांधला स्थित बीपीएन जूनियर हाई स्कूल का दौरा कर विद्यार्थियों के बीच उत्साह का माहौल बना दिया। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों के साथ समय बिताया, उनसे संवाद किया और उनकी रचनात्मक गतिविधियों को ध्यानपूर्वक देखा। विद्यालय के बच्चों ने अपने हाथों से तैयार किए गए सुंदर कार्ड भेंट कर उनका स्वागत किया, वहीं पुष्प अर्पित कर सम्मान जताया। जनपद के एक दिवसीय भ्रमण पर पहुंचे राहुल रॉय ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की खुलकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि छोटे कस्बों में भी बच्चों में कड़ी मेहनत, लगन और हुनर की कमी नहीं है, जो देश के भविष्य के लिए अत्यंत सकारात्मक संकेत है। उन्होंने बच्चों को निरंतर प्रयास करते रहने और अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय की संचालन समिति की अध्यक्षा अलका चौहान, जनेश्वर चौहान और प्रबंधक श्वेता चौहान ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। प्रधानाचार्या शमा प्रवीण ने अभिनेता को विद्यालय परिसर का भ्रमण कराया और वहां उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कस्बाई क्षेत्र में स्थित होने के बावजूद विद्यालय विद्यार्थियों को आधुनिक और उन्नत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

इस मौके पर कुशांक चौहान, पराग जैन, अजय जैन, अमन मिर्जा, विपिन चौहान, अजय चौहान, गोपाल चौहान, राहुल चौहान, आजम चौहान, विनोद कश्यप, विकास सैनी और विशाल सैनी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अच्छी शिक्षा से 22 प्रतिशत कम होता है हार्ट फेल होने पर मौत का जोखिम

लखनऊ, एजेंसी। अच्छी शिक्षा सिर्फ कॅरिअर ही नहीं बनाती, हार्ट फेल होने पर जान जाने का जोखिम भी 22 फीसदी तक कम करती है। भारतीय राष्ट्रीय हृदय विफलता रजिस्ट्री (एनएचएफआर) के अध्ययन में यह बात सामने आई है। इसे ओपन हार्ट पत्रिका के अप्रैल के अंक में स्थान मिला है।

एनएचएफआर के अध्ययन में भारत के 21 राज्यों के 53 अस्पतालों से हार्ट फेलियर के 10,850 मरीजों को शामिल किया गया था। हार्ट फेल के बाद एक वर्ष तक इनकी निगरानी की गई। इसके आधार पर मृत्यु दर का आकलन किया गया। मधुमेह से पीड़ित मरीजों में मधुमेह रहित मरीजों की तुलना में मृत्यु का जोखिम 10 फीसदी अधिक पाया गया। अध्ययन में यह भी देखा गया कि मधुमेह से पीड़ित उच्च शिक्षित मरीजों में मृत्यु का जोखिम 22 फीसदी कम था, जो शिक्षा के महत्व को दर्शाता है। वहीं, मधुमेह पीड़ित और कम शैक्षिक पृष्ठभूमि वाले मरीजों में मृत्यु का जोखिम बाकी लोगों की तुलना में 25 फीसदी अधिक पाया गया।

अध्ययन में ये रहे शामिल : डॉ. पन्नियामक्कल जीमोन, डॉ. सुनु थॉमस, डॉ. अजय बहल, डॉ. अंबुज रॉय, डॉ. अनिमेष मिश्रा, डॉ. जयेश प्रजापति, डॉ. मंजूनाथ सी नंजप्पा, डॉ. ऋषि सेठी, डॉ. सांतनु गुहा, डॉ. सतीश संतोष, डॉ. रुपिंदर एस धालीवाल, डॉ. मीनाक्षी शर्मा, डॉ. संजय गणपति, डॉ. गिरीश पलेड़ा, डॉ. नीरव कुमार, डॉ. सुशील मालानी, डॉ. प्रकाश नेगी, डॉ. आदित्य कपूर, डॉ. धर्मेंद्र जैन, डॉ. संदीप चौधरी, डॉ. स्मित श्रीवास्तव, डॉ. बलबीर सिंह यादव, डॉ. सिवादासनपिल्लई हरिकृष्णन।

अध्ययन में पाया गया कि हार्ट फेल होने के बाद एक वर्ष के भीतर 22.1 फीसदी मरीजों की मौत हो गई। इनमें भी मधुमेह पीड़ित और कम शिक्षित रोगियों का प्रतिशत ज्यादा था।

बरतें ये सावधानी

वजन न बढ़ने दें, नमक का सेवन कम करें, संतुलित आहार लें, समय पर दवाएं लें, फ्लू और निमोनिया के टीके लगवाएं, डॉक्टर की सलाह से हल्का व्यायाम करें या टहलें, धूम्रपान और शराब बंद करें, तनाव न लें।

इसलिए अहम है शिक्षा

केजीएमयू में कार्डियोलॉजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. ऋषि सेठी ने बताया कि हार्ट फेल होने के बाद दवाओं के साथ ही जीवनशैली में बड़े बदलाव की जरूरत होती है। समस्या होने पर लक्षणों को पहचान कर डॉक्टर के पास जाना होता है। इन सभी में शिक्षा की अहम भूमिका होती है। यह बात इस अध्ययन में भी सामने आई है।

जानें, कब करें डॉक्टर से संपर्क

सांस लेने में भारी कठिनाई, सीने में दर्द, वजन में तेजी से वृद्धि, पैरों या पेट में सूजन होने पर।

आरओबी पुल के नीचे चला अतिक्रमण हटाओ अभियान, अस्थायी कब्जे हटाए गए

दादरी (शिखर समाचार)। नगर पालिका परिषद क्षेत्र के रेलवे रोड स्थित आरओबी पुल के नीचे मंगलवार को अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पालिका की टीम पूरी मुस्तैदी के साथ मौके पर पहुंची और अवैध रूप से किए गए अस्थायी कब्जों को हटाने की कार्रवाई की।

रेलवे रोड पर लंबे समय से पुल के नीचे अस्थायी अतिक्रमण किया जा रहा था, जिससे आवागमन और स्वच्छता व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। इसको देखते हुए नगर पालिका परिषद ने सख्ती दिखाते हुए अभियान चलाया। अवर अभियंता जयपाल सिंह और उत्कर्ष तोमर के नेतृत्व में टीम ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटवाया और क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराया।

नगर पालिका परिषद की अधिकारी शालिनी गुप्ता ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण न करें और नगर की स्वच्छता एवं व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग दें। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में भी अतिक्रमण के खिलाफ इस प्रकार की सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

श्रमिकों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए डीएम ने अधिकारियों संग की बैठक, माइक्रो प्लान बनाने के निर्देश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनपद में श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और उनकी दैनिक समस्याओं के प्रभावी समाधान के उद्देश्य से जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में श्रमिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया।

जिलाधिकारी ने कहा कि गौतम बुद्ध नगर उत्तर प्रदेश की आर्थिक राजधानी के रूप में विकसित हो रहा है, जहां बड़ी संख्या में औद्योगिक इकाइयों में लाखों श्रमिक कार्यरत हैं। ऐसे में उनके स्वास्थ्य और कल्याण की जिम्मेदारी प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि श्रमिकों के कार्यस्थलों, आवासीय क्षेत्रों और निर्माण स्थलों पर विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाने के लिए माइक्रो प्लान तैयार किया जाए और उसका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य शिविर श्रमिकों की सुविधा के अनुसार आयोजित हों, ताकि उन्हें सुलभ और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं मिल सकें। शिविरों में चिकित्सकों की उपलब्धता, आवश्यक दवाइयां, जांच सुविधाएं और टेलीमेडिसिन जैसी व्यवस्थाएं अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाएं। इसके साथ ही फर्स्ट एड, रक्तदान, आपदा प्रबंधन और हेल्थ वेलनेस सेंटरों को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि प्रदेश सरकार की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए और जागरूकता अभियानों के माध्यम से अधिक से अधिक श्रमिकों को इन सेवाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया जाए। बैठक में औद्योगिक इकाइयों और निर्माण स्थलों पर कार्यरत श्रमिकों के लिए एनजीओ के सहयोग से सस्ती और पौष्टिक भोजन व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि प्राधिकरणों से समन्वय स्थापित कर इस व्यवस्था को जल्द लागू किया जाए।
बैठक में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ग्रेटर नोएडा लक्ष्मी वीएस, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी अजय राणा, उप जिलाधिकारी सदर आशुतोष गुप्ता, उप जिलाधिकारी दादरी अनुज नेहरा, एसीएमओ रविंद्र सिरोहा, चंदन सोनी, मंजीत सिंह, जिला मलेरिया अधिकारी आरपी सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं चिकित्सक उपस्थित रहे।

नगर मजिस्ट्रेट पंकज प्रकाश राठौर ने संभाली कमान, व्यापारियों की सुरक्षा व साइबर सतर्कता पर दिए सख्त निर्देश

मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। जनपद में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने और व्यापारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। मंगलवार को रिजर्व पुलिस लाइन सभागार में आयोजित व्यापारी सुरक्षा गोष्ठी में नगर मजिस्ट्रेट पंकज प्रकाश राठौर ने स्वयं उपस्थित होकर व्यापारियों की समस्याएं सुनीं और सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए स्पष्ट निर्देश दिए। गोष्ठी की अध्यक्षता नगर मजिस्ट्रेट पंकज प्रकाश राठौर तथा पुलिस अधीक्षक अपराध इंदु सिद्धार्थ ने की।

नगर मजिस्ट्रेट ने व्यापारियों से सीधे संवाद करते हुए कहा कि बाजारों की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि व्यापारियों से जुड़ी समस्याओं का त्वरित और विधिसम्मत समाधान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही व्यापारियों से भी अपील की कि वे अपने प्रतिष्ठानों पर उच्च गुणवत्ता के सीसीटीवी कैमरे लगाएं, उनकी दिशा सही रखें और बाजार स्तर पर आपसी समन्वय बनाकर अतिरिक्त कैमरों की व्यवस्था करें। राठौर ने विशेष रूप से रात्रि के समय बाजारों में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा सामूहिक सुरक्षा गार्ड या चौकीदार की व्यवस्था करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बड़ी मात्रा में नकदी के परिवहन से पूर्व स्थानीय पुलिस को सूचना देना अनिवार्य किया जाए और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तुरंत प्रशासन को दी जाए। बैठक में साइबर अपराधों को लेकर भी गंभीर चिंता व्यक्त की गई। नगर मजिस्ट्रेट ने व्यापारियों को जागरूक करते हुए कहा कि ऑनलाइन ठगी से बचने के लिए सतर्क रहना अत्यंत आवश्यक है। किसी भी अनजान कॉल, लिंक अथवा ओटीपी साझा करने से बचें। उन्होंने साइबर सहायता हेल्पलाइन 1930 के उपयोग के बारे में जानकारी देते हुए आवश्यकता पड़ने पर तत्काल शिकायत दर्ज कराने के निर्देश दिए। गोष्ठी में अग्निशमन अधिकारी अनुराग कुमार, व्यापार मंडल के पदाधिकारी, थाना प्रभारी, लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग तथा यातायात विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के अंत में सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने और व्यापारियों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने पर जोर दिया गया, ताकि जनपद की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

जनप्रतिनिधियों, जनता एवं मीडिया से सतत संवाद रहेगा प्राथमिकता: जिलाधिकारी कविता मीना

हापुड़ (शिखर समाचार) जनपद की नवनियुक्त जिलाधिकारी कविता मीना ने मंगलवार सायंकाल कलेक्ट्रेट परिसर स्थित कोषागार पहुंचकर विधिवत रूप से पदभार ग्रहण कर लिया। पदभार ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने जनपद के विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ परिचय बैठक की और प्रशासनिक व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इसके बाद अपने कार्यकक्ष में पहुंचकर उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद स्थापित किया और अपनी कार्य प्राथमिकताओं को स्पष्ट किया। ज्ञातव्य है कि पूर्व जिलाधिकारी अभिषेक पांडे का शासन द्वारा सोमवार सायंकाल स्थानांतरण कर दिया गया था। उनके स्थान पर मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष रहीं कविता मीना को हापुड़ का जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है। मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचने पर उन्हें सम्मान स्वरूप गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया, जिसके पश्चात उन्होंने कोषागार में पहुंचकर औपचारिक रूप से कार्यभार ग्रहण किया। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति रही।

जिलाधिकारी कविता मीना ने कहा कि जनपद के समग्र विकास को गति देना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी और इसके लिए सभी विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर टीम भावना के साथ कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों, आमजन तथा मीडिया के साथ निरंतर संवाद बनाए रखना आवश्यक है, जिससे शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके और जन समस्याओं का त्वरित समाधान हो। उन्होंने यह भी कहा कि जनपद में संचालित विकास कार्यों को निरंतरता के साथ आगे बढ़ाया जाएगा और जो योजनाएं प्रगतिशील हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया जाएगा। सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की जिम्मेदारी है, जिसे पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ निभाया जाएगा। जिलाधिकारी ने भरोसा दिलाया कि आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए उनका कार्यालय सदैव खुला रहेगा और प्रत्येक नागरिक की शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए उसका समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनहित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करें और शासन की मंशा के अनुरूप विकास कार्यों को गति प्रदान करें।

युवा उद्यमियों के बीच संपन्न हुआ एक दिवसीय मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच

हापुड़ (शिखर समाचार) इंडियन यंगप्रेन्योर सेल के तत्वावधान में युवा उद्यमियों के बीच एक दिवसीय मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच का आयोजन दिल्ली रोड स्थित मैदान पर किया गया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में युवा उद्यमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मैच के दौरान कप्तान वैभव गुप्ता एवं उपकप्तान मुदित बंसल ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों का मुख्य उद्देश्य सदस्यों को शारीरिक रूप से सक्रिय बनाए रखना, आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करना तथा एक-दूसरे से नई चीजें सीखने का अवसर प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि खेल न केवल मनोरंजन का माध्यम है, बल्कि यह टीम भावना, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता के विकास में भी सहायक होता है। मैत्रीपूर्ण माहौल में खेले गए इस मुकाबले में सभी प्रतिभागियों ने खेल भावना का परिचय दिया और पूरे जोश के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आयोजन के दौरान खिलाड़ियों के बीच आपसी तालमेल और उत्साह देखने लायक रहा। मैच में आयुष गर्ग, अक्षत अग्रवाल, आयुष गोयल, समर्थ अग्रवाल, ध्रुव गुप्ता, शिवम शर्मा, मुदित मोहन, विभोर अग्रवाल, इंदर मोहन बंसल, शोभित गोयल, पारित अग्रवाल, माधव, अभिनव, प्रशांत शर्मा, तन्मय आशीष एवं आदित्य सहित कई युवा उद्यमी शामिल रहे। आयोजन के अंत में सभी प्रतिभागियों ने ऐसे कार्यक्रमों को भविष्य में भी जारी रखने की सहमति व्यक्त की।

बीएसए के निरीक्षण में दो कंपोजिट विद्यालय मिले बंद, दो अवैध स्कूलों को नोटिस

हापुड़/धौलाना (शिखर समाचार)। जिले में शिक्षा व्यवस्था की हकीकत उस समय सामने आ गई जब मंगलवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रीतु तोमर ने विभिन्न विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान धौलाना ब्लॉक क्षेत्र के गांव लाखन और हिण्डालपुर में संचालित दो कंपोजिट विद्यालय निर्धारित समय से पहले बंद पाए गए। विद्यालयों के गेट बंद थे और बच्चे बाहर खेलते हुए मिले, जिससे शिक्षण व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि लापरवाही बरतने पर दोनों विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों से स्पष्टीकरण मांगा गया है और आगे की कार्रवाई की जाएगी। इसी दौरान पिलखुवा क्षेत्र में भी दो निजी विद्यालयों का निरीक्षण किया गया, जहां दोनों स्कूल बिना मान्यता के संचालित होते मिले। इतना ही नहीं, इन विद्यालयों में बच्चों को बैग और किताबें भी बेची जा रही थीं, जो नियमों के विरुद्ध है। बीएसए रीतु तोमर ने बताया कि दोनों अवैध रूप से संचालित विद्यालयों को नोटिस जारी कर दिया गया है और नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले में बिना मान्यता के स्कूल चलाने और शिक्षा व्यवस्था में लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जनगणना प्रशिक्षण के पहले दिन कई कर्मचारी रहे नदारद, कार्रवाई की तैयारी

सहारनपुर (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी के निर्देश पर नगर निगम द्वारा जनगणना के प्रथम चरण की ट्रेनिंग का आयोजन राजकीय कन्या इंटर कॉलेज और जीआईसी में कराया गया। यह प्रशिक्षण जनगणना निदेशालय के सहायक निदेशक आशुतोष की देखरेख में संपन्न हुआ। हालांकि पहले ही दिन बड़ी संख्या में कर्मचारी अनुपस्थित रहे, जिससे अधिकारियों ने नाराजगी जताई और ऐसे कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। सहायक नगर आयुक्त विकास धर दुबे ने बताया कि कुल 460 कर्मचारियों के प्रशिक्षण का कार्यक्रम निर्धारित था, जिसमें 245 कर्मचारियों को राजकीय कन्या इंटर कॉलेज और 215 कर्मचारियों को जीआईसी में प्रशिक्षण दिया जाना था। बावजूद इसके, कई कर्मचारी बिना सूचना के अनुपस्थित रहे। ऐसे कर्मचारियों के खिलाफ जनगणना अधिनियम की धाराओं के तहत कार्रवाई के लिए उनके विभागाध्यक्षों और जिलाधिकारी को पत्र भेजा गया है।
उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण तीन दिवसीय है, जिसमें 22 और 23 अप्रैल को भी सत्र आयोजित किए जाएंगे। जो कर्मचारी पहले दिन अनुपस्थित रहे हैं, यदि वे शेष दोनों दिनों में प्रशिक्षण में शामिल हो जाते हैं तो उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। लेकिन लगातार अनुपस्थित रहने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। प्रशिक्षण के दौरान सहायक निदेशक आशुतोष के साथ जोन तीन के चार्ज अधिकारी विकास धर दुबे, जोन दो की चार्ज अधिकारी श्रुति महेश्वरी और सहायक चार्ज अधिकारी सुधीर शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

एमएसपी खरीद में एकरूपता के लिए राष्ट्रीय किसान डाटाबेस जरूरी: अशोक बालियान

मुजफ्फरनगर। (शिखर समाचार) मुजफ्फरनगर से उठी एक महत्वपूर्ण मांग में पीजेंट वेलफेयर एसोसिएशन के चेयरमैन अशोक बालियान ने केंद्र सरकार से देशभर में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कृषि उपज की खरीद के लिए राष्ट्रीय किसान डाटाबेस बनाने की अपील की है। उनका कहना है कि इससे राज्यों के बीच फसल बेचने में आने वाली बाधाएं समाप्त होंगी। बालियान ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर एमएसपी खरीद व्यवस्था में एकरूपता लाने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र, एक बाजार की अवधारणा अभी पूरी तरह लागू नहीं हो सकी है, क्योंकि कृषि और मंडियों का संचालन राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र में आता है। पत्र में उन्होंने बताया कि अलग अलग राज्यों में एमएसपी खरीद के नियम और पंजीकरण प्रक्रियाएं भिन्न हैं। इसके चलते उत्तर प्रदेश के किसान हरियाणा जैसे राज्यों के सरकारी खरीद केंद्रों पर अपनी फसल नहीं बेच पाते, जिससे बेहतर मूल्य प्राप्त करने के अवसर सीमित हो जाते हैं। उन्होंने वर्ष 2020 के कृषि कानूनों, विशेषकर किसान उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन एवं सुविधा) अधिनियम का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय किसानों को मंडियों के बाहर और राज्यों की सीमाओं के पार फसल बेचने की स्वतंत्रता देने का प्रयास किया गया था। हालांकि ये कानून वापस ले लिए गए, लेकिन एक देश एक बाजार का लक्ष्य अब भी अधूरा है। बालियान ने सुझाव दिया कि एक राष्ट्रीय पोर्टल विकसित किया जाए, जो ई-नाम के उन्नत रूप में कार्य करे। इसके माध्यम से किसान अन्य राज्यों की मंडियों में पहले से समय निर्धारित कर अपनी उपज बेच सकें। उन्होंने हरियाणा की मेरी फसल, मेरा ब्यौरा योजना का उदाहरण देते हुए कहा कि इसे अन्य राज्यों के किसानों के लिए भी खोला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय किसान डाटाबेस तैयार होने से सभी किसानों का एकीकृत रिकॉर्ड उपलब्ध होगा, जिससे वे देश के किसी भी हिस्से में एमएसपी पर अपनी उपज बेच सकेंगे। अंत में उन्होंने पारदर्शी अंतरराज्यीय व्यापार नीति लागू करने की मांग करते हुए कहा कि इससे राज्यों के बीच विवाद कम होंगे और किसानों को व्यापक बाजार मिलेगा।

स्मार्ट प्रीपेड बिजली मीटर के विरोध में तहसील पर किसानों मजदूरों का उग्र प्रदर्शन, मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

मोदीनगर (शिखर समाचार)। भारतीय किसान मजदूर मोर्चा के बैनर तले मंगलवार को सैकड़ों की संख्या में किसानों, मजदूरों और आम उपभोक्ताओं ने स्मार्ट प्रीपेड बिजली मीटर लगाए जाने के विरोध में तहसील मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने उप जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर धरना देते हुए नारेबाजी की और अपनी मांगों को लेकर आक्रोश व्यक्त किया। मोर्चा अध्यक्ष बबली गुर्जर, सत्येंद्र शर्मा, नीरज प्रजापति और राहुल प्रधान के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुरुषों के साथ महिलाएं भी शामिल रहीं। सभी प्रदर्शनकारी दिल्ली-मेरठ मार्ग से पैदल मार्च करते हुए तहसील मुख्यालय पहुंचे और वहां पहुंचकर जोरदार नारेबाजी करते हुए धरने पर बैठ गए। इस दौरान पूरे क्षेत्र में प्रदर्शनकारियों की आवाज गूंजती रही।
बबली गुर्जर ने कहा कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जाने से किसान, मजदूर और निम्न व मध्यम वर्ग के लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन मीटरों में बिजली खपत की रीडिंग अधिक दिखाई जा रही है, अचानक बैलेंस समाप्त हो जाता है और बिना किसी पूर्व सूचना के बिजली आपूर्ति बाधित कर दी जाती है। इससे आम उपभोक्ताओं का जनजीवन प्रभावित हो रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि किसान और मजदूर वर्ग पहले से ही आर्थिक तंगी से जूझ रहा है, ऐसे में अग्रिम भुगतान कर बिजली मीटर रिचार्ज कराना उनके लिए संभव नहीं है। इस व्यवस्था से गरीब और कमजोर वर्ग पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।
प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने की प्रक्रिया को तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए और जो मीटर पहले से लगाए जा चुके हैं, उन्हें भी हटाया जाए। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि जबरन किसी के घर पर मीटर लगाने का प्रयास किया गया तो उसका सख्त विरोध किया जाएगा और आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उप जिलाधिकारी की अनुपस्थिति में मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार मुकेश शर्मा को सौंपा गया। इस अवसर पर नवीन जैन, एमपी सिंह, जगपाल सिंह, सचिन दीक्षित, सुनील प्रधान, तरुण जाटव सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में संस्था के कार्य, डायलिसिस मशीन चालू कराने की मांग

कांधला/शामली (शिखर समाचार)। दिल्ली-सहारनपुर राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित एक रेस्टोरेंट में संगठित सामाजिक सेवा संस्था द्वारा प्रेस वार्ता आयोजित की गई। संयोजक एवं पूर्व विधायक राजेश्वर बंसल ने बताया कि संस्था शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि अप्रैल 2025 से मार्च 2026 तक राजकीय बालिका इंटर कॉलेज सहित क्षेत्र के आठ सरकारी विद्यालयों में स्मार्ट बोर्ड लगाए गए। साथ ही 11 विद्यालयों में 2100 बच्चों के लिए कुर्सी-बेंच, 2000 स्कूल बैग, 3500 जर्सी और 33 साइकिल वितरित की गईं। स्वास्थ्य सेवाओं के तहत कांधला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दो डायलिसिस मशीन और डेंटल चेयर उपलब्ध कराई गईं। इसके अलावा कई गांवों में स्वच्छ पेयजल के लिए स्टील टैंक और 15 ग्राम पंचायतों में कूड़ा प्रबंधन हेतु ई-रिक्शा दिए गए। बंसल ने बताया कि डायलिसिस मशीन तकनीशियन के अभाव में चालू नहीं हो पा रही है, जिससे लोगों को लाभ नहीं मिल रहा। इस संबंध में प्रशासन को अवगत कराया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विष्णु प्रकाश अग्रवाल ने की तथा संचालन मेहर चंद सिंघल व अमन मित्तल ने किया। कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय जर्नल में आरके पीजी कॉलेज के एमएससी छात्र का शोध पत्र प्रकाशित

शामली। (शिखर समाचार) शहर के आरके पीजी कॉलेज के भौतिकी विभाग के लिए गर्व का विषय है कि एमएससी छात्र का शोध पत्र दूसरी बार अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हुआ है। यह उपलब्धि न केवल कॉलेज बल्कि पूरे विश्वविद्यालय के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। आरके पीजी कॉलेज ने शोध और नवाचार के क्षेत्र में एक नई पहचान बनाई है। कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. संजीव कुमार के मार्गदर्शन में एमएससी भौतिकी के छात्र आशुतोष शर्मा ने उच्च गुणवत्ता वाला शोध पत्र तैयार किया, जिसे विश्व प्रसिद्ध प्रकाशक स्प्रिंगर नेचर के जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर मॉडलिंग में प्रकाशित किया गया है। इस जर्नल का इम्पैक्ट फैक्टर 2.5 है, जो इसकी गुणवत्ता को दशार्ता है। यह शोध पत्र विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालयों के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। साथ ही यह नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुभव आधारित अधिगम के उद्देश्य की सफलता को भी प्रदर्शित करता है। शोध में पाइथन आधारित मॉडलिंग के माध्यम से नैनोटेक्नोलॉजी को विस्तार से समझाया गया है। इसमें ग्रेफीन और कार्बन नैनो ट्यूब्स जैसे उन्नत पदार्थों के त्रिआयामी दृश्यांकन को सरल बनाया गया है, जिससे छात्रों को जटिल अवधारणाएं समझने में मदद मिलेगी। इस उपलब्धि से न केवल संस्थान की प्रतिष्ठा बढ़ी है, बल्कि क्षेत्र में शिक्षा और शोध के प्रति नई प्रेरणा भी मिली है।

नोटिसों का जवाब न देने पर 25 संविदाकारों के लाइसेंस निरस्त

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। श्रमिकों के हितों की सुरक्षा और औद्योगिक शांति बनाए रखने के लिए श्रम विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 25 संविदाकारों के लाइसेंस निरस्त कर दिए हैं। अपर श्रमायुक्त गौतमबुद्धनगर राकेश द्विवेदी ने बताया कि जनपद में श्रम कानूनों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए लगातार निरीक्षण और प्रवर्तन अभियान चलाया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान कई औद्योगिक प्रतिष्ठानों में कार्यरत संविदाकारों के कार्यों में अनियमितताएं पाई गईं। इसके बाद विभाग की ओर से संबंधित संविदाकारों को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया था। लेकिन 25 संविदाकारों ने तय समय में कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया। इसे गंभीरता से लेते हुए विभाग ने उनके लाइसेंस निरस्त कर दिए। अपर श्रमायुक्त ने बताया कि निरस्त किए गए संविदाकारों की सूची कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआई) और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (पीएफ) को भेज दी गई है, ताकि वे अपने अपने कानूनों के तहत जांच कर आवश्यक कार्रवाई कर सकें। उन्होंने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

आंगनवाड़ी केंद्रों पर अभिभावक शिक्षक बैठक का सफल आयोजन

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। बिसरख ब्लॉक के बादलपुर सेक्टर स्थित तीन आंगनवाड़ी केंद्रों पर अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला समन्वयक पूजा तथा सुपरवाइजर विनोद कुमारी ने सक्रिय भूमिका निभाई। बैठक में अभिभावकों को पीटीएम के उद्देश्य और महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया। उन्हें जानकारी दी गई कि हर माह आयोजित होने वाली इन बैठकों में बच्चों के समग्र विकास, पोषण, स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़े विषयों पर चर्चा की जाती है। इससे अभिभावकों और आंगनवाड़ी कार्यकताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होता है। इस माह की बैठक में नए बच्चों का स्वागत किया गया तथा पोषण पाठशाला के माध्यम से संतुलित आहार की जानकारी दी गई। साथ ही खेल आधारित गतिविधियों के जरिए बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास पर जोर दिया गया। कार्यकताओं ने बताया कि खेल खेल में बच्चों की सीखने की क्षमता को प्रभावी ढंग से बढ़ाया जा रहा है। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रेणु, रूमी शर्मा, ममता, रेखा और ऊषा सहित अन्य स्टाफ उपस्थित रहा। अंत में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सभी ने मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

बंद मकान में चोरी का पुलिस ने किया खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

सहारनपुर/नानौता (शिखर समाचार)। थाना नानौता क्षेत्र के मोहल्ला कानूनगोयान में बंद मकान में हुई चोरी की घटना का पुलिस ने सफल खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मोहल्ला निवासी मोहम्मद असगर ने 18 अप्रैल को थाने में तहरीर देकर बताया था कि अज्ञात चोर उनके घर का ताला तोड़कर लगभग 1.25 लाख रुपये के आभूषण और 73 हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस टीम ने 19 अप्रैल को ईदगाह के पास स्थित एक आम के बाग से यूनुस, सलमान और शुभम निवासी नानौता को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए सामान में पांच जोड़ी पाजेब, आठ अंगूठियां, दो छल्ले, एक चेन और 15,600 रुपये नकद बरामद किए गए। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी पूर्व में भी आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे हैं। यूनुस के खिलाफ चोरी, शस्त्र अधिनियम और जुआ अधिनियम समेत करीब 11 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

संपादकीय

ईरान अमेरिका तनातनी : संवाद की अनिश्चित राह और वैश्विक संतुलन की चुनौती

पश्चिम एशिया एक बार फिर कूटनीतिक अनिश्चितताओं के भंवर में फंसता दिखाई दे रहा है। ईरान के विदेश मंत्रालय द्वारा यह स्पष्ट किया जाना कि उसने अभी तक अमेरिका के साथ किसी भी प्रकार की वार्ता में शामिल होने का निर्णय नहीं लिया है, अंतरराष्ट्रीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण संकेत है। यह बयान केवल एक औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि उस गहरे अविश्वास और रणनीतिक दूरी का प्रतीक है, जो वर्षों से दोनों देशों के संबंधों में बनी हुई है। ऐसे समय में जब वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं, यह गतिरोध न केवल क्षेत्रीय बल्कि विश्व स्तर पर भी असर डाल सकता है।

ईरान और अमेरिका के बीच तनाव कोई नया विषय नहीं है। परमाणु कार्यक्रम को लेकर लंबे समय से विवाद चला आ रहा है। 2015 में हुए परमाणु समझौते ने कुछ समय के लिए उम्मीद जगाई थी, लेकिन बाद में अमेरिका के उससे अलग होने और प्रतिबंधों को फिर से लागू करने से स्थिति और जटिल हो गई। इसके बाद से दोनों देशों के बीच संवाद लगभग ठप हो गया। हाल के महीनों में यह उम्मीद जताई जा रही थी कि बदलते वैश्विक हालात और मध्यस्थ देशों की पहल के चलते बातचीत का कोई रास्ता निकलेगा, लेकिन ईरान के ताजा बयान ने इन संभावनाओं पर फिलहाल विराम लगा दिया है।

वर्तमान परिस्थितियों में ईरान का यह रुख कई कारणों से महत्वपूर्ण है। पहला, ईरान अपने राष्ट्रीय हितों और संप्रभुता को लेकर बेहद संवेदनशील है। वह किसी भी वार्ता में तब तक शामिल नहीं होना चाहता, जब तक उसे यह भरोसा न हो कि बातचीत बराबरी के आधार पर होगी और उस पर किसी प्रकार का दबाव नहीं डाला जाएगा। दूसरा, अमेरिका की नीतियों को लेकर ईरान में गहरा अविश्वास है, खासकर पिछले अनुभवों के कारण। ऐसे में बिना स्पष्ट आश्वासन के वार्ता में शामिल होना ईरान के लिए राजनीतिक रूप से जोखिम भरा हो सकता है।

दूसरी ओर अमेरिका भी अपने रणनीतिक हितों के तहत ईरान पर दबाव बनाए रखना चाहता है। आर्थिक प्रतिबंध, सैन्य उपस्थिति और क्षेत्रीय गठबंधनों के जरिए वह ईरान को सीमित करने की कोशिश करता रहा है। लेकिन यह नीति अब उतनी प्रभावी नहीं दिख रही, जितनी पहले थी। वैश्विक शक्ति संतुलन में बदलाव, रूस-यूक्रेन युद्ध, और चीन के बढ़ते प्रभाव ने अमेरिका की प्राथमिकताओं को भी प्रभावित किया है। ऐसे में ईरान के साथ टकराव को कम करना अमेरिका के हित में हो सकता है, लेकिन इसके लिए उसे अपनी नीति में लचीलापन दिखाना होगा। इस पूरे घटनाक्रम का असर केवल दो देशों तक सीमित नहीं है। पश्चिम एशिया पहले ही कई संघर्षों और अस्थिरताओं का केंद्र रहा है। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ने से इस क्षेत्र में अस्थिरता और बढ़ सकती है, जिसका सीधा प्रभाव वैश्विक ऊर्जा बाजार, व्यापार और सुरक्षा पर पड़ेगा। भारत जैसे देशों के लिए, जो इस क्षेत्र से ऊर्जा आयात पर निर्भर हैं, यह स्थिति विशेष चिंता का विषय है। तेल की कीमतों में उतार चढ़ाव और आपूर्ति में बाधा से आर्थिक दबाव बढ़ सकता है।

इसके अलावा यह मुद्दा वैश्विक कूटनीति की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाता है। यदि बड़े देश आपसी मतभेदों को संवाद के माध्यम से हल करने में असफल रहते हैं, तो यह अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए एक नकारात्मक संकेत है। संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों की भूमिका भी ऐसे समय में महत्वपूर्ण हो जाती है, लेकिन उनकी प्रभावशीलता भी सदस्य देशों की राजनीतिक इच्छाशक्ति पर निर्भर करती है। फिलहाल यह स्पष्ट है कि ईरान और अमेरिका के बीच संवाद की राह आसान नहीं है। दोनों पक्षों को अपने अपने दृष्टिकोण में संतुलन लाना होगा। ईरान को जहां अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ जुड़ाव बढ़ाने की दिशा में कदम उठाने होंगे, वहीं अमेरिका को भी अपनी नीतियों में भरोसा पैदा करने वाला बदलाव करना होगा।

~ मौलिक चिंतन ~

सच्चा इंसान हर एक में अपना जैसा सच्चा दिल तलाशता है और धोखा खाता है।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

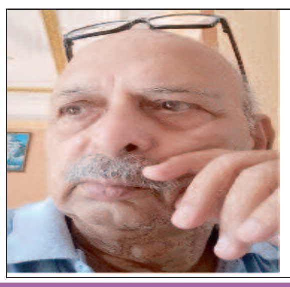

© विनय संकोची

स्पेस में बढ़ता मलबा और सैटेलाइट की सुरक्षा बनी चुनौती

कांतिलाल मांडोत

पिछले दो दशकों में अंतरिक्ष गतिविधियों में जिस तेजी से वृद्धि हुई है, उसने मानवता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है, लेकिन इसके साथ एक गंभीर खतरा भी पैदा हो गया है। यह खतरा है अंतरिक्ष में तेजी से बढ़ते मलबे का, जिसे अब वैज्ञानिक ह्यस्पेस डेब्रिसह्न के नाम से पहचानते हैं। 2005 से 2025 के बीच भारत सहित दुनिया के कई देशों ने सैकड़ों उपग्रह अंतरिक्ष में स्थापित किए, जिससे पृथ्वी की कक्षा पहले की तुलना में कहीं अधिक भीड़भाड़ वाली हो गई है। इस स्थिति ने सैटेलाइट की सुरक्षा को एक बड़ी चुनौती बना दिया है।

भारत की अंतरिक्ष एजेंसी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने इस खतरे को गंभीरता से लेते हुए कई बार अपने उपग्रहों और मिशनों को संभावित टकराव से बचाने के लिए कक्षा में बदलाव किया है। हाल के वर्षों में उपग्रहों और चंद्र मिशनों को कुल 18 बार खतरे से बचाने के लिए रास्ता बदलना पड़ा, जिनमें से अधिकांश मामले अंतरिक्ष मलबे से जुड़े थे। यह केवल तकनीकी चुनौती नहीं है, बल्कि यह भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों की सुरक्षा और सफलता से भी जुड़ा हुआ विषय बन चुका है।

अंतरिक्ष में मलबे की समस्या अब एक वैश्विक चिंता बन चुकी है। विभिन्न शोधों के अनुसार, पृथ्वी की कक्षा में 10 सेंटीमीटर से बड़े लगभग 40,000 मलबे के टुकड़े मौजूद हैं, जबकि 1 सेंटीमीटर से बड़े टुकड़ों की संख्या 12 लाख के करीब पहुंच चुकी है। यह मलबा पुराने उपग्रहों के अवशेष, रॉकेट के टूटे हिस्से और टकराव से उत्पन्न कणों का मिश्रण है। इनकी रफ्तार लगभग 28,000 किलोमीटर प्रति घंटा होती है, जो किसी भी सक्रिय उपग्रह के लिए बेहद खतरनाक है। इतनी तेज गति से चलने वाला एक छोटा सा टुकड़ा भी किसी सैटेलाइट को पूरी तरह नष्ट कर सकता है।

भारत के चंद्र मिशन भी इस खतरे से अछूते नहीं हैं। चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर को 2025 में कई बार अपनी कक्षा बदलनी पड़ी। अकेले इस मिशन के लिए 16 बार ऑर्बिट मैन्यूवर किए गए, ताकि संभावित टकराव से बचा जा सके। यह दर्शाता है कि अब अंतरिक्ष में काम करना पहले की तुलना में कहीं अधिक जटिल और जोखिम भरा हो गया है। हर मिशन को न केवल अपने वैज्ञानिक उद्देश्यों पर ध्यान देना होता है, बल्कि उसे सुरक्षित बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण हो गया है। अंतरिक्ष में बढ़ती भीड़ का एक और असर लॉन्चिंग प्रक्रियाओं पर भी पड़ा है। कई बार रॉकेट लॉन्च को अंतिम क्षणों में टालना पड़ता है ताकि वह मलबे के रास्ते से बच सके। एक मामले में भारत को अपने एक मिशन की लॉन्चिंग 41 सेकंड तक टालनी पड़ी, ताकि संभावित टकराव से बचा जा सके। यह छोटी सी देरी दिखने में मामूली लग सकती है, लेकिन इसके पीछे अत्यंत जटिल गणनाएं और सुरक्षा उपाय होते हैं।

इस चुनौती से निपटने के लिए भारत ने ह्यनेत्रह्न परियोजना की शुरूआत की है। प्रोजेक्ट नेत्र का उद्देश्य अंतरिक्ष में मौजूद मलबे और अन्य वस्तुओं की निगरानी करना है। इसके तहत उन्नत ट्रैकिंग सिस्टम विकसित किए जा रहे हैं, जो 10 सेंटीमीटर तक के मलबे को भी पहचान सकें। यह प्रणाली भविष्य में सैटेलाइट्स को समय रहते खतरे से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

दुनिया के अन्य देश भी इस समस्या के समाधान के लिए प्रयास कर रहे हैं। अमेरिका उन्नत कोलिजन अवॉइडेंस सॉफ्टवेयर विकसित कर रहा है और 2030 तक सक्रिय मलबा हटाने वाली तकनीकों को तैनात करने की योजना बना रहा है। चीन ने विशाल ग्राउंड-बेस्ड टेलीस्कोप सिस्टम तैयार किया है, जो अंतरिक्ष में मौजूद वस्तुओं की निगरानी करता है और उपग्रहों को सुरक्षित कक्षा में स्थानांतरित करने में मदद करता है। वहीं यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी मलबे को हटाने के लिए नई तकनीकों पर काम कर रही है, जिनमें छोटे कणों को जलाकर नष्ट करना या उनकी दिशा बदलना शामिल है।

अंतरिक्ष में मलबे की समस्या केवल तकनीकी नहीं है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग की भी मांग करती है। जैसे-जैसे अधिक देश और निजी कंपनियां अंतरिक्ष में प्रवेश कर रही हैं, यह जरूरी हो गया है कि सभी एक साझा नियम और जिम्मेदारी के तहत काम करें। अगर इस दिशा में समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो भविष्य में अंतरिक्ष अभियानों की लागत और जोखिम दोनों बढ़ सकते हैं।

स्पेस डेब्रिस का बढ़ता खतरा हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि अंतरिक्ष अब केवल खोज और विकास का

क्षेत्र नहीं रह गया है, बल्कि इसकी सुरक्षा भी उतनी ही जरूरी हो गई है। आने वाले वर्षों में सैटेलाइट्स की संख्या और बढ़ेगी, जिससे यह चुनौती और गंभीर हो सकती है। ऐसे में वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष एजेंसियों के लिए यह आवश्यक हो गया है कि वे नई तकनीकों और रणनीतियों के माध्यम से इस समस्या का समाधान निकालें।

अंततः यह कहा जा सकता है कि अंतरिक्ष में बढ़ता मलबा मानवता के लिए एक चेतावनी है। यदि हम समय रहते सतर्क नहीं हुए, तो यह हमारी सबसे महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धियों के लिए खतरा बन सकता है। इसलिए सैटेलाइट की सुरक्षा अब केवल एक तकनीकी मुद्दा नहीं, बल्कि वैश्विक जिम्मेदारी बन चुकी है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ताः सुविधा का वरदान या मूल्यों का संकट

ललित गर्ग

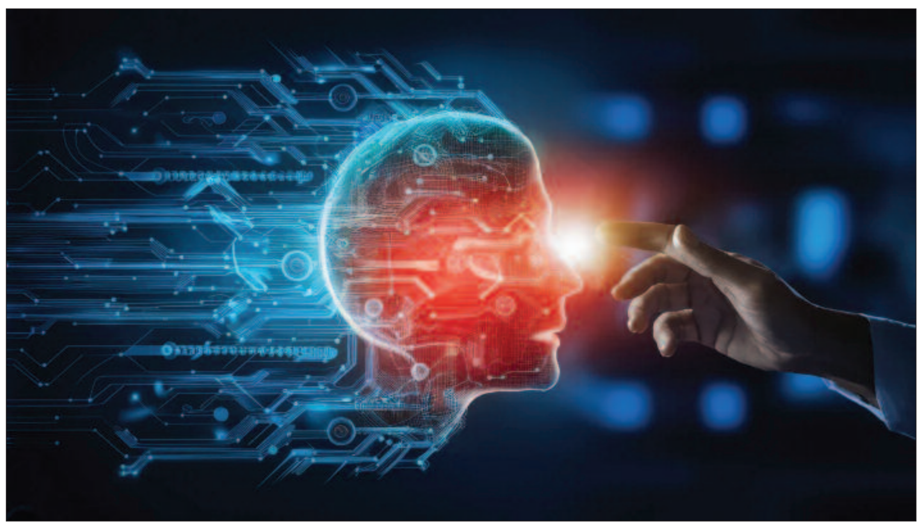

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास यदि देखा जाए तो यह स्पष्ट होता है कि हर नई तकनीक अपने साथ संभावनाओं और संकटों का एक द्वंद्व लेकर आती है। आज का समय भी इसी द्वंद्व से गुजर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रूप में विकसित हो रही नवीन तकनीक ने जीवन को सरल, तीव्र और सुविधाजनक बनाया है, किंतु इसके साथ ही यह मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक संतुलन के लिए एक गंभीर चुनौती भी बनकर उभर रही है। समाज के चिंतकों, दार्शनिकों और आध्यात्मिक नेतृत्व ने समय-समय पर इस विषय पर चिंता व्यक्त की है और हाल ही में पोप लियो 14 द्वारा व्यक्त आशंकाओं ने इस चिंता को वैश्विक विमर्श का केंद्र बना दिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि इस तकनीक का उपयोग नैतिक मयार्दाओं से परे जाकर किया गया, तो यह विश्व में विभाजन, भय, हिंसा और संघर्ष को बढ़ावा दे सकती है। यह चेतावनी केवल एक धार्मिक नेता की भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं है, बल्कि यह उस गहरी चिंता का संकेत है जो आज पूरी मानवता के भीतर कहीं न कहीं विद्यमान है। तकनीक अपने आप में न तो नैतिक होती है और न ही अनैतिक, किंतु उसका उपयोग उसे किसी भी दिशा में ले जा सकता है।

वर्तमान समय में यह देखा जा रहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग केवल रचनात्मक और सकारात्मक कार्यों तक सीमित नहीं रह गया है। इसके माध्यम से झूठी सूचनाओं का निर्माण, नकली चित्रों और ध्वनियों का सृजन तथा जनमत को प्रभावित करने के प्रयास तेजी से बढ़े हैं। चुनावी प्रक्रियाओं में इसका उपयोग लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर कर सकता है। जब कोई मतदाता यह समझ ही नहीं पाता कि जो वह देख रहा है या सुन रहा है वह सत्य है या निर्मित भ्रम, तब उसकी निर्णय क्षमता प्रभावित होती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास को कमजोर करती है। आज सोशल माध्यमों पर ऐसी अनेक घटनाएँ सामने आती हैं, जहाँ किसी व्यक्ति को नरेंद्र मोदी जैसे बड़े नेताओं के साथ दिखाया जाता है, जबकि वास्तविकता में ऐसा कभी हुआ ही नहीं होता। यह केवल व्यक्तिगत भ्रम नहीं, बल्कि सामाजिक स्तर पर विश्वास की संरचना को कमजोर करने वाला प्रवाह है। जब झूठ और सत्य के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समाज में संशय, अविश्वास और अस्थिरता का वातावरण बनता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एक और चिंताजनक पक्ष है साइबर अपराधों में इसका बढ़ता उपयोग। आज अपराधी किसी व्यक्ति की आवाज की नकल करके उसके परिचितों को धोखा देने में सक्षम हो गए हैं। परिवार के सदस्य या अधिकारी बनकर धन की ठगी करना अब अत्यंत सरल हो गया है। इस प्रकार की घटनाओं ने अनेक लोगों की जीवन भर की कमाई को पल भर में समाप्त कर दिया है। यह केवल आर्थिक क्षति नहीं, बल्कि विश्वास और सुरक्षा की भावना पर गहरा आघात है। वित्तीय क्षेत्र में भी इस तकनीक का दुरुपयोग गंभीर संकट उत्पन्न कर सकता है। स्वचालित हमलों के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था की कमजोरियों का लाभ उठाया जा सकता है। यदि इस प्रकार के हमले व्यापक स्तर पर होते हैं, तो यह केवल व्यक्तिगत हानि तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी अस्थिर कर सकते हैं। यह स्थिति उस समय और भी गंभीर हो जाती है जब नियामक संस्थाएँ इन जटिल तकनीकों की गति और स्वरूप को समझने में पीछे रह जाती हैं।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह तकनीक पूरी तरह निर्दोष नहीं है। विशाल आंकड़ा केंद्रों की स्थापना, ऊर्जा की अत्यधिक खपत, तथा खनिज संसाधनों का दोहन-ये सभी प्रकृति पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं। कोबाल्ट और लिथियम जैसे खनिजों की बढ़ती मांग पर्यावरणीय असंतुलन और मानवीय शोषण दोनों को जन्म देती है। इस प्रकार यह तकनीक केवल सामाजिक या नैतिक ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय चुनौती भी बन रही है। इन सभी चिंताओं के बीच यह समझना आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को नकारा नहीं जा सकता। यह आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है और चिकित्सा, शिक्षा, आपदा प्रबंधन तथा उत्पादन के क्षेत्र में इसके योगदान को अनदेखा नहीं किया जा सकता। समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग के स्वरूप में है। यदि इसे मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ जोड़ा जाए, तो यह एक वरदान सिद्ध हो सकती है।

इसके लिए सबसे पहले आवश्यक है कि इसके विकास और उपयोग के लिए स्पष्ट और सशक्त नियम बनाए जाएं। सरकारों और संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस तकनीक का उपयोग पारदर्शी, सुरक्षित और उत्तरदायी तरीके से हो। कंपनियों को अपने तंत्र में ऐसी व्यवस्थाएँ विकसित करनी चाहिए, जिससे किसी भी प्रकार की भ्रामक सामग्री की पहचान और नियंत्रण संभव हो सके। साथ ही नागरिकों की जागरूकता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। डिजिटल साक्षरता के बिना कोई भी समाज इस चुनौती का सामना नहीं कर सकता। लोगों को यह समझना होगा कि जो कुछ वे देख या सुन रहे हैं, वह हमेशा सत्य नहीं हो सकता। सत्यापन की प्रवृत्ति को विकसित करना समय की आवश्यकता है। नैतिकता के स्तर पर यह भी आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रशिक्षण के लिए उपयोग किए जाने वाले आंकड़े निष्पक्ष और उच्च गुणवत्ता वाले हों। यदि आधार ही पक्षपाती होगा, तो परिणाम भी पक्षपाती होंगे। इससे सामाजिक असमानता और भेदभाव को बढ़ावा मिल सकता है। इसलिए निष्पक्षता, पारदर्शिता, गोपनीयता और उत्तरदायित्व जैसे सिद्धांतों को इसके विकास का आधार बनाना होगा।

सांस्कृतिक दृष्टि से भी यह ध्यान रखना आवश्यक है कि तकनीकी विकास हमारी परंपराओं और मूल्यों के साथ संतुलन बनाए रखे। हमारी सांस्कृतिक धरोहर का डिजिटलीकरण और संरक्षण इस दिशा में एक सकारात्मक कदम हो सकता है, किंतु यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इसका उपयोग सम्मानपूर्वक और संवेदनशीलता के साथ किया जाए। साररूप में यह कहा जा सकता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक शक्तिशाली साधन है, जो मानव जीवन को नई दिशा दे सकता है। किंतु यदि इसे नैतिकता से अलग कर दिया जाए, तो यह उसी गति से विनाश का कारण भी बन सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम तकनीक के विकास के साथ-साथ अपने नैतिक मूल्यों को भी सुदृढ़ करें। विज्ञान और मानवीय संवेदना के बीच संतुलन ही वह मार्ग है, जो हमें सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की ओर ले जा सकता है।

धधकती धरतीः विकास की दौड़ या विनाश की ओर?

योगेश कुमार गोयल

प्रकृति पिछले कुछ समय से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत देती रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है।

न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का निरन्तर बिगड़ता मिजाज गंभीर चिंता का सबब बना है। हालांकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विगत वर्षों में दुनियाभर में दोहा, कोपेनहेगन, कानकुन इत्यादि बड़े-बड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद इस दिशा में अभी तक ठोस कदम उठते नहीं देखे गए हैं। दरअसल वास्तविकता यही है कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रकृति के बिगड़ते मिजाज को लेकर चर्चाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चर्चाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों में जागरूकता पैदान करने तथा पृथ्वी को बचाने के लिए प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को 'विश्व पृथ्वी दिवस' मनाया जाता है।

प्रकृति पिछले कुछ समय से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत देती रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर में मौसम का मिजाज किस कदर बदल रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तरी ध्रुव के तापमान में एक-दो नहीं बल्कि करीब 30 डिग्री तक की बढ़ोतरी देखी गई। मौसम की प्रतिकूलता साल दर साल किस कदर बढ़ती जा रही है, यह इसी से समझा जा सकता है कि कहीं भयानक सूखा तो कहीं बेमौसम अत्यधिक वर्षा, कहीं जबरदस्त बर्फबारी तो कहीं कड़ाके की ठंड, कभी-कभार ठंड में गर्मी का अहसास तो कहीं तूफान और कहीं भयानक प्राकृतिक आपदाएं, ये सब प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ के ही दुष्परिणाम हैं और हमें यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि अगर हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है।

हालांकि प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें चेतावनी भी देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। पहाड़ों में बढ़ती गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब हर वर्ष बढ़ता जा रहा है।

धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढ़ेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सब कुछ नष्ट कर डालने में पल भर की भी देर नहीं लगेगी। करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, अब वह 40 के पार रहने लगा है। मौसम विभाग का तो अनुमान है कि अगले तीन दशकों में इन राज्यों में तापमान में वृद्धि 5 डिग्री तक दर्ज की जा सकती है और इसी प्रकार तापमान बढ़ता रहा तो एक ओर जहां जंगलों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, वहीं धरती का करीब 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा तथा एक चौथाई हिस्सा रेगिस्तान बन जाएगा, जिसके दायरे में भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, दक्षिण आस्ट्रेलिया, दक्षिण यूरोप इत्यादि आएंगे।

सवाल यह है कि धरती का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्न पुस्तक के मुताबिक इसका सबसे अहम कारण है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं व संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वातावरण में पहले की अपेक्षा 30 फीसदी ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड मौजूद है, जिसकी मौसम का मिजाज बिगाड़ने में अहम भूमिका है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील किया जाता रहा है। एक और अहम कारण है बेतहाशा जनसंख्या वृद्धि। जहां 20वीं सदी में वैश्विक जनसंख्या करीब 1.7 अरब थी, अब बढ़कर 8 अरब से भी ज्यादा हो चुकी है। अब सोचने वाली बात यह है कि धरती का क्षेत्रफल तो उतना ही रहेगा, इसलिए कई गुना बढ़ी आबादी के रहने और उसकी जरूरतें पूरी करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है, इससे पर्यावरण की सेहत पर जो जबरदस्त प्रहार हुआ है, उसी का परिणाम है कि धरती बुरी तरह धधक रही है। ब्रिटेन के प्रख्यात भौतिक शास्त्री स्टीफन हॉकिंग की इस टिप्पणी को कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है कि यदि मानव जाति की जनसंख्या इसी कदर बढ़ती रही और ऊर्जा की खपत दिन-प्रतिदिन इसी प्रकार होती रही तो करीब 600 वर्षों बाद पृथ्वी आग का गोला बनकर रह जाएगी।

धरती का तापमान बढ़ते जाने का ही दुष्परिणाम है कि ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है। बहरहाल, अगर प्रकृति से खिलवाड़ कर पर्यावरण को क्षति पहुंचाकर हम स्वयं इन समस्याओं का कारण बने हैं और हम वाकई गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं को लेकर चिंतित हैं तो इन समस्याओं का निवारण भी हमें ही करना होगा ताकि हम प्रकृपि के प्रकोप का भाजन होने से बच सकें अन्यथा प्रकृति से जिस बड़े पैमाने पर खिलवाड़ हो रहा है, उसका खामियाजा समस्त मानव जाति को अपने विनाश से चुकाना पड़ेगा।

क्या आप भी जल्दी जल्दी नौकरी बदलते हैं? ये हैं फायदे एवं नुकसान

एक तो लोगों को नौकरी मिलना आज के समय में बेहद मुश्किल का कार्य है, वहीं कई लोग भाग्यशाली होते हैं, जिन्हें एक नौकरी छोड़ने से पहले ही दूसरी नौकरी मिल जाए! ऐसे में थोड़ी ग्रोथ के लिए लोगबाग जल्दी-जल्दी नौकरी चेंज करने लगते हैं। शायद आप भी उनमें से हों, किन्तु अगर आप भी जल्दी जल्दी नौकरी चेंज करते हैं तो यह जान लें कि शार्ट टर्म में बेशक इसके कुछ फायदे दिखें, किन्तु दीर्घावधि में इसका काफी नुक्सान होता है।

हालांकि अभी के समय में हालात यह हैं कि अब पहले की तरह लोग एक ही नौकरी पर बहुत दिन तक कार्य नहीं करते हैं, बल्कि नौकरी चेंज करने में वह अपनी ग्रोथ देखते हैं, और उसी अनुरूप डिसीजन भी लेते हैं।

किंतु जॉब बदलने का फैसला कुछ मामलों में बेशक ठीक लगता है, किंतु कुछ मामलों में यह कहीं ना कहीं नुकसान देता है। आइये जानते हैं.अगर फायदे की बात करें तो आप यह जान लीजिए कि जॉब बदलने में सबसे पहले तो कुछ परसेंट ही सही, मगर आपकी सैलरी बढ़ जाती है। निश्चित रूप से हर व्यक्ति चाहता है कि उसे उसके काम के अधिक से अधिक पैसे मिलें, और एक नौकरी में अगर उस अनुरूप ग्रोथ नहीं होती है, तो वह जॉब बदलना चाहता है, और ऐसे में उसे तुरंत ही ग्रोथ मिल जाती है।

वहीं अगर दूसरे फायदे की बात करें तो इससे पर्टिकुलर इंडस्ट्री में आपका नेटवर्क बेहतर होता है। अगर एक कंपनी में आप जॉब करते हैं, फिर दूसरी कंपनी में जाते हैं, और इस तरीके से अलग-अलग कंपनी में आपका बेस तैयार होता चला जाता है।

इसके अलावा सबसे बड़ी बात यह है कि एक ही कंपनी में काम करने पर आप कंफर्ट जोन में आ जाते हैं। आपकी स्किल कहीं ना कहीं सैचुरेट हो जाती है, तो दूसरी कंपनी में जब आप जाते हैं, तो वहां कुछ ना कुछ नया सीखने को अवश्य मिलता है। चाहे वहां आपका नया सीनियर हो, चाहे वहां का इनवायरमेंट हो, आप उस कंपनी से नई चीजें जरूर सीखते हैं, और यह वह चीज है जो आपको आने वाले दिनों में मजबूती करती है। इसके अलावा कई भारत लोग एक जगह पर कार्य करने से बोर भी हो जाते हैं, ऐसे में नयी जॉब में उन्हें नयापन भी मिलता है।

हालांकि यह इसका पॉजिटिव पक्ष है, किंतु कुछ निगेटिव पक्ष भी हैं, जिन्हें आपको अवश्य ध्यान में रखना चाहिए।

नुकसान की बात करें तो बार बार जॉब चेंज करने से पोजीशन के मामले में आपके आगे बढ़ने पर असर पड़ सकता है। जी हाँ! एक ही कंपनी में जब आप काम करते हैं, तो वहां आपकी कांस्टेंट ग्रोथ होती है। वहां आपको प्रमोशन मिलता रहता है, किंतु जब आप दूसरी कंपनी में जाते हैं, तो सीनियर पोजिशन पर आपको पहुंचने में कहीं ना कहीं दिक्कत होती है।

इससे आपकी लॉयल्टी भी चेक की जाती है। अगर आप कुछ ज्यादा ही जॉब चेंज करते हैं, तब आपको किसी हायर पोजिशन पर जॉब देने से एचआर मैनेजर निश्चित ही कई बार सोचेगा। कंपनी अगर किसी जिम्मेदारी वाली पोस्ट पर आप की हायरिंग कर भी लेती है, तो भी कंपनी श्योर नहीं हो पाती है कि आप आखिर कितने दिन जॉब करेंगे? कहीं आप बीच में ही जॉब छोड़ कर कहीं और तो नहीं चले जाएंगे? ऐसे में आप शक के घेरे में आ जाते हैं!

यह कार्य सिर्फ पोजीशन के मामले में ही नहीं है, बल्कि प्रोजेक्ट अलॉटमेंट के मामले में भी है, तो क्लाइंट इंटरेक्शन के मामले में भी है। जब तक आप किसी कंपनी के लम्बे समय तक वफादार नहीं होते हैं, तब तक किसी बड़े प्रोजेक्ट की कमांड आपके हाथ में देने से निश्चित रूप से वह कंपनी हिचकिचाएगी। इसी प्रकार से बड़े क्लाइंट हैंडलिंग में भी कंपनी आपको तब तक इंवॉल्व नहीं करेगी, जब तक आप उसके प्रति लॉयल साबित न हो जाएँ! ऐसे में कहीं ना कहीं बड़ी संभावनाओं से आपके दूर रहने की शुरुआत हो जाती है।

कंपनी बार-बार चेंज करने का आपके फाइनेंसियल पोजीशन पर भी खासा असर पड़ता है। चाहे आप क्रेडिट कार्ड एप्लीकेशन के लिए अप्लाई करें, चाहे आप होम लोन या दूसरे लोन के लिए अप्लाई करें.आपकी फाइनेंशियल स्टेबिलिटी जरूर चेक की जाती है। आप किस कंपनी में कितने लंबे समय तक रहे हैं, यह आपके लिए एक प्लस प्वाइंट साबित होता है। वहीं अगर आप बार-बार अपनी जॉब चेंज करते हैं, तो कहीं ना कहीं आप की फाइनेंसियल स्टेबिलिटी पर एक सवाल खड़ा होता है।

मैनेजेरियल स्किल डेवलपमेंट पर पड़ता है फर्क

जी हां! ऊपर से आपको बेशक लगे कि आप कुछ चीजें ऊपर ऊपर समझ गए हैं, किंतु प्रबंधन के गुणों को आप तब तक नहीं समझ सकते, जब तक आप किसी कंपनी में देर तक नहीं टिकेंगे! कहीं टिक कर काम करने के बाद ही कंपनी पॉलिटिक्स, प्रबंधन टेक्निक आप समझ पाते हैं। कंपनी अपने इन्वेस्टमेंट डिसीजंस किस प्रकार लेती है, वास्तव में उसकी रुचि और भविष्य की योजनायें क्या हैं, यह आप गहराई से एक समय के बाद ही समझ पाते हैं। अगर बाद में आप कभी अपना उद्यम शुरू करना चाहें, तो इसलिए जरूरी है कि किसी कंपनी में आप देर तक टिक कर काम करें, अन्यथा आप उसकी गहराई को नहीं समझ पाएंगे।

पॉलीमर साइंस में बीटेक करने के बाद है शानदार करियर संभावनाएं

विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं।

मौजूदा तकनीकी दौर में पॉलीमर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। इनमें प्लास्टिक, मोल्डेड सामग्री, सिंथेटिक फाइबर, रबर आदि शामिल हैं। ईको-फ्रेंडली और रीसाइक्लेबल प्लास्टिक के साथ इन सभी पॉलीमर प्रोडक्ट्स के उचित प्रबंधन की आवश्यकता भी समय के साथ बढ़ रही है। यह काम पॉलिमर इंजीनियर्स करते हैं। वे प्लांट डिजाइन, प्रोसेस डिजाइन और थर्मोडाइनेमिक्स के सिद्धांतों का उपयोग करते हैं। विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पॉलीमर साइंस में बीटेक के बाद करियर अवसर के बारे में जानकारी देंगे-

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के अवसर

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद आप सरकारी फर्मों जैसे सेंट्रल ग्लास एंड सिरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राउरकेला और सेंट्रल साल्ट एंड मरीन केमिकल्स रिसर्च इंस्टीट्यूट आदि में बतौर जूनियर रिसर्च फेलो काम कर सकते हैं। इन फेलोशिप कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर कम से कम 55% अंकों के साथ एम।टेक डिग्री प्राप्त करने के बाद कोई भी नेट के लिए बैठ सकता है। जिन उम्मीदवारों ने अपनी बी टेक डिग्री में 60% अंक प्राप्त किए हैं, वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक या इंजीनियर के रूप में 40,000/- रुपये के मासिक वेतन के साथ काम कर सकते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन भी वैज्ञानिक बी पद की भूमिका में पॉलिमर इंजीनियरिंग स्नातकों की भर्ती करता है। इनके अलावा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीसीपीएल) जैसे संगठन भी पॉलिमर इंजीनियरिंग में बी टेक स्नातकों को नियुक्त करते हैं। इनके अलावा स्नातक डिग्री धारक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, ऑयल इंडिया लेबोरेटरीज, पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग प्लांट्स और ऑयल एंड नेचुरल गैस कमीशन (ओएनजीसी) आदि विभागों में भी रोजगार पा सकते हैं। उम्मीदवार विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों में लेक्चरर पद का विकल्प भी चुन सकते हैं।

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद निजी क्षेत्र के अवसर

जर्मन आधारित कंपनी विंडमोलर एंड होल्शर, अक्सर अपने मैकेनिकल इंजीनियरिंग अनुभाग में संचालन करने के लिए पॉलिमर इंजीनियरों की भर्ती करती है। 7 से 8 साल के कार्य अनुभव वाले लोग एलाइड सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स/बिजनेस डेवलपमेंट सेक्शन में जा सकते हैं। यहाँ आप 35,000/- से रु।50,000/- प्रति माह तक की सैलरी पा सकते हैं। अपोलो टायर्स लिमिटेड, सिएट लिमिटेड आदि जैसी टायर कंपनियों को भी पॉलिमर इंजीनियर्स की जरूरत है। पॉलीमर इंजीनियरिंग में स्नातकों के लिए क्वालिटी इंजीनियर, प्रोडक्शन इंजीनियर्स/ टेक्नोलॉजिस्ट, पॉलीमर स्पेशलिस्ट आदि सामान्य जॉब प्रोफाइल हैं।

प्रतिभावान विद्यार्थियों को तराशती योजना
राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा

नेशनल टेलेंट सर्च यानी राष्ट्रीय प्रतिभा खोज एनसीईआरटी की एक प्रमुख योजना है। इसका उद्देश्य प्रतिभावान विद्यार्थियों का पता लगाना और उनकी प्रतिभा को बढ़ाना है। इसके तहत विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन और विधि जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। यह योजना प्रतिभावान विद्यार्थियों को मासिक स्कॉलरशिप के रूप में आर्थिक मदद दे कर सहयोग देती है। इस योजना में बेसिक साइंस, सामाजिक विज्ञान और वाणिज्य के पाठ्यक्रमों के लिए पीएचडी स्तर तक सहायता प्रदान की जाती है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों जैसे इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन एवं विधि के लिए पीजी स्तर तक सहायता दी जाती है। एनसीईआरटी द्वारा राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन कक्षा 8 स्तर पर किया जाता है।

स्कॉलरशिप

परीक्षा आयोजन के आधार पर कक्षा 8 की परीक्षाओं के लिए बैठे छात्रों के प्रत्येक समूह के लिए 1000 स्कॉलरशिप दी जाती हैं।

स्कॉलरशिप की राशि प्रत्येक माह 500 रुपए होती है। अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए 15 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए 7.5 प्रतिशत और विकलांग छात्रों के लिए 3 प्रतिशत स्कॉलरशिप आरक्षित होती है। स्कॉलरशिप का भुगतान सीधे प्राप्तकर्ता को न देकर संबद्ध संस्थान के प्रमुख के माध्यम से दिया जाता है।

चयन प्रक्रिया

प्रतिभाओं की पहचान दो स्तरीय लिखित परीक्षा के आधार पर की जाती है। प्रथम स्तर का चयन अलग-अलग राज्य/यूनियन टेरेटरीज द्वारा लिखित परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। प्रथम स्तर की परीक्षा में सफल अभ्यर्थी ही एनसीईआरटी द्वारा संचालित द्वितीय स्तर की परीक्षा में भाग लेने के लिए पात्र माने जाते हैं। राज्य और यूनियन टेरेटरीज राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना की प्रथम स्तर की लिखित परीक्षा के साथ राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना की भी परीक्षा आयोजित करते हैं।

पात्रता

मान्यताप्राप्त विद्यालयों के 8वीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थी उस राज्य/यूनियन टेरेटरी द्वारा संचालित प्रथम स्तर की परीक्षा में बैठने के पात्र होते हैं, जिस राज्य में विद्यालय स्थित है।

आवेदन प्रपत्र

आवेदन-प्रपत्र प्राप्त करने के लिये राज्य संपर्क अधिकारी से संपर्क करें। आवेदन-प्रपत्र एनसीईआरटी की वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है। भरे हुए आवेदन प्रपत्र विद्यालय के प्राचार्य द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथि तथा प्रपत्र कहां जमा कराया जायेगा, इस संबंध में संबंधित राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र के संपर्क अधिकारी से पता किया जा सकता है। विभिन्न राज्यों की आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथियां भिन्न हो सकती हैं।

शुल्क

एनसीईआरटी द्वारा द्वितीय स्तर की परीक्षा के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता। राज्य और यूनियन टेरेटरी प्रथम परीक्षा के लिए अपेक्षित शुल्क के भुगतान के लिए अधिसूचना जारी कर सकते हैं। इसलिये आवेदन प्रपत्र जमा करने से पहले कितनी और कैसे फीस दी जायेगी, इसका पता अपने राज्य संपर्क अधिकारी से लगा लेना चाहिए।

परीक्षा माध्यम

परीक्षा हिन्दी व अंग्रेजी के साथ असमी, बंगला, गुजराती, कन्नड़, मराठी, मलयालम, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, उर्दू में संचालित की जाएगी। अभ्यर्थी आवेदन प्रपत्र में जिस भाषा में परीक्षा देना चाहते हैं, उस विकल्प का उल्लेख करें। इसके आधार पर ही अभ्यर्थी को उस भाषा में प्रश्न पुस्तिका उपलब्ध कराई जाएगी।

परीक्षा-विधि

8वीं के लिए लिखित परीक्षा की विधि इस प्रकार है-प्रथम स्तर की राज्य/ यूनियन टेरेटरी स्तर पर संचालित परीक्षा में दो भाग होंगे (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी)। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। द्वितीय स्तर की राष्ट्रीय स्तर पर संचालित परीक्षा में (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी) शामिल होंगे। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। (स) इंटरव्यू - इंटरव्यू के लिए उन्हीं अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया जाएगा, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर संचालित लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

लिखित परीक्षा

लिखित परीक्षा में प्रथम भाग एमएटी और द्वितीय भाग एसएटी शामिल होंगे। दोनों परीक्षाएं एक छोटे से अंतराल पर अलग-अलग ली जाएंगी। मानसिक योग्यता परीक्षा-एमएटी - चार विकल्पों सहित इसमें 90 मल्टीच्वॉइस प्रश्न होंगे, जिनमें से केवल एक सही उत्तर होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। समय 90 मिनट होगा।

स्कॉलरशिप पाने की सामान्य शर्तें

स्कॉलरशिप प्राप्त करने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार अनुमोदित पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हो। वह अच्छा आचरण बनाए रखता हो (संस्थान प्रमुख द्वारा प्रमाणित) और अपना अध्ययन एक नियमित विद्यार्थी के रूप में कर रहा हो। बिना उचित अवकाश के अनुपस्थित न होता हो। पूर्णकालिक आधार पर अध्ययन करता हो। कोई रोजगार नहीं करता हो। राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना पीएचडी कोर्स को छोड़ कर छात्रवृत्ति प्राप्तकत्ताओं को कोई अन्य स्कॉलरशिप स्वीकार करने से वंचित नहीं करती, अलबत्ता किसी भी पाठ्यक्रम के लिए विदेश में अध्ययन के लिए कोई स्कॉलरशिप उपलब्ध नहीं होगी। यदि कोई प्राप्तकर्ता पंजीकरण/प्रवेश के एक माह के अंदर अपने पाठ्यक्रम का अध्ययन छोड़ता है तो उसे कोई स्कॉलरशिप नहीं दी जाएगी।

विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र में हैं अपार संभावनाएं

विजुअल मर्चेंडाइजिंग शब्द भले ही कुछ लोगों के लिए नया हो, लेकिन सेल्स और एडवरटाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोग इससे भली-भांति वाकिफ हैं। विजुअल मर्चेंडाइजिंग वास्तव में एक आर्ट है, जिसमें एक व्यक्ति किसी प्रॉडक्ट या सर्विस को क्लाइंट्स के सामने कुछ इस तरह पेश करता है ताकि वह सेल्स को बढ़ावा दे सके। अब इस कॉन्सेप्ट को रिटेल सेक्टर में एक मार्केटिंग टूल के रूप में उपयोग किया जा रहा है। इस क्षेत्र में वह सभी गतिविधियां शामिल हैं, जो रिटेल स्टोर्स में उत्पादों की बिक्री बढ़ाने में मदद करती हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रॉडक्ट के संभावित ग्राहकों के माइंड को समझना और उपभोक्ताओं को उत्पाद के बारे में शिक्षित करना व प्रॉडक्ट को बेहद इफेक्ट व क्रिएटिव तरीके से पेश करना आदि। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस करियर के बारे में

क्या है विजुअल मर्चेंडाइजिंग

एजुकेशन एक्सपर्ट बताते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोगों को विजुअल मर्चेंडाइजर कहा जाता है। विजुअल मर्चेंडाइजर ऐसे पेशेवर हैं जो किसी भी ब्रांड, एक चेहरे को देने के लिए जिम्मेदार हैं। वे ऑनलाइन शॉपर्स और रिटेल स्टोर दोनों के लिए विंडो और स्टोर डिस्प्ले में अवधारणा, डिजाइन और कार्यान्वयन करते हैं। वे स्टोर थीम की योजना बनाते हैं, डिस्प्ले के लिए प्रॉपर की व्यवस्था करते हैं, डिस्प्ले फिक्स्चर और लाइटिंग की व्यवस्था करते हैं, ओपनिंग से पहले स्टोर सेट करते हैं, फ़्लोर प्लान के साथ काम करते हैं और डिस्प्ले को बनाने के लिए सेल्स फ़्लोर पर स्टोर कर्मियों को प्रशिक्षित करते हैं। एक विजुअल मर्चेंडाइजर का मुख्य उद्देश्य स्टोर की छवि के अनुरूप डिस्प्ले बनाना और अधिक ग्राहकों को स्टोर में लाना है।

शैक्षणिक योग्यता

आजकल ऐसे कई इंस्टीट्यूट हैं जो विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स करवाते हैं। इस कोर्स को करने के लिए छात्र का 12वीं पास होना आवश्यक है। हालांकि अधिकतर जगहों पर विजुअल मर्चेंडाइजिंग को फैशन डिजाइनिंग या फैशन टेक्नोलॉजी कोर्स के तहत पढ़ाया जाता है।

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, विजुअल मर्चेंडाइजिंग के कोर्स में छात्रों को विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया जाता है जैसे कि रिटेल स्टोर का लेआउट और डिजाइन, इंटीरियर डेकोरेशन, स्टोर के अंदर फर्नीचर और फिक्स्चर की स्थापना, स्टोर डिस्प्ले और उत्पादों की प्रस्तुति, विभिन्न संचार साधनों के उपयोग के जरिए ग्राहकों को आकर्षित करना।

व्यक्तिगत गुण

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों में डिजाइनिंग और क्रिएटिविटी के गुण का होना बेहद आवश्यक है। एक विजुअल मर्चेंडाइजर में बेहतरीन आर्गेनाइजिंग स्किल्स होने के साथ-साथ प्लानिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट व टाइम मैनेजमेंट आदि विशेषताएं भी होनी चाहिए। इसके अलावा उनमें संचार व इंटरपर्सनल स्किल्स, समस्या सुलझाने की क्षमता और कंप्यूटर का ज्ञान होना भी जरूरी है। कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजर को उपभोक्ताओं के मनोविज्ञान को जानना आना चाहिए और उसे रूझानों का भी पूर्वानमान लगा लेना चाहिए।

संभावनाएं

शॉपिंग मॉल, फाइव स्टार होटल, बुटीक व रिटेल आउटलेट्स की संख्या बढ़ने के साथ ही विजुअल मर्चेंडाइजर्स की मांग में भी काफी इजाफा हुआ है। विजुअल मर्चेंडाइजर फैशन बुटीक, शॉपिंग मॉल, एम्पोरिया, डिजाइन कंपनी, आर्किटेक्चर फर्म, थीम पार्टी ऑर्गनाइजिंग कंपनी आदि में जॉब कर सकते हैं। वे प्रदर्शनियों, मेलों, ब्यूटी कॉन्टेस्ट, अवार्ड सेरेमनी, मॉल, रिटेल में विंडो डिस्प्ले के लिए अनुबंध के आधार पर फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर भी दस से पंद्रह हजार आसानी से कमा सकता है। वहीं कुछ समय के अनुभव के बाद आप किसी बड़े ब्रांड के रिटेल आउटलिट में काम कर सकते हैं और एक आकर्षक पैकेज पा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
- द सिंथेटिक एंड आर्ट सिल्क मिल्स रिसर्च एसोसिएशन, मुम्बई
- स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन एंड मैनेजमेंट स्टडीज, कोच्चि
- बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा

मारुति सुजूकी का 2 लाख प्रतीक्षा कारों की आपूर्ति पर जोर

- खरखौदा व गुजरात संयंत्रों में 5 लाख यूनिट तक क्षमता बढ़ेगी

नई दिल्ली ।

देश की अग्रणी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी 2 लाख से अधिक कारों की लंबी प्रतीक्षा सूची से निपटने के लिए अपनी उत्पादन क्षमता में तेजी से वृद्धि कर रही है। कंपनी के एक प्रमुख अे धिकारी ने बताया कि अगले कुछ महीनों में यह आपूर्ति पूरी करने का लक्ष्य है, जिसके लिए उत्पादन में बड़े पैमाने पर विस्तार किया जा रहा है, जिसमें छोटी कारों पर विशेष ध्यान रहेगा। मारुति सुजुकी के अे धिकारी ने जानकारी दी कि कंपनी अपनी उत्पादन क्षमता को 2026-27 के अंत तक 5 लाख अतिरिक्त यूनिट्स तक बढ़ाएगी। इसमें हरियाणा के खरखौदा और गुजरात संयंत्रों में प्रत्येक की क्षमता में 2.50 लाख कारों की वृद्धि शामिल होगी। इन कारखानों की असेंबली लाइनें मॉडल बदलने में सक्षम होंगी, जिससे प्रतीक्षा सूची वाली छोटी कारों की बड़ी मांग को पूरा किया जा सकेगा। वर्तमान में, डीलरों के पास केवल एक सप्ताह की जरूरत भर का स्टॉक है, जबकि सामान्य तौर पर यह 30 दिन का होता है। इलेक्ट्रिक वाहनों की योजना के बारे में उन्होंने बताया कि सेल आयात के कारण कुल आयातित पुर्जे 50 फीसदी से अधिक होने के कारण मारुति फिलहाल उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहनयोजना के लाभ के लिए पात्र नहीं है। इस चुनौती से निपटने के लिए, कंपनी देश में बैटरियों को पैकेज करने की योजना बना रही है, जिससे आयातित सामग्री कम होगी और पीएलआई पात्रता मिल सकेगी। कंपनी ने हाल ही में निर्यात के बाद ई-विटारा को घरेलू बाजार में उतारा है। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार के छोटी कारों पर माल एवं सेवा कर कम करने के फैसले से इस सेगमेंट को जबरदस्त बढ़ावा मिला है, और वित्त वर्ष 2026 में कंपनी की कुल बिक्री का 70 फीसदी हिस्सा इन्हीं छोटी कारों का था, जिससे सरकारी राजस्व पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा। अमेरिका-ईरान युद्ध के संभावित प्रभावों पर, उन्होंने कच्चे माल, जैसे स्टील, की कीमतों में वृद्धि और कार निर्माण की लागत में इजाफे की आशंका जताई, जिससे लाभप्रदता पर सावधानीपूर्वक विचार करना होगा, हालांकि उन्होंने मांग में निरंतर वृद्धि की उम्मीद जताई।

एफपीआई की रिकॉर्ड बिकवाली, भारतीय बाजार से 1.68 लाख करोड़ निकाले

- ईरान युद्ध से उपजे तेल संकट ने 1.1 लाख करोड़ के शेयर बेचने पर मजबूर किया

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने 2026 में भारतीय शेयर बाजार से रिकॉर्ड 1.68 लाख करोड़ रुपए की निकासी की है, जो पिछले पूरे साल की कुल बिकवाली से भी अधिक है। ईरान युद्ध के कारण उत्पन्न हुए भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने विदेशी निवेशकों को जोखिम भरी संपत्तियों से दूर कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप अकेले मार्च में 1.1 लाख करोड़ रुपए की बड़ी बिकवाली हुई। यह बिकवाली फरवरी के आशावाद के ठीक उलट है, जब भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौते और अमेरिकी शुल्क में कमी की उम्मीदों पर एफपीआई शुद्ध खरीदार बने थे। हालांकि, अमेरिका-ईरान युद्ध, जिसमें ईरान ने खाड़ी देशों में ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमला किया और होर्मुज स्ट्रेट को अवरुद्ध कर दिया, ने निवेशकों का विश्वास हिला दिया। होर्मुज स्ट्रेट वैश्विक तेल और गैस शिपमेंट का लगभग 20% संभालता है, जिसके चलते ब्रेंट क्रूड की कीमतें 22 फीसदी बढ़कर 90.1 प्रति बैरल हो गई हैं। भारत के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि देश अपनी अधिकांश ऊर्जा जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है। तेल की बढ़ती कीमतें राजकोषीय घाटे को बढ़ाती हैं, महंगाई को बढ़ावा देती हैं और आर्थिक विकास पर नकारात्मक असर डालती हैं। एफपीआई की यह बिकवाली केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि अधिकांश उभरते बाजारों में देखी गई है, हालांकि दक्षिण कोरियाई बाजार को छोड़कर भारत में निकासी अन्य उभरते बाजारों से अधिक रही है।

शेयर बाजार में बढ़त के साथ क्लोजिंग; सेंसेक्स 753 अंक चढ़ा

निफ्टी 24550 के पारनिवेशकों को 3 लाख करोड़ का फायदा

मुंबई।

पश्चिम एशिया में चल रहे भू-राजनीतिक तनाव के बीच मंगलवार को घरेलू शेयर बाजारों ने शानदार वापसी की और एक मजबूत बढ़त के साथ बंद हुए। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे विवाद में कूटनीतिक समाधान की उम्मीदों और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में जोरदार खरीदारी ने बाजार के प्रमुख सूचकांकों को नई ऊर्जा दी। मंगलवार को शेयर बाजार निवेशकों को करीब 3 लाख करोड़ रुपए का फायदा हुआ है। शुरुआती कारोबार में धीमी चाल के बाद बाजार ने तेज रफ्तार पकड़ी। बीएसई सेंसेक्स 753.03 अंकों यानी 0.96 प्रतिशत की दमदार बढ़त के साथ 79,273.33 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 इंडेक्स 211.75 अंक या 0.87 प्रतिशत चढ़कर 24,576.60 पर पहुंच गया। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से ट्रेंट, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक प्रमुख विजेताओं में शामिल थे। अमेरिकी बाजारों में मजबूती और एशियाई बाजारों (निक्केई और कोस्पी) में बढ़त का सीधा असर भारतीय बाजार पर पड़ा। पॉजिटिव ग्लोबल सेंटीमेंट्स ने निवेशकों का उत्साह बढ़ाया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ब्रेंट क्रूड की कीमतों में कमी आई है। भारत तेल का बड़ा आयातक है, इसलिए तेल सस्ता होने से इकोनॉमी और कंपनियों के मार्जिन को फायदा मिलता है। अमेरिका में 10 साल के ट्रेजरी बॉन्ड यील्ड में गिरावट आई है। जब बॉन्ड यील्ड गिरती है,

तो विदेशी निवेशक (एफआईआई) भारतीय जैसे उभरते बाजारों में पैसा लगाना पसंद करते हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे हैवीवेट शेयरों में शुरुआती कारोबार में अच्छी खरीदारी देखी गई, जिससे इंडेक्स ऊपर चढ़ा।

जेएनपीए एसईजेड में वेलस्पन वन और इंडेव इंफ्रा के बीच साझेदारी

मुंबई ।

वेयरहाउसिंग एवं औद्योगिक रियल एस्टेट मंच वेलस्पन वन ने जेएनपीए विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) में इंडेव इंफ्रा को 2.10 लाख वर्ग फुट क्षेत्र का गोदाम पट्टे पर दिया है। यह कदम इंडेव इंफ्रा को अपनी फ्री ट्रेड वेयरहाउसिंग जोन क्षमताओं को बढ़ाने और बंदरगाह से जुड़े लॉजिस्टिक्स संचालन को सुव्यवस्थित करने में मदद करेगा। वेलस्पन वन ने कहा कि यह समझौता इंडेव इंफ्रा की बाजार में उपस्थिति को मजबूत करेगा, जिससे उसे निर्बाध, बंदरगाह से जुड़े आपूर्ति श्रृंखला समाधान प्रदान करने और अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रवाह को समर्थन देने की क्षमता मिलेगी। इंडेव इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड के एक अे धिकारी ने कहा' कि यह साझेदारी व्यापार प्रवाह को अधिक प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने और ग्राहकों को एकीकृत एवं मूल्यवर्धित लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदान करने की हमारी क्षमता को मजबूत करती है।

ईंधन कीमतों में राहत, 21 अप्रैल को भी पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल के वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद भारतीय उपभोक्ताओं को राहत मिली है। सरकारी तेल कंपनियों ने 21 अप्रैल को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया, जिससे आम जनता को राहत है। देश के प्रमुख शहरों में मंगलवार को भी ईंधन की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपये और डीजल 87.67 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल 103.54 रुपये और डीजल 90.03 रुपये पर स्थिर है। कोलकाता में पेट्रोल 105.41 रुपये और डीजल 92.02 रुपये है, जबकि चेन्नई में पेट्रोल 101.23 रुपये और डीजल 92.81 रुपये प्रति लीटर के हिसाब से बिक रहा है। बेंगलुरु में पेट्रोल 102.92 रुपये और डीजल 90.99 रुपये, जबकि गुरुग्राम में पेट्रोल 95.65 रुपये और डीजल 88.10 रुपये प्रति लीटर पर कायम हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, मिडिल ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें पहले तेजी से बढ़ी थीं, जिससे ब्रेंट क्रूड लगभग 95 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 90 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था। हालांकि अब बाजार में स्थिरता लौटने से घरेलू कीमतों पर फिलहाल दबाव नहीं दिख रहा है।

भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत, 2027 तक 6.6 फीसदी वृद्धि का अनुमान संयुक्त राष्ट्र

घरेलू मांग और सेवा क्षेत्र का अहम योगदान; हरित नौकरियों के सृजन में भी भारत की अहम भूमिका

नई दिल्ली ।

संयुक्त राष्ट्र की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था इस वर्ष 6.4 प्रतिशत और 2027 तक 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक आयोग एशिया व प्रशांत (ईएससीएपी) द्वारा जारी इकोनॉमिक एंड सोशल सर्वे ऑफ एशिया एंड द पैसिफिक 2026 शीर्षक वाली रिपोर्ट में भारत की मजबूत घरेलू खपत और सेवा क्षेत्र को इस वृद्धि का मुख्य चालक बताया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण एवं दक्षिण-पश्चिम एशिया की अर्थव्यवस्थाओं में 2025 में 5.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसमें भारत का महत्वपूर्ण योगदान रहा। भारत की वृद्धि दर 2025 में बढ़कर 7.4 प्रतिशत तक पहुंच गई, जिसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था से मजबूत मांग, जीएसटी दरों में कटौती और अमेरिकी शुल्कों से पहले हुए निर्यात से समर्थन मिला। हालांकि, 2025 की दूसरी छमाही में अमेरिकी शुल्कों के कारण निर्यात में गिरावट से कुछ धीमी गति देखी गई, लेकिन सेवा क्षेत्र वृद्धि का प्रमुख चालक बना रहा। देश में मुद्रास्फीति इस वर्ष 4.4 प्रतिशत और 2027 में 4.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। व्यापार तनाव और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद, विकासशील एशिया-प्रशांत क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के प्रवाह में कमी आई है। इस क्षेत्र में 2025 में एफडीआई दो प्रतिशत घटा, जबकि वैश्विक प्रवाह में 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इसके

बावजूद, भारत 50 अरब डॉलर के निवेश के साथ नए एफडीआई को सबसे अधिक आकर्षित करने वाले देशों में से एक रहा। रिपोर्ट में हरित नौकरियों के सृजन में भारत की भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया है। वैश्विक स्तर पर सृजित 1.66 करोड़ हरित नौकरियों में से 13 लाख भारत में थीं, जो कुल का 8 प्रतिशत है। भारत की उत्पादन संबंधी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का उल्लेख करते हुए रिपोर्ट में कहा गया कि यह हरित औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने और फोटोवोल्टिक, बैटरी व हरित हाइड्रोजन के घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन देने में प्रभावी साबित हुई है।

विदेशी शेयरधारकों से भारतीय वित्तीय संस्थानों की साख मजबूत होगी फिच

- विकसित बाजारों का अनुभव रखने वाले अधिग्रहणकर्ता जोखिम नियंत्रण और निगरानी में ला सकते हैं धार

नई दिल्ली (ईएमएस)। फिच रेटिंग्स ने मंगलवार को कहा कि भारतीय वित्तीय संस्थानों में विदेशी शेयरधारकों की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी उनके ऋण खंड (क्रेडिट प्रोफाइल) के लिए सकारात्मक साबित हो सकती है। रेटिंग एजेंसी के अनुसार यह दीर्घकालिक पूंजी उपलब्धता, वित्तपोषण लचीलेपन और कुछ मामलों में कामकाज के मानकों में सुधार के माध्यम से संस्थानों की साख को मजबूत करेगा। फिच ने बताया कि हाल के समय में विदेशी निवेशकों की बढ़ती रुचि भारत की दीर्घकालिक विकास संभावनाओं, वित्तीय क्षेत्र के नियमन तथा बेहतर जोखिम प्रबंधन ढांचे में उनके बढ़ते भरोसे को दर्शाती है। एजेंसी का मानना है कि निवेशक ऐसे मंच की तलाश में हैं जिनमें विस्तार योग्य वितरण क्षमता और स्थानीय विशेषज्ञता हो। विकसित बाजारों का अनुभव रखने वाले अधिग्रहणकर्ता जोखिम नियंत्रण और निगरानी में सुधार ला सकते हैं, जबकि प्रतिष्ठित रणनीतिक शेयरधारक पूंजी की लागत कम करने में सहायक होते हैं। लेकिन, रेटिंग एजेंसी ने इस बात पर जोर दिया कि केवल विदेशी रुचि को मजबूत ऋण आधार का विश्वसनीय संकेत नहीं माना जा सकता। फिच के अनुसार, वे लेनदेन जो आंतरिक नियंत्रण, जोखिम प्रबंधन और नेतृत्व की जवाबदेही को मजबूत करते हैं, केवल वित्तीय लाभ के लिए किए गए सौदों की तुलना में अधिक ऋण-संबंधी महत्व रखते हैं। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि निवेश वित्तीय संस्थानों की

मूलभूत मजबूती को बढ़ाए। च का मानना है कि बैंकों की तुलना में गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थाओं (एनबीएफआई) में विदेशी शेयरधारकों के नियंत्रण हासिल करने की संभावना अधिक है, क्योंकि नियमों के तहत एनबीएफआई में पूर्ण विदेशी स्वामित्व की अनुमति है।

एनसीएलएटी ने इंटेल पर 27 करोड़ के जुर्माने पर लगाई रोक

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी इंटेल कॉरपोरेशन को बड़ी राहत देते हुए भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) द्वारा लगाए गए 27.38 करोड़ रुपये के जुर्माने पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है। न्यायाधिकरण की दो-सदस्यीय पीठ ने यह राहत इसलिए दी, क्योंकि इंटेल पहले ही जुर्माने की 25 प्रतिशत राशि जमा कर चुकी है। इसके साथ ही सीसीआई को निर्देश दिया गया है कि वह आदेश के क्रियान्वयन के लिए कोई कठोर कदम न उठाए। इंटेल ने सीसीआई के फरवरी के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें भारत-विशिष्ट वारंटी नीति के माध्यम से प्रतिस्पर्धा-विरोधी आचरण का आरोप लगाते हुए जुर्माना लगाया गया था। सुनवाई के दौरान इंटेल ने बताया कि उसने 1 अप्रैल, 2024 से अपनी भारत-विशिष्ट वारंटी नीति वापस ले ली है और इसे सार्वजनिक भी कर दिया है। मामले की अगली सुनवाई 24 अप्रैल को निर्धारित की गई है।

डॉलर की मज़बूती से सोना फिसला, चांदी भी हुई सस्ती

- सोना 153,736 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 250,925 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर मंगलवार के कारोबार में सोने की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। डॉलर की मजबूती और निवेशकों द्वारा की गई मुनाफावसूली के चलते सोने के दाम गिरे हैं। वहीं अमेरिका और ईरान के बीच संभावित बातचीत को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण कच्चे तेल की ऊँची कीमतें भी सोने पर दबाव डाल रही हैं। चांदी की कीमतों में भी नरमी देखी गई। सुबह 10:30 बजे के आसपास एमसीएक्स पर सोने का जून वायदा 207 रुपए गिरकर 153,736 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी का मई वायदा भी 1,620 रुपए की कमजोरी के साथ 250,925 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर था।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार बढ़ते अमेरिकी डॉलर और कच्चे तेल की ऊँची कीमतें सोने-चांदी को अस्थिर बनाए हुए हैं। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल का व्यापार डॉलर में होने से, इसकी बढ़ती कीमतें डॉलर की मांग बढ़ाती हैं, जिससे सोने पर दबाव आता है। ब्रेंट क्रूड लगभग 95 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना हुआ है, जो बाज़ार की चिंताओं को बढ़ा

रहा है। फरवरी के अंत में अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने के बाद से सोने में लगभग 9 फीसदी और चांदी में 14 फीसदी की गिरावट आई है, क्योंकि डॉलर एक सुरक्षित निवेश के रूप में उभरा है।

रुपया शुरुआती कारोबार 16 पैसे टूटकर 93.32 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया सोमवार को डॉलर के मुकाबले 93.16 पर बंद हुआ था

मुंबई ।

रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 16 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.32 पर आ गया। बाजार के जानकारों का कहना है कि अमेरिकी डॉलर के स्थिर रुख और केंद्रीय बैंक के भारतीय मुद्रा पर सट्टेबाजी पर लगे प्रतिबंधों में ढील देने से रुपये पर दबाव बढ़ा। भारतीय रिजर्व बैंक ने रुपये में अत्यधिक सट्टेबाजी पर अंकुश लगाने के लिए एक अप्रैल को जारी किए गए निर्देशों को आंशिक रूप से सोमवार को वापस ले लिया।

बैंकिंग नियामक ने गैर-वितरणीय 'फॉरवर्ड' बाजारों में शुद्ध खुली स्थिति की सीमा 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर तय की थी और बैंकों को 10 अप्रैल तक इसका पालन करने का आदेश दिया था। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.25 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में 93.32 के स्तर तक गिरने के बाद 93.32

पर कारोबार करने लगा जो पिछले बंद भाव से 16 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया सोमवार को 25 पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.16 पर बंद हुआ था। इससे पहले के दो सत्र में रुपये में 47 पैसे की मजबूती आई थी। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.4 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 97.94 पर रहा।

पीपीएफ में निवेश कर सुरक्षित बचत के साथ पाएं शानदार रिटर्न और टैक्स छूट!

- 70,000 सालाना निवेश, मैच्योरिटी पर मिलेगा लगभग 18.98 लाख का बड़ा फंड

नई दिल्ली । वित्तीय सुरक्षा और बेहतर भविष्य के लिए निवेश करना हर व्यक्ति की प्राथमिकता होती है। ऐसे में पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) एक ऐसी सरकारी योजना है जो न केवल आपके पैसे को सुरक्षित रखती है, बल्कि लंबी अवधि में इसे कई गुना बढ़ाने का शानदार अवसर भी प्रदान करती है। साथ ही, यह टैक्स बचाने का भी एक प्रभावी माध्यम है, जिससे निवेशक दोहरे लाभ प्राप्त कर सकते हैं। पीपीएफ भारत सरकार द्वारा समर्थित एक लॉन्ग टर्म सेविंग स्कीम है, जिसमें जोखिम लगभग न के बराबर होता है। यह योजना उन लोगों के लिए बेहतरीन विकल्प है जो अपनी पूंजी को सुरक्षित रखते हुए एक अच्छा फंड तैयार करना चाहते हैं। इसमें आप सालाना न्यूनतम 500 से लेकर अधिकतम 1.5 लाख रुपए तक का निवेश कर सकते हैं, जिसे एकमुश्त या छोटे-छोटे मासिक/वार्षिक किस्तों में जमा किया जा सकता है। वर्तमान में इस योजना पर लगभग 7.1 फीसदी वार्षिक ब्याज दर मिल रही है, हालांकि यह दर सरकार द्वारा समय-समय पर संशोधित की जाती है। इस योजना की मैच्योरिटी अवधि 15 साल होती है। अगर कोई निवेशक हर साल लगातार 70,000 रुपए जमा करता है, तो 15 साल में उसका कुल निवेश 10.5 लाख रुपए होगा। 7.1 फीसदी की वर्तमान अनुमानित ब्याज दर के हिसाब से, उसे लगभग 8,48,498 रुपए का ब्याज मिलेगा। इस प्रकार, मैच्योरिटी पर कुल राशि लगभग 18,98,498 रुपए होगी, जो आपके मूल निवेश का दोगुने से भी ज्यादा है। पीपीएफ को टैक्स सेविंग के लिए भी एक बेहतरीन विकल्प माना जाता है। इसमें इनकम टैक्स एक्ट की धारा 80 सी के तहत निवेश पर टैक्स छूट मिलती है। इसके अलावा, इस योजना में मिलने वाला ब्याज और मैच्योरिटी अमाउंट, दोनों ही पूरी तरह से टैक्स फ्री होते हैं। आप अपना पीपीएफ अकाउंट किसी भी बैंक या पोस्ट ऑफिस में आसानी से खोल सकते हैं। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि एक व्यक्ति के नाम पर केवल एक ही पीपीएफ अकाउंट खोला जा सकता है। अन्य सुविधाओं में 3 से 6 साल के बीच लोन लेने की सुविधा, 7वें साल के बाद आंशिक निकासी का विकल्प और मैच्योरिटी के बाद इसे 5-5 साल के ब्लॉक में आगे बढ़ाने का प्रावधान शामिल है। निवेश करते समय इस बात का ध्यान रखें कि महीने की 5 तारीख से पहले पैसा जमा करने पर आप पूरे महीने का ब्याज पा सकते हैं।

वेदांता का कारोबार विभाजन एक मई से होगा प्रभावी

एल्यूमीनियम, बिजली, तेल-गैस और लौह अयस्क इकाइयां होंगी अलग सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।

खनन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेदांता लिमिटेड ने अपने प्रमुख व्यवसायों के बहु-प्रतीक्षित डीमर्जर (विभाजन) की प्रभावी तिथि की घोषणा कर दी है। कंपनी के निदेशक मंडल ने हाल ही में हुई अपनी बैठक में यह निर्णय लिया कि एल्यूमीनियम, बिजली, तेल एवं गैस और लौह अयस्क इकाइयों को अलग-अलग सूचीबद्ध कंपनियों में विभाजित करने की योजना 1 मई, 2026 से प्रभावी होगी। इस पुनर्गठन का उद्देश्य कंपनी की कॉर्पोरेट संरचना को सरल बनाना और संचालन पर ध्यान केंद्रित करना है। इस डीमर्जर योजना के तहत, वेदांता चार अलग-अलग कंपनियों - वेदांता एल्युमिनियम मेटल लिमिटेड (वीएएमएल), तलवंडी साबो पावर लिमिटेड, वेदांता ऑयल एंड गैस लिमिटेड और वेदांता आयरन एंड स्टील लिमिटेड को अलग से सूचीबद्ध करेगी। तलवंडी साबो पावर लिमिटेड का नाम बदलकर वेदांता पावर और माल्को एनर्जी लिमिटेड का नाम बदलकर वेदांता ऑयल एंड गैस किया जाएगा। वेदांता एल्युमिनियम मेटल लिमिटेड को भारत एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड (बाल्को) में अपनी

शेयरधारिता भी हस्तांतरित करेगी। कंपनी ने बताया कि डीमर्जर के बाद, वेदांता के मौजूदा शेयरधारकों को प्रत्येक नई सूचीबद्ध कंपनी में 1:1 के अनुपात में इक्विटी शेयर प्राप्त होंगे। पात्र शेयरधारकों के निर्धारण के लिए 1 मई, 2026 को रिकॉर्ड तिथि निर्धारित की गई है। वेदांता के अनुसार, यह कदम क्षेत्र-केंद्रित स्वतंत्र कंपनियों का निर्माण करेगा, जिससे संप्रभु संपत्ति कोष, खुदरा और रणनीतिक निवेशकों सहित वैश्विक निवेशकों को वेदांता की विश्व स्तरीय संपत्तियों में प्रत्यक्ष निवेश के अवसर मिलेंगे। इससे विभिन्न व्यवसायों के सुगम संचालन में भी मदद मिलेगी। हालांकि, यह डीमर्जर प्रक्रिया कई बार स्थगित हो चुकी है। पहले 31 मार्च, 2025, फिर 30 सितंबर, 2025 और बाद में 31 मार्च, 2026 की समय सीमा तय की गई थी। अब इसे 30 जून तक बढ़ाया गया है, क्योंकि कुछ सरकारी प्राधिकरणों से मंजूरी अभी भी लंबित है।

ललित मोदी ने दी बीसीसीआई को नसीहत, अपने खिलाड़ियों का सम्मान करें

लंदन (एजेंसी)। आईपीएल के पहले कमिश्नर रहे ललित मोदी ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को नसीहत देते हुए कहा है कि उसे अपने खिलाड़ियों का सम्मान करना चाहिये। ललित मोदी ने कहा है कि इन खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन के कारण ही बीसीसीआई को मोटा लाभ होता है। मोदी का कहना है कि बीसीसीआई को उन खिलाड़ियों का सम्मान करना चाहिए, जिन्होंने उसके लिए खजाना भरा है। ललित मोदी ने ये बात इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जेम्स एंडरसन की वीडियो देखकर किया है। उनका कहना है कि भारत में बहुत ही कम ऐसे क्रिकेटर हैं जिनकी विदाई सम्मान के साथ हुई हैं केवल सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ ही दो दिग्गज हैं, जिन्होंने सम्मान के साथ विदायी दी गयी है। वहीं सौरव गांगुली, वीवीएस लक्ष्मण, वीरेंद्र सहवाग जैसे कई खिलाड़ी हैं, जिन्हें विदायी मैच नहीं मिला। हाल ही में विराट कोहली और रोहित शर्मा ने भी सोशल मीडिया पर टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। इन दोनो को भी कोई विदायी मैच नहीं मिला।

मोदी ने एंडरसन के आखिरी टेस्ट का वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में एंडरसन लॉर्ड्स के मैदान पर बीयर का गिलास लेकर बालकनी में प्रशंसकों के सामने आते हैं। प्रशंसकों का धन्यवाद अदा करते हैं और उन्हीं के सामने बीयर का गिलास खत्म करते हैं। इससे पहले ललित मोदी ने तो दावा किया है कि आईपीएल टीमों के कुछ मालिकों ने 2011 में काले जादू तक का इस्तेमाल किया था, जिसका उनके पास पुख्ता सबूत है। इतना ही नहीं, उन्होंने दावा किया है कि वह किसी फिल्म या टीवी सीरीज के जरिए इससे जुड़ी हर चीज का खुलासा करना चाहते हैं।

ऑरेंज कैप की रेस में नंबर एक पर पहुंचने से चूके शुभमन, तिलक ने लगायी छलांग

अहमदाबाद । आईपीएल में गुजरात टाइटंस और मुम्बई इंडियंस के बीच हुए मुकाबले में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल को खासा नुकसान हुआ है। इस मैच में टीम के हार के साथ ही शुभमन के बल्लेबाजी में असफल रहने से उनका ऑरेंज कैप की रेस में शीर्ष पर आने का प्रयास भी असफल रहा। वहीं मुंबई इंडियंस की ओर से शतक लगाने वाले तिलक वर्मा ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष 35 खिलाड़ियों की सूची में शामिल होने में सफल रहे हैं। इस मैच में शुभमन केवल 14 रन ही बना पाए। इससे आईपीएल सत्र के 5 मैचों में उनके कुल 265 रन हो गए हैं। शुभमन अब ऑरेंज कैप की रेस में दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के आक्राम बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 283 रनों के साथ ही पहले नंबर पर बरकारार हैं।

वहीं मुम्बई के तिलक गुजरात के खिलाफ नाबाद 101 रनों की पारी के साथ ही सीधे 33वें स्थान पर पहुंच गये हैं है। तिलक के अब 6 मैचों में कुल 144 रन हो गये हैं। वहीं तीसरे पायदान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली हैं, जिन्होंने कुल 247 रन बनाए हैं। राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी 246 रनों के साथ चौथे और आरसीबी के रजत पाटीदार 230 रनों के साथ पांचवें स्थान पर काबिज हैं।

शेफाली वर्मा टी20आई रैंकिंग में छठे पायदान पर पहुंची, स्मृति मंधाना को लगा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में अर्धशतक की बदौलत आईसीसी की नई महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में दो स्थान के फायदे से छठे पायदान पर पहुंच गईं।

शेफाली ने रविवार को डरबन में खेले गए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में 38 गेंद पर 57 रन बनाए थे लेकिन भारत मेजबान टीम से आठ विकेट से हार गया जिससे श्रृंखला में वह 0-2 से पिछड़ गया। भारत को इसी मैदान पर खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में भी छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था जिसमें शेफाली ने 34 रन का योगदान दिया था। भारत की उप कप्तान और शेफाली की सलामी जोड़ीदार स्मृति मंधाना अब तक खेले गए दोनों मैच में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद एक स्थान नीचे चौथे स्थान पर खिसक गई हैं। उन्होंने इन मुकाबलों में 13 और 12 रन बनाए। तीसरे स्थान पर अब वेस्टइंडीज की हेले मैथ्यूज हैं।

भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर दो स्थान ऊपर चढ़कर अब शीर्ष 10 में शामिल होने के करीब हैं। वह फिलहाल 11वें स्थान पर हैं। उन्होंने पहले टी20 में नाबाद 47 रन बनाए थे। महिला विश्व कप की स्टार खिलाड़ी जेमिमा रोड्रिग्स को चार स्थान का नुकसान हुआ है। खराब फॉर्म के चलते वह अब बल्लेबाजों की सूची में 14वें स्थान पर खिसक गई हैं। यह श्रृंखला दोनों टीम के लिए आगामी टी20 विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है जो जून में इंग्लैंड और वेल्स में शुरू होने वाला है।

दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट ने भारत के खिलाफ दूसरे मैच में शानदार अर्धशतक लगाने के बाद बल्लेबाजों की सूची में अपना पांचवां स्थान बरकरार रखा है। ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल शीर्ष पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की अन्य खिलाड़ियों में एनेरी डर्कसेन (18 स्थान के फायदे से 33वें स्थान पर) और सुने लुस (आठ स्थान के फायदे से 35वें स्थान पर) ने भी रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई है।

भारत की प्रमुख गेंदबाज दीप्ति शर्मा, रेणुका सिंह ठाकुर और अरुंधति रेड्डी गेंदबाजों की रैंकिंग में नीचे खिसक गई हैं। दीप्ति दो स्थान नीचे पांचवें जबकि रेणुका चार स्थान नीचे नौवें स्थान पर हैं। अरुंधति भी तीन स्थान के नुकसान से 12वें स्थान पर खिसक गई हैं और शीर्ष 10 गेंदबाजों की सूची से बाहर हो गई हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में सीनियर खिलाड़ियों को आराम दे सकती है बीसीसीआई

–घरेलू क्रिकेट खेल रहे युवाओं को मिलेगा अवसर

मुम्बई (एजेंसी)। अफगानिस्तान के खिलाफ 6 जून से होने एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई आईपीएल खेल रहे अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दे सकती है। विशेषकर उन टीमों के खिलाड़ियों को आराम दिया जाएगा जिनकी टीम प्लेऑफ में पहुंचेंगी। ऐसे में इनकी जगह पर घरेलू क्रिकेट खेल रहे युवा खिलाड़ियों को अवसर मिल सकता है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार चयन समिति इस बात पर नजर रखे हुए है कि कौन-से खिलाड़ी आईपीएल में कितने मैच खेल रहे हैं और उनकी टीम प्लेऑफ तक पहुंचती है या नहीं। रिपोर्ट के अनुसार, चयनकर्ता खिलाड़ियों की फिटनेस और काम के बोझ को ध्यान में रखते हुए टीम का चयन करेंगे। खासकर शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया जाना तय है। अगर उनकी आईपीएल टीम जैसे गुजरात टाइटंस या मुंबई इंडियंस प्लेऑफ में पहुंचती हैं, तो इन खिलाड़ियों का टेस्ट खेलना कठिन हो सकता है।

ये टेस्ट मैच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) से नहीं जुड़ा है। ऐसे में टीम प्रबंधन किसी प्रकार का जोखिम नहीं चाहता। जहां बुमराह को आराम दिया जान तय है। वहीं कप्तान शुभमन स्वयं इस मैच से बाहर हो सकते हैं। ऐसे में कई युवा घरेलू खिलाड़ियों को अवसर मिल सकता है। इसके तहत ही गुरनूर बराड़, मानव सुथार, आकिब नबी, नितीश कुमार रेड्डी और हर्ष दुबे जैसे खिलाड़ियों को टेस्ट डेब्यू का अवसर

मिल सकता है। अफगानिस्तान के खिलाफ ये टेस्ट मैच आईपीएल के बाद खेला जाएगा। इसके बाद टीम अगानिस्तान के खिलाफ 3 एकदिवसीय के अलावा आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ सीमिति ओवरों की सीरीज खेलेगी। इसके अलावा भारतीय टीम को जिम्बाब्वे का दौरा भी करना है। इसी को देखते हुए बीसीसीआई सभी खिलाड़ियों को रोटेशन के तहत आराम देना चाहता है।

टी20 विश्व कप मैच फिक्सिंग के तार लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े !

ओटावा (एजेंसी)। टी20 विश्वकप 2026 में न्यूजीलैंड ओर कनाडा मुकाबले को लेकर फिक्सिंग के आरोपों के बाद अब कहा जा रहा है कि इस मामले के तार लॉरेंस बिश्नोई गैंग से भी जुड़े हो सकते हैं। ये कहा जा रहा है कि मैच फिक्सिंग को लेकर संदेह के घेरे में आये कनाडाई टीम के कप्तान दिलप्रीत बाजवा पर लॉरेंज बिश्नोई गैंग का दबाव भी हो सकता है। इससे कनाडाई क्रिकेट धमकियों, चयन में दबाव से लेकर मैच फिक्सिंग के आरोपों से घिर गया है। ऐसे में लॉरेंस बिश्नोई गैंग की जांच भी चल रही है। कनाडा के पब्लिक ब्रॉडकास्टर, कैनेडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (सीबीसी) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि बाजवा के जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नेटवर्क से संबंध हो सकते हैं। या उनपर बिश्नोई ग्रुप की ओर से मैच फिक्स करने के लिए दबाव डाला गया होगा।

सीबीबसी की रिपोर्ट के अनुसार, पिछली जुलाई (2025) में, एक बड़े प्रोविंशियल टूर्नामेंट में जीत के बाद करीब 25 क्रिकेटर ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक रेस्टोरेंट में इकट्ठा हुए। इस टूर्नामेंट के दो खिलाड़ी अंदर एक टेबल पर गए, जहाँ कनाडा की टीम का एक स्टार दूसरे ग्रुप के साथ डिनर कर रहा था। सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने दावा किया कि वे बिश्नोई गैंग के हैं। साथ ही कहा कि अगर वह दिलप्रीत बाजवा नाम की तरक्की का सहयोग नहीं करते हैं तो इसके परिणाम भुगतने होंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, जिस मैच पर संदेह है, वह कनाडा का न्यूजीलैंड के खिलाफ ग्रुप स्तर का मैच है। इस मैच में कनाडा के कप्तान दिलप्रीत ने पांचवां ओवर किया जिसमें 15 रन बने और मैच का परिणाम बदल गया। इस ओवर के अलावा

आईसीसी कनाडा के पूर्व कोच खुर्रम चौहान से जुड़े एक रिकॉर्डेड टेलीफोन कॉल की भी जांच कर रहा है। चौहान का आरोप है कि क्रिकेट कनाडा के सीनियर बोर्ड के सदस्यों ने उन पर नेशनल टीम के लिए कुछ खास खिलाड़ियों को चुनने का दबाव डाला था।

कोनोली ने बताया पंजाब किंग्स की सफलत का राज

मुल्लांपुर । आईपीएल के इस सत्र में शानदार प्रदर्शन कर रहे पंजाब पंजाब किंग्स के युवा बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया के कूपर कोनोली ने कहा है कि टीम के अंदर काफी अच्छा माहौल है और सभी एकदूसरे की सहायता कर रहे हैं उसी कारण टीम जीत रही है। साथ ही कहा कि सभी को एकदूसरे के मजबूत पक्ष से सीखने को मिला रहा है। कोनोली ने कहा, हम सभी इस बात पर विचार करते हैं कि एक-दूसरे के लिए क्या फायदेमंद है। हम एक-दूसरे से छोटी-छोटी बातें सीखते हैं। हमें एक-दूसरे से छोटी-छोटी चीजें सीखने से लाभ भी हुआ है। उन्होंने कहा, हम सभी बेहतर होने का प्रयास कर रहे हैं। खेल का भी लक्ष्य होता है कि एक सर्वश्रेष्ठ टीम बनायी जाये। हम एक टीम के रूप में एक-दूसरे से सीख कर अपनी कमियों को दूर कर रहे हैं। कोनोली ने कहा कि टीम की सफलता में कप्तान श्रेयस अय्यर की भी अहम भूमिका है। श्रेयस काफी अच्छी कप्तानी कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में टीम लगातार आगे बढ़ रही है। पंजाब इस सत्र में अब अब अपने 6 में एक भी मैच नहीं हारी है। वह पांच मैच जीती है जबकि एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया। टीम अंक तालिक में अभी नंबर एक पर है। कोनोली ले कहा, श्रेयस स्वयं आगे रहकर टीम को प्रेरित करते हैं। वह हमेशा यह प्रयास करते हैं कि टीम के सभी खिलाड़ी सहज महसूस करें। वह खिलाड़ियों को हमेशा बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि सभी खिलाड़ी उत्साहित होकर अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ पर है दबाव : अश्विन

मुम्बई । पूर्व भारतीय क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के खराब प्रदर्शन को लेकर कहा है कि गायकवाड़ इस समय काफी दबाव में हैं, जिसके चलते वे न तो सही निर्णय ले पा रहे हैं और न ही अपनी बल्लेबाजी में प्रभाव छोड़ पा रहे हैं। इसी कारण सीएसके की हालत भी खराब है और अंकतालिका में काफी नीचे है। इस सत्र में ऋतुराज अब तक खेली गई छह पारियों में केवल 82 रन बना पाये हैं, जिसमें उनका औसत सिर्फ 13.67 रहा है। यह आंकड़ा एक कप्तान और प्रमुख बल्लेबाज के लिए निराशाजनक है और टीम प्रबंधन के साथ-साथ प्रशंसकों के लिए भी चिंता का विषय बन गया है। हाल ही में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए मुकाबले में भी गायकवाड़ बड़ी पारी खेलने में विफल रहे। इस मैच में गायकवाड़ ने 13 गेंदों पर सिर्फ 19 रन बनाए। हालांकि युवा बल्लेबाज आयुष ने पावरप्ले में टीम को अच्छी शुरुआत दी थी, लेकिन उनके आउट होने के बाद मध्यक्रम दबाव में आ गया, जिसका असर गायकवाड़ की बल्लेबाजी पर भी साफ दिखा और रन गति धीमी पड़ गई। इससे अंत में टीम के हाथ से मैच निकल गया। अश्विन ने गायकवाड़ की खराब फॉर्म की असली वजह बताते हुए कहा, इस मैच में उनके लिए रन बनाने का सबसे अच्छा अवसर था। उन्हें ज्यादा जोखिम लेने की जरूरत नहीं थी क्योंकि टीम पहले ही अच्छी शुरुआत कर चुकी थी। वह समय लेकर अपनी पारी को संभाल सकते थे पर ऐसा नहीं कर पाये। उन्होंने आगे कहा, मुझे ऐसा लगता है कि वह काफी दबाव में हैं और उनका दिमाग सही फैसले नहीं ले पा रहा है। गायकवाड़ से ही टीम को उनसे सबसे ज्यादा उम्मीदें हैं और उनके असफल होने से अन्य खिलाड़ियों पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है। सीएसके ने सीजन की शुरुआत तीन लगातार हार के साथ की थी, हालांकि बाद में दो मैच जीतकर वापसी की, लेकिन सनराइजर्स के खिलाफ मिली हार ने एक बार फिर टीम का मनोबल गिरा दिया है। अश्विन के अनुसार टीम की कमान संभालने का बोझ और व्यक्तिगत प्रदर्शन में गिरावट से भी गायकवाड़ के खेल पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के मार्गदर्शन की कमी भी उन्हें महसूस हो रही है। इससे उनकी उनकी मानसिक स्थिति प्रभावित हुई है। अब सीएसके का अगला मुकाबला 23 अप्रैल को मजबूत मुंबई इंडियंस के खिलाफ है। इसमें कप्तान को पूरी ताकत से उतरना होगा। प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए टीम के लिए इस मैच में जीत जरुरी है। ऐसे में गायकवाड़ को बड़ी पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलानी होगी। जिससे की उसका अभियान पटरी पर आ सके।

शुभमन ने हार के लिए गेंदबाजों को जिम्मेदार बताया, बीच के ओवरों में जरुरत से ज्यादा रन दिये

अहमदाबाद । गुजरात टाइटंस की टीम को यहां मुंबई इंडियंस के खिलाफ हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस हार से निराश टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने इसके लिए गेंदबाजों का जिम्मेदार बताया। शुभमन ने कहा कि हमने काफी ज्यादा रन दे दिये थे। बीच के ओवरों में हमें अच्छी गेंदबाजी करनी चाहिये थी पर उसमें हम विफल रहे। हमारे गेंदबाज विरोधी टीम पर अंकुश नहीं लगा पाये। इस मैच में टीम की बल्लेबाजी भी खराब रही और वह लक्ष्य का पीछा करते हुए केवल 100 रन ही बना पायी। गुजरात की ओर से कगिसो रबाडा ने पावरप्ले में 3 विकेट लिए, पर तिलक वर्मा के शतक से मुंबई ने 199 रनों का अच्छा खासा स्कोर बना लिया। मैच के बाद गिल ने कहा कि हमारी टीम मुम्बई के बल्लेबाजों को रोक नहीं पायी। पिच थोड़ी धीमी थी जिस पर हमने काफी रन लुटा दिये पर इसके बाद भी हमें इस मैच से काफी कुछ सीखने को मिला है। साथ ही कहा कि यह हार टीम के लिए एक सबक है। सभी को समझना होगा कि एक गलती उन्हें पीछे कर सकती है

विशेषकर जब वे घरेल मैदान की जगह पर अन्य स्थलों पर उतरेंगे तब उन्हें सावधान रहना होगा। उन्होंने कहा, 'अब हमारे पास बाहर के कुछ मैच हैं, उम्मीद है कि हम फिर से जीत की राह पर लौटेंग। मुझे लगता है कि विकेट थोड़ा धीमा था। हम सही क्षेत्र में गेंदबाजी नहीं कर पाए। हमें मध्य के ओवरों में लगातार उसी लेंथ पर गेंदबाजी करनी चाहिए थी, जो हम नहीं कर पाए।' वहीं टीम बल्लेबाजी में भी असफल रही जबकि दूसरी पारी में ओस के कारण बल्लेबाजी थोड़ी आसान हो गई थी। इस मैच में मुंबई इंडियंस ने गुजरात को 99 रन से हराया. पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई ने पांच विकेट पर 199 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 200 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात टीम 100 रन ही बना पायी। इस मैच में जीत के साथ ही मुम्बई की पिछले चार मैचों से हार का सिलसिला जरुर थम गया है।

बुमराह को लंबे इंतजार के बाद मिला सत्र का पहला विकेट, प्रशंसक भी उत्साहित हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में मुम्बई इंडियंस के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आंखिरकार विकेट मिल ही गया। बुमराह को ये विकेट लंबे इंतजार के बाद मिला है। इस सत्र का ये उनका पहला विकेट है। बुमराह ने पहले ही ओवर में गुजरात के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन का विकेट लिया। बुमराह को आईपीएल में 325 दिनों के बाद ये विकेट मिला है। उनके इस विकेट पर प्रशंसक भी उत्साहित दिखे। इससे पहले उन्होंने आईपीएल में अपना अंतिम विकेट 2025 क्वालीफायर के दौरान लिया था। बुमराह के इस विकेट से टीम को शुरुआती

सफलता मिली और विरोधी टीम पर दबाव बनाने में मदद मिली। यह सिर्फ एक विकेट नहीं था, बल्कि लगभग एक साल के इंतजार के बाद आईपीएल में उनकी वापसी का संकेत था, जो प्रशंसकों के लिए किसी त्योहार से कम नहीं था।

बुमराह ने आईपीएल में अपना अंतिम विकेट 2023 के क्वालीफायर मुकाबले के दौरान लिया था। उसके बाद चोट के कारण उन्हें काफी समय तक क्रिकेट से दूर रहना पड़ा। इस लंबे ब्रेक और फिर मैदान पर जोरदार वापसी ने उनके हर प्रदर्शन को और भी महत्वपूर्ण बना दिया है। यही कारण है कि उनके इस पहले विकेट पर फैंस का उत्साह चरम पर था

इस विकेट की एक और दिलचस्प बात यह है कि इसका मूल्य लगभग 26 लाख रुपये आंका गया है। यह कोई वेतन या नीलामी राशि नहीं है, बल्कि एक विशेष डेटा-आधारित मूल्यांकन है। क्रिकेट विश्लेषकों और डेटा वैज्ञानिकों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले बॉल-लेवल डेटा के अनुसार, सुदर्शन जैसे शीर्ष और प्रभावशाली बल्लेबाज का विकेट लेना, खासकर पारी की शुरुआत में, खेल के परिणामों पर बड़ा प्रभाव डालता है। डिलीवरी का बॉलर-बॉल इम्पैक्ट स्कोर 15.449 रहा, जिसे मौजूदा मैच कन्वर्जन रेट से गुणा करने पर लगभग 25.60 लाख रुपये का मौद्रिक मूल्य प्राप्त होता है।

जोकोविच बोले, विराट हैं मेरे अच्छे दोस्त, उनके कारण क्रिकेट को फॉलो कर रहा

–भारत आने की भी इच्छा जतायी

मैड्रिड (एजेंसी)। सर्बियाइ टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने कहा है कि वह विराट कोहली के बड़े प्रशंसक हैं और उन्हीं के कारण क्रिकेट को फॉलो करते हैं। जोकोविच के अनुसार सर्बिया में लोग क्रिकेट के बारे में अधिक नहीं जानते पर विराट से मेरी काफी अच्छी दोस्ती है। विराट कोहली भी समय-समय पर जोकोविच के मैचों को देखने पहुंचते हैं। जोकोविच ने कहा कि जब भी वह कभी भारत जाएंगे तो कोहली उनके साथ जरूर रहेंगे। जोकोविच ने जल्द ही भारत आने की भी बात कही। मैड्रिड में लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स 2026 समारोह के दौरान इस टेनिस स्टार ने कहा, विराट कोहली मेरे

करीबी दोस्त हैं वह ऐसे शख्स हैं जिनका मैं सम्मान करता हूं, प्रशंसा करता हूं। ईमानदारी से कहें तो उनकी वजह से ही मैंने क्रिकेट को फॉलो करना शुरू किया। मैंने पहले भी इसे फॉलो किया पर उनके जरिये और ज्यादा फॉलो करने शुरू किया। हम संपर्क में रहते हैं और उम्मीद करता हूं कि मैं जब भी आऊंगा वह मेरे साथ हो सकते हैं। हम थोड़ा बहुत टेनिस खेलेंगे और थोड़ा बहुत क्रिकेट। मस्ती करेंगे और खेल का आनंद लेते हुए सकारात्मक और अच्छी बातें फैलाएंगे।

जोकोविच ने कहा कि वह भारत के भी प्रशंसक हैं। साथ ही कहा कि वह जल्द ही भारत आना चाहते हैं। जोकोविच ने कहा, मुझे व्यक्तिगत तौर पर भारतीय टेनिस और दुनियाभर के खेलप्रेमियों से जो समर्थन मिलता रहा है उस पर मेरा हमेशा प्यार, सम्मान और तारीफ का संदेश रहेगा। मेरा संदेश यह भी होगा- बहुत जल्द आपसे भारत में मिलेंगे क्योंकि मुझे वहां जाने की जरूरत है। मैं पिछले कुछ सालों से भारत जाने की अच्छा रखता हूं। मैं खुद को भारतीय लोगों के बहुत करीब पाता हूं। लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स 2026 की बात करें तो मैड्रिड में हुए इस भव्य समारोह में टेनिस का दबदबा रहा। कार्लोस अल्काराज और एरिना सबालेंका को क्रमशः स्पोर्ट्समैन और स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर के सम्मान से नवाजा गया।

युवाओं के दम पर पंजाब किंग्स अब किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं : मॉर्गन

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान इयोन मॉर्गन ने आईपीएल सत्र में पंजाब किंग्स टीम के अच्छे प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि अब यह टीम अपने कप्तान या किसी एक एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है, बल्कि युवा प्रतिभाओं के प्रदर्शन पर निर्भर है। मॉर्गन ने कहा है पंजाब किंग्स का ये अंदाज काफी अनूठा है। टीम बहुत ही मजबूत स्थिति में पहुंच गई है जिसमें हर खिलाड़ी अपनी भूमिका निभाना जानता है। टीम में इतनी गहराई है कि वह 230 से 240 रनों का लक्ष्य भी हासिल कर सकती है।। उन्होंने जोर दिया कि इससे प्रमुख खिलाड़ियों पर से अनावश्यक दबाव कम गया है। मॉर्गन ने आगे कहा, जब बाकि बल्लेबाजी इकाई अच्छा प्रदर्शन कर रही होती है, तो टीम पर से दबाव कम होता ही है। उन्होंने युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने जिस प्रकार से बल्लेबाजी की है उससे पता चलता है कि टीम में कितन आत्सविश्वास है। वह एक ऐसे खिलाड़ी के तौर पर सामने आते हैं जो साफ सोच रखते हैं और समय के साथ मिलने वाले अवसरों का पूरा लाभ उठा रहे हैं।

अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद बोले, मुझे भारत और ऑस्ट्रेलिया ने दिया था खेलने का प्रस्ताव

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने कहा है कि उन्हें भारतीय ओर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट से खेलने के साथ ही नागरिकता का प्रस्ताव मिला था पर उन्होंने उसे ठुकरा दिया था क्योंकि वह अपने ही देश अफगानिस्तानी की ओर से खेलना चाहते थे। राशिद के अनुसार वह अपने देश से प्यार करते हैं और उसके लिए समर्पित हैं। राशिद खान ने ये खुलासा अपनी किताब 'राशिद खान÷ फ्रॉम स्ट्रीट्स टू स्टारडम' में किया है। उन्होंने कहा कि साल 2023 आईपीएल सीजन के दौरान उन्हें अनौपचारिक रूप से प्रस्ताव मिले थे पर मैंने ठुकरा दिये थे। इस किताब में राशिद के हवाले से लिखा है, ÷मुझे ऑस्ट्रेलिया और भारत दोनों से खेलने के प्रस्ताव मिले थे पर मैंने इससे इंकार करते हुए कहा था कि मैं किसी अन्य देश के लिए नहीं खेलूंगा.÷

उन्होंने कहा कि तब आईपीएल के दौरान ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक बड़े अधिकारी ने कहा था कि आपके देश अफगानिस्तान की हालत ठीक नहीं है अगर आप चाहें तो भारत में खेल सकते हैं। इससे में हैरान हो गया पर मैंने उन्हें साफ तौर पर मना कर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह अपने वतन अफगानिस्तान से बेहद प्यार करते हैं और उसके लिए पूरी तरह समर्पित हैं। उनके लिए, किसी अन्य देश का प्रतिनिधित्व करना उनके अपने देश के गौरव और पहचान से समझौता करने जैसा होता, जिसे वह कभी स्वीकार नहीं कर सकते थे। यह घटना राशिद के चरित्र और उनके मूल्यों को उजागर करती है। एक ऐसे समय में जब कई खिलाड़ी बेहतर अवसरों और सुविधाओं के लिए राष्ट्रीयता बदलने पर विचार करते हैं, राशिद का अपने देश के प्रति यह अटूट समर्पण एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करता है। उनका यह निर्णय न केवल अफगानिस्तान के क्रिकेट समुदाय के लिए गर्व का विषय है, बल्कि दुनिया भर के खेल प्रेमियों के लिए भी देश प्रेम का एक मजबूत संदेश है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-2-5-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-1-4-6

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-2-4-6

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-5-7-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शांतिपूर्वक कार्य करें। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। शुभांक-2-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-5-6

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-3-5-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-6-8

काकुरो पहेली -3866

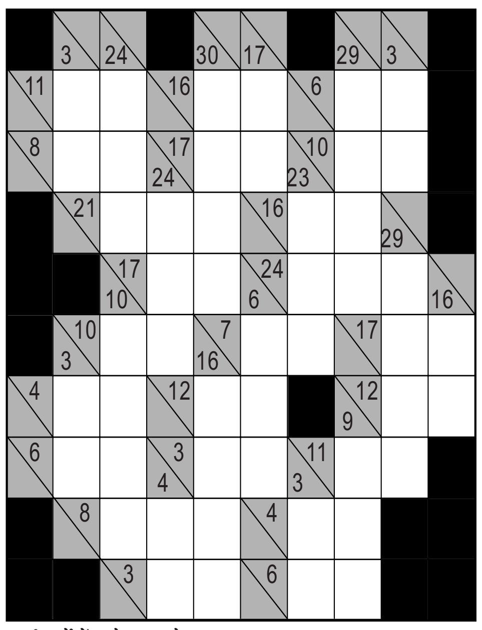

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

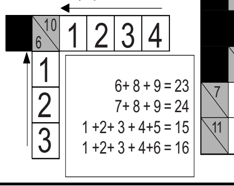

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3865 का हल

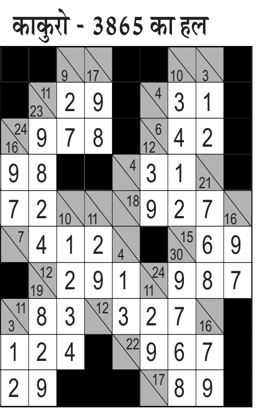

हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने डाक्टर को धन्यवाद देते हुए कहा-'डाक्टर साहब! मैं आपका बहुत एहसानमन्द हूँ. आपके इलाज से मुझे बहुत फायदा पहुँचा है.'

'मगर.....?' डाक्टर ने चौंकते हुए कहा-'मैंने तो कभी आपका इलाज नहीं किया.'

'आपने मेरा तो नहीं, मगर मेरे करोड़पति चाचाजी का इलाज किया था. पिछले सप्ताह उनका देहान्त हो गया और मैं उनका एकमात्र वारिस हूँ.'

एक पिता मृत्यु की घड़ियां गिन रहा था . उसके तीन पुत्र आपस में बहस कर रहे थे. बड़ा पुत्र बोला-'एम्बूलेंस मंगा लेनी चाहिए.'

मंझला-'नहीं ! बैल ठेला कर लेंगे !'

छोटा-'कन्धे पर डालकर ले चलो !'

सुनकर पिता से रहा नहीं गया, बोला-'तुम मेरी चप्पलें ला दो, मैं खुद ही चला जाऊंगा.'

□ □ □

सीता-'मेरे बाप ने तो तैरने का रिकार्ड तोड़ दिया. पूरे तीन दिन बाद वापस लौटे हैं.'

गीता-'वह तो ठीक है. लेकिन तुम्हारे बाप हमारे बाप के सामने तो टिक नहीं सकते !'

'कैसे ?'

'मेरे बाप चार वर्ष पहले तैरने गये थे और आज तक वापस नहीं आये हैं.'

फिल्म वर्ग पहेली- 3866

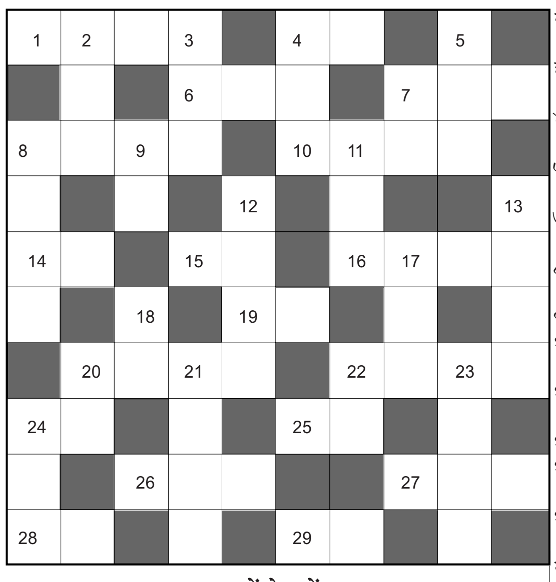

बायें से दायें:-

१. सैफ, चंद्रचूड़, प्रीति की 'इसे खेल ना समझो' गीत वाली फिल्म-१,३
४. 'एक लड़की जिसके' गीत वाली संजय दत्त, जैकी, रवीना की फिल्म-२
६. गोविंदा, रवीना टंडन की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-३
७. 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान की माँ की भूमिका किसने की थी-३
८. ऋषि कपूर, जूही चावला वाली फिल्म 'दरार' में सहनायक कौन था-४
१०. 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म 'तक्षक' के संगीत निर्देशक कौन हैं-४
१४. राजकुमार, जीतेंद्र की फिल्म 'मेरे हुजूर' की नायिका कौन थी-२
१५. 'दिल है तुम्हारा' में अर्जुन रामपाल के किरदार का क्या नाम है-२
१६. राजेंद्रकुमार, बी. सरोजादेवी की 'जाना तुम्हारे प्यार में' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'इस टूटे दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२०. अक्षयकुमार, करिश्मा की 'माथे पे चमके इसके' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'सोला किये थे' गीत वाली मिथुन, शिल्पा शिरोडकर की फिल्म-४
२४. आमिर खान, माधुरी की 'मुझे नींद न आये' गीत वाली फिल्म-२
२५. नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, कुमार गौरव, जावेद, जूही की फिल्म-२
२६. राजकपूर, दिलीपकुमार की 'उठाये जा उनके' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'ओ मेरे सनम ओ मेरे सनम' गीत वाली फिल्म-३
२८. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'जिसके सपने हमें रोज' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

२. आफताब, लिसा रे की 'कितना बेचैन हो के' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरे बिना मैं कुछ' गीत वाली मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-३
४. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'यारी है ईमान मेरा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'बोल गोरी बोल तेरा कौन पिया' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
७. फिल्म 'रजिया सुल्तान' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-२
८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मीत ना मिला रे मन का' गीत वाली फिल्म-४
९. संजय दत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
११. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-३
१२. राजेश खन्ना, शबाना की 'चलो बुलावा आया है' गीत वाली फिल्म-४
१३. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१७. अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की 'शाबा ये नखरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
२०. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
२१. 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
२२. आयशा, दिव्या भारती, कमल सदाना की 'तेरी मुहब्बत' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'ये काली काली आँखें' गीत वाली फिल्म-४
२४. सनी, बॉबी, उर्मिला की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3865

गु	रू	■	खा	मो	शी	■	आ	स	श
रू	■	फ	न	■	बा	द	शा	ह	■
दे	वी	■	दा	ग	■	स्त	■	र	न
व	र	दा	न	■	म	क	ड़ी	■	ती
■	ता	■	■	फॉ	सी	■	■	श	जा
आ	■	स	जा	■	हा	र	जी	त	■
शि	का	र	■	आ	■	क्ष	■	औ	■
क	■	ग	ब	न	■	क	ह	र	■
■	धू	म	■	बा	जी	■	■	दि	ल
पा	प	■	जी	न	त	■	डॉ	न	■

सूडोकु -3866

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3865 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

शब्द पहेली -3866

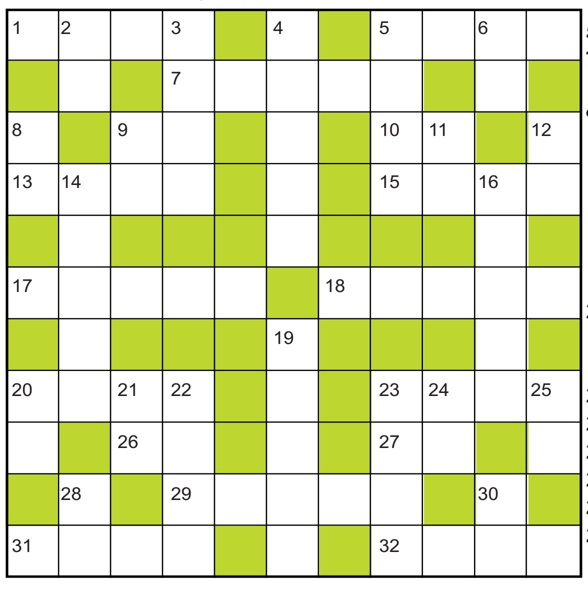

बाएँ से दाएँ

1.सफल,उत्तीर्ण-4
5.ओस,रजनीजल-4
7.फरार होना,चंपत होना, पलायन करना-5
9.महीना,मास-2
10.साल का बारहवां भाग-2
13.पुचकारना-4
15.विष्णु,चक्रधारी-4
17.निरुत्तर होना-5
18.अपनत्व-5
20.असम के इस शहर को बादलों का घर कहा जाता हैं-4
23.निकृष्ट,अल्पतर-4
26.अंधकार-2
27.बुरा आदत-2
29.रसायन संबंधी-5
31.ब्राम्हण,सम्राट-4
32.गजानन,गणपति-4

ऊपर से नीचे

2.मां,आई,मदर-2
3.बारिश का गिरना-4
4.निर्माता,रचयिता-5
5.लज्जाना -4
6.मुलायम-2
8.उम्मीद-2
9.हार,जयमाल-2
11.हरे रंग का-2
12.वचन,प्रतिज्ञा-2
14.हैंडलूम, इस यंत्र पर धागों से बुनाई होती है-5
16.जनेऊ,उपनयन संस्कार-5
19.विलेन,नायक का विलोम-5
20.बादल-2
21.बुरी आदत-2
22.यम,मृत्यु का देवता-4
23.पानी के बहने की आवाज-2,2
24.वोट,अभिमत-2
28.इस जगह-2
30.कारावास,बंधन-2

शब्द पहेली - 3865 का हल

क	ल	ह	■	म	■	प	र	दा	न	शी
पू	■	क	ल	श	■	छ	बी	ल	■	त
त	ल	■	■	व	■	ता	■	■	सा	ल
■	ल	■	धा	रा	प्र	वा	ह	■	व	■
म	क	ब	रा	■	था	■	म	हा	न	ता
■	■	■	वा	दा	■	मा	स	■	■	■
ह	म	रा	ही	■	पा	■	फ	र	मा	न
■	यू	■	क	हा	नी	का	र	■	य	■
ख	र	■	■	थी	■	र	■	■	का	न
प	■	ब	र	खा	■	ना	र	द	■	य
त	र	स	खा	ना	■	मा	■	म	न	न

आधासीसी के दर्द का घरेलू इलाज

सिर में दर्द कई कारणों से होता है पर एक मुख्य कारण होता है गैस ट्रबल। गैस बढ़कर जब ऊपर चढ़ती है, पास नहीं हो पाती तो यह दिल व दिमाग पर असर करती है, इसी के परिणामस्वरूप सिर दर्द होता है। आधा सीसी का दर्द इसी प्रकार का है, जिसमें आधा सिर दुखता है और बहुत पीड़ा होती है।

- बिस्तर पर लेटकर गर्दन पाटी से बाहर लटका दें और सिर के जिस भाग में दर्द होता हो, नाक के उस भाग की तरफ वाले नथुने में सरसों के तेल की दो बूँद टपकाकर दूसरी तरफ की नाक को दबाकर जोर से साँस खींचें, ताकि तेल ऊपर चढ़ जाए। 2-3 दिन यह प्रयोग करने से आधासीसी का दर्द हमेशा के लिए चला जाता है। इस प्रयोग से सर्दी जुकाम भी ठीक हो जाता है।
- आधासीसी में लेंडी पीपल 10 ग्राम कपड़छान कर पाँच पुड़िया बना लें। प्रातःकाल 50 ग्राम कलाकंद के साथ सेवन करें, फिर सो जाएँ, पानी न पिएँ ।
- शुद्ध घी में 4-5 काली मिर्च रोज तलकर सेवन करें।

चेतावनी : उपरोक्त उपाय विशेषज्ञों द्वारा सुझाए गए हैं लेकिन इनका प्रयोग शरीर की प्रकृति के अनुसार अथवा चिकित्सक से सलाह के पश्चात करें।

पानी पिओ एकाग्रता बढ़ाओ

क्या आप पानी पीने के लिए प्यास लगने का इंतजार करते हैं। यदि हां, तो अपनी इस आदत में थोड़ा सुधार कर लीजिए। पानी के लिए प्यास का इंतजार नहीं करके खूब पानी पीजिए और अपनी कार्यक्षमता और एकाग्रता को बढ़ाइए। अब गर्मी का मौसम है। गर्मी में पसीने आना स्वाभाविक है। पसीने की हर एक बूंद में कई पोषक तत्त्व, नमक और पानी शरीर से बाहर निकल जाता है जिससे डिहाइड्रेशन होता है।

डिहाइड्रेशन से सिरदर्द, एकाग्रता में कमी और ऐंठन जैसी समस्याएं सामने आती हैं। इसकी वजह पर्याप्त पानी न पीना है। डायटीशियन तिलक कोठारी के अनुसार सामान्य स्थिति में हमें एक दिन में दो से तीन लीटर तरल पदार्थ की जरूरत होती है। इसको पूरा करने के लिए हम पानी के साथ दूसरी चीजें लेते हैं। पानी को हमें अपने रोजाना के तरल पदार्थ में ज्यादा तरजीह देनी चाहिए। इसमें कैलोरी और शुगर की मात्रा बहुत कम होती है।अगर गर्मी अधिक पड़ रही हो या आप एक्सरसाइज कर रहे हों, तो आपको पानी की ज्यादा जरूरत होगी। गर्म या उमस भरे मौसम में एक्सरसाइज करने से शरीर से बड़े पैमाने पर पानी बाहर निकलता है, जिससे डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। थोड़े से डिहाइड्रेशन से आपकी कार्यकुशलता और एकाग्रता प्रभावित हो सकती है। इसलिए दिन भर में दो से तीन लीटर तक पानी पीना चाहिए। इससे आपकी कार्यक्षमता और एकाग्रता में बढ़ोतरी होगी।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR & Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi) - 50%	Island Position - 50%	Strip Advt. - 15%
Front Page (Solus) - 75%	Right Hand Page - 10%	Political Advt. - 50%
Back Page - 25%	Top of AD Column - 15%	Pull Outs - 50%
Page Three - 20%	Any Other Spl. Position - 10%	Discount as per deal

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

सलमान और नयनतारा की अगली फिल्म की शूटिंग शुरू

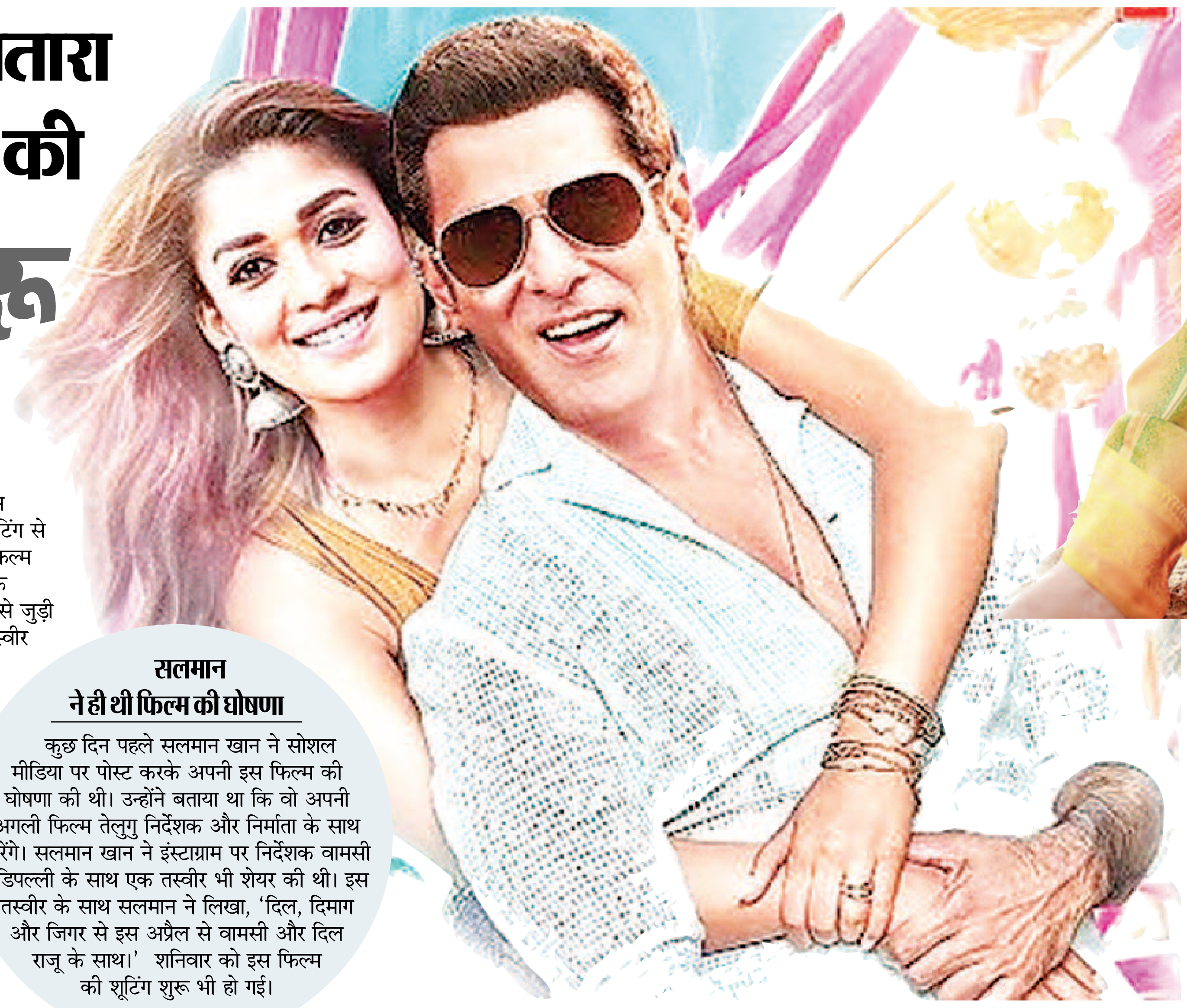

अनिल कपूर समेत कई सेलेब्स ने जाहिर की खुशी

सलमान खान फिल्म 'मातृभूमि' के बाद साउथ एक्ट्रेस नयनतारा के साथ अगली फिल्म करेंगे। इस फिल्म की शूटिंग से जुड़ा अपडेट मेकर्स ने साझा किया है। सलमान की इस फिल्म के लिए बॉलीवुड एक्टर्स एक्साइटेड दिख रहे हैं। निर्देशक वामशी ने इंस्टाग्राम पर सलमान खान की आगामी फिल्म से जुड़ी जानकारी साझा की है। निर्देशक ने एक क्लैपरबोर्ड की तस्वीर अपलोड की, जिस पर 'मुहूर्त' लिखा हुआ था। इस तरह वामशी ने फैंस को बताया कि सलमान खान और नयनतारा की एक्शन ड्रामा फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। शनिवार को इसका मुहूर्त शॉट किया गया।

कई सेलेब्स ने शूटिंग को लेकर जाहिर की खुशी

डायरेक्टर वामशी की पोस्ट और सलमान खान की फिल्म को लेकर कई बॉलीवुड सेलेब्स उत्साहित दिखे। इस पोस्ट पर रिएक्शन देते हुए अनिल कपूर ने लिखा, 'वामशी, आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएं।' इसी तरह नम्रता शिरोडकर ने भी कमेंट किया, 'बहुत-बहुत बधाई।' सलमान के फैंस ने भी इस पोस्ट को खूब लाइक किया है।

सलमान ने ही थी फिल्म की घोषणा

कुछ दिन पहले सलमान खान ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके अपनी इस फिल्म की घोषणा की थी। उन्होंने बताया था कि वो अपनी अगली फिल्म तेलुगु निर्देशक और निर्माता के साथ करेंगे। सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर निर्देशक वामसी पेडिपल्ली के साथ एक तस्वीर भी शेयर की थी। इस तस्वीर के साथ सलमान ने लिखा, 'दिल, दिमाग और जिगर से इस अप्रैल से वामसी और दिल राजू के साथ।' शनिवार को इस फिल्म की शूटिंग शुरू भी हो गई।

पार्वती कृष्णा योगा के नाम पर हो रहीं ट्रोल

सोशल मीडिया पर पार्वती कृष्णा को कई लोग फॉलो करते हैं, वह बतौर एक्सपर्ट फेस योगा सिखाती हैं। इसी वजह से वह एक विवाद का हिस्सा बन गईं और नेटिजंस द्वारा ट्रोल भी की जा रही हैं। जानिए, क्या है ये पूरा मामला? और पार्वती कृष्णा का फिल्मी दुनिया से क्या रिश्ता है? पार्वती कृष्णा सोशल मीडिया पर दावा करती हैं कि वह फेस योगा से शॉर्प जॉलाइन बनाने में लोगों की मदद करती हैं। इससे चेहरा काफी हद तक बदल सकता है। लेकिन यह बात कुछ लोगों को हजम नहीं हुई। नेटिजंस ने फेस योगा से चेहरे में बदलाव की बात को नाकार और इसे गुमराह करने जैसा बताया। खासकर एक यूट्यूबर चंद्रशेखर रमेश ने पार्वती कृष्णा के दावों की आलोचना की।

पार्वती ने दिया ट्रोल्स को जवाब

जब पार्वती कृष्णा की सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग ज्यादा होने लगी तो एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए उन्होंने जवाब दिया। इसमें उनका कहना है कि वह एक फेस योगा की एक्सपर्ट हैं, उनके पास सर्टिफिकेट भी है। वह कई लोगों की इस मामले में मदद कर चुकी हैं। ट्रोल करने वालों पर भी पार्वती ने निशाना साधा है, इसमें यूट्यूबर चंद्रशेखर रमेश भी शामिल हैं। पार्वती के इंस्टाग्राम वीडियो पर कुछ लोगों ने उन्हें सपोर्ट भी किया है।

फिल्मों से क्या है पार्वती कृष्णा का कनेक्शन

पार्वती कृष्णा एक दक्षिण भारतीय अभिनेत्री हैं। वह मलयालम फिल्मों में अभिनय करती हैं। साल 2014 में 'एंजल' नामक की फिल्म से पार्वती ने अपना करियर शुरू किया। फिल्मों के अलावा टीवी सीरियल भी किए। इसमें 'ईश्वरन साक्षीयायी' और 'रात्री माजा' जैसे सीरियल शामिल हैं। पार्वती ने कई शो भी होस्ट किए। मलयालम का पॉपुलर शो 'किडिलम' को भी वह होस्ट कर चुकी हैं।

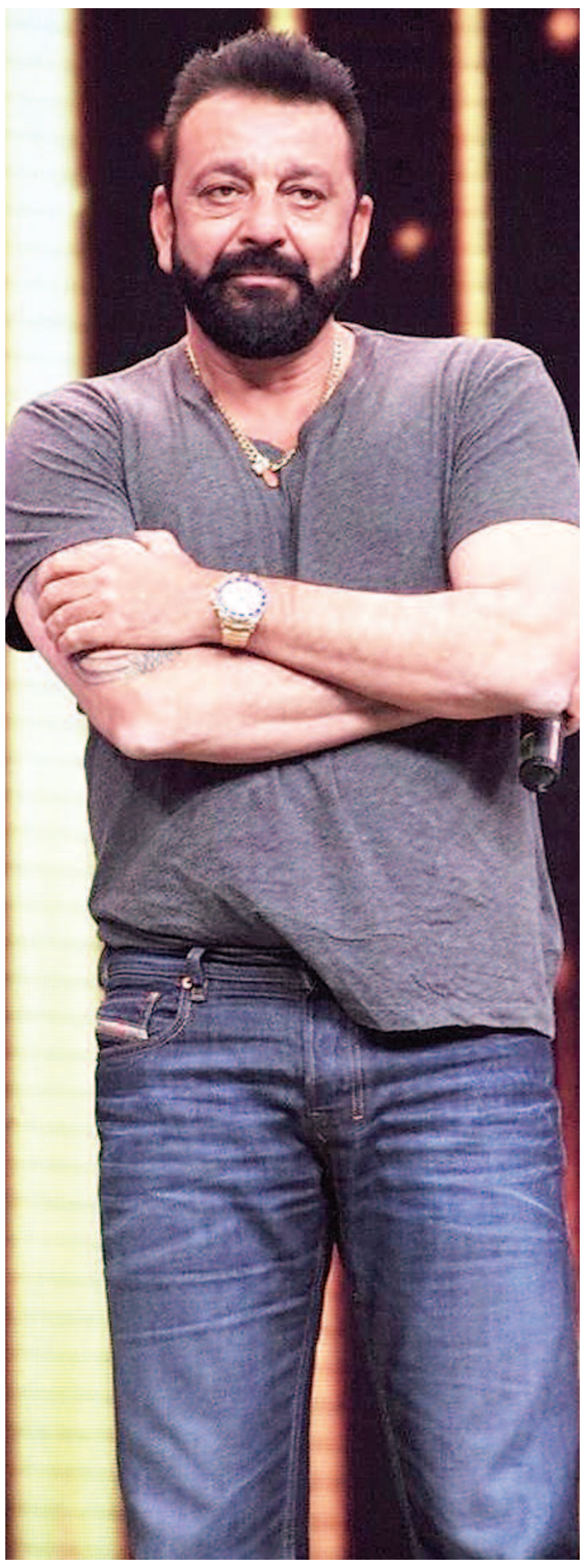

पांच साल में बनाया भारत में सबसे बड़ा रिकॉर्ड

संजय की चार फिल्मों ने ली 1000 करोड़ क्लब में एंट्री

बॉलीवुड के एक मशहूर अभिनेता के नाम बड़ा रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। उनकी अलग-अलग चार फिल्मों ने 1000 करोड़ क्लब में एंट्री ली है। ऐसा कोई खान स्टार या साउथ का स्टार नहीं कर सका।

यह आम राय है कि बॉक्स ऑफिस पर खान स्टार्स और साउथ के बड़े अभिनेताओं का दबदबा रहता है। हालांकि इस बार मामला थोड़ा अलग है। पिछले कुछ वर्षों में एक एक्टर ने ऐसा रिकॉर्ड बनाया है जो लोगों को हैरान कर रहा है। उन्होंने अलग-अलग भाषाओं की फिल्में की हैं। उनकी चार फिल्में 1000 करोड़ क्लब में पहुंची हैं।

अभिनेता ने खान और साउथ के कलाकारों को छोड़ा पीछे

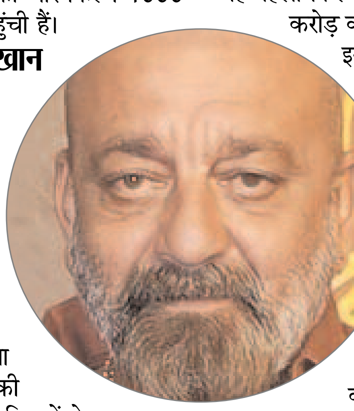

यह कोई और अभिनेता नहीं बल्कि बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता संजय दत्त हैं। उनकी चार अलग-अलग फिल्मों ने 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की है। इस रिकॉर्ड की खास बात यह है कि कई बड़े स्टार्स ऐसा रिकॉर्ड नहीं बना पाए हैं। इस लिस्ट में आमिर खान, शाहरुख खान और प्रभास जैसे सितारे हैं। हालांकि संजय दत्त इन सब लोगों से आगे हैं। कई सितारों की एक या दो ही फिल्में 1000 करोड़ क्लब तक पहुंची हैं। लेकिन संजय दत्त की एक नहीं चार फिल्में 1000 करोड़ क्लब तक पहुंची हैं।

इन फिल्मों ने कमाए 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा

संजय दत्त ने 'केजीएफ चैप्टर 2' (2022) में अपने विलेन के किरदार से काफी चर्चा बटोरी। संजय दत्त की यह पहली फिल्म थी जिसने 1000 करोड़ क्लब में एंट्री मारी थी। इसके बाद 'जवान' ने 1100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की। इसमें शाहरुख खान लीड रोल में थे। 'धुरंधर' (2025) में भी संजय दत्त नजर आए थे। इस फिल्म ने 1300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया। इसी तरह से 'धुरंधर 2' (2026) ने एक महीने में 1700 करोड़ रुपये से भी ज्यादा का कलेक्शन किया है।

संजय दत्त के नाम बड़ा रिकॉर्ड

इस तरह से संजय दत्त अकेले ऐसे अभिनेता हैं, जिनकी 4 फिल्मों ने 1000 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार किया है। उनका ये रिकॉर्ड काफी खास माना जा रहा है।

अक्षय कुमार बोले- मेरा बेटा 4500 की नौकरी कर रहा

एक्टर अक्षय कुमार अपनी फिल्म 'भूत बंगला' से फैंस को खूब हंसा रहे हैं। उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया है कि उनके बेटे को फिल्मों में आने में कोई दिलचस्पी नहीं है और वो फैशन में अपना करियर बना रहा है।

अक्षय कुमार का बेटा आरव भाटिया

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार दो दशकों से अधिक समय से अपनी फिल्मों से लोगों का मनोरंजन कर रहे हैं। उनकी पत्नी ट्विंकल खन्ना भी कुछ समय के लिए फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा थीं। हालांकि, एक्टर ने हाल ही में खुलासा किया कि उनके बेटे आरव को फिल्मों में कोई दिलचस्पी नहीं है और वह फैशन में अपना करियर बना रहे हैं। उन्होंने ये भी बताया कि वो खुद कमा भी रहे हैं। अक्षय कुमार ने कहा कि उनका बेटा उनसे बहुत अलग नहीं है और आगे कहा, 'हम दोनों में बहुत समानता है। उसे फिटनेस का शौक है, और मुझे भी। वह लंबा है और बहुत ही फोकस्ड है। उसे काम करना पसंद है। लेकिन वह फिल्मों में नहीं आना चाहता। उसकी ऐसी कोई योजना नहीं है। वह फैशन में अपना करियर बनाना चाहता है।' वह बेचारा आज भी 4500 रुपये की नौकरी कर रहा है। अच्छी बात है, क्यों नहीं? वह गांवों में जाकर वहां से फैशन सीख रहा है, अलग-अलग तरह के प्रिंट्स वगैरह। मैं उसे ज्यादा उपदेश नहीं देता, लेकिन मैंने उसे हिदायत दी है कि किसी को नुकसान न पहुंचाए।

आरव भाटिया कौन हैं?

आरव भाटिया का जन्म 2002 में हुआ था और वे अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना के सबसे बड़े बेटे हैं। 15 साल की उम्र में वे उच्च शिक्षा के लिए विदेश चले गए और फिलहाल लंदन के एक विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहे हैं। उनकी छोटी बहन नितारा (जन्म 2012) अक्सर ट्विंकल के सोशल मीडिया पर नजर आती हैं, जबकि आरव लाइमलाइट से दूर रहना पसंद करते हैं।

सनी देओल-आमिर खान की फिल्म 'लाहौर 1947' का बदला जाएगा टाइटल

सनी देओल की अपकमिंग फिल्म 'लाहौर 1947' लंबे वक्त से चर्चा में है. कुछ समय पहले ऐसी खबरें सामने आई थीं, जिनमें दावा किया गया था कि इस फिल्म का नाम बदल सकता है. लेकिन ये महज अफवाह निकली. लेकिन अब एक बार फिर 'लाहौर 1947' का नाम बदले जाने की खबर सामने आई है.

सनी देओल ने 2026 की शुरुआत में 'बॉर्डर 2' बवाल काट दिया था. इसके बाद सनी देओल के पास कई बड़े फिल्ममेकर्स से ऑफर मिल रहे हैं. एक्टर के पास बहुत सी फिल्में लाइनअप में शामिल हैं. सनी देओल इस साल 'गबरू', 'लाहौर 1947' और 'रामायण' से बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने वाले हैं. हाल ही में ऐसी मीडिया रिपोर्ट्स सामने आईं, जिनमें दावा किया गया कि सनी देओल की 'लाहौर 1947' का नाम बदला जाएगा. लेकिन इनमें कोई सच्चाई नहीं थी. इसी बीच अब खबर मिली है कि वाकई में सनी देओल की फिल्म का नाम बदलने की पूरी तैयारी है.

'बॉर्डर 2' के बाद सनी देओल की 'लाहौर 1947' की अनाउंसमेंट की गई थी, जिसके बाद से ही फैंस में इसे लेकर जबरदस्त क्रेज है. ये फिल्म 13 अगस्त को थिएटरों में रिलीज होने वाली है. सनी देओल की इस फिल्म को आमिर खान प्रोड्यूस कर रहे हैं और राजकुमार संतोषी डायरेक्ट कर रहे हैं. बीते दिनों खुद आमिर खान ने बताया था कि 'लाहौर 1947' का नाम नहीं बदला जा रहा है. लेकिन अब खबर सामने आई है कि 'लाहौर 1947' का नाम बदला जा रहा है और इसका नया टाइटल भी पता चल गया है.

लाहौर 1947 का बदलेगा नाम?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2026 की मच अवेटेड फिल्म 'लाहौर 1947' का नाम बदलने के बारे में सोचा जा रहा है. राजकुमार संतोषी के डायरेक्शन में बनी सनी देओल और आमिर खान की फिल्म 'लाहौर 1947' का नाम बदलकर अब 'बंटवारा 1947' किया जा सकता है. हालांकि, अभी तक मेकर्स ने कोई ऐलान नहीं किया है लेकिन ऐसी उम्मीद है कि जल्द ही मेकर्स 'बंटवारा 1947' पर मुहर लगा सकते हैं.

सोनाली ने बिग बॉस मराठी पर लगाए गंभीर आरोप

अभिनेत्री सोनाली राउत ने बिग बॉस मराठी सीजन 6 के निर्माताओं पर शो के दौरान अस्वच्छ (अनहाइजीनिक) रहने की स्थिति का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि खराब वातावरण के कारण उन्हें खुजली की बीमारी हो गई। उन्होंने किचन से लेकर वॉशरूम तक में गंदगी होने और मरे हुए चूहे और कॉकरोच मौजूद होने के आरोप लगाए थे। सोशल मीडिया पर सोनाली ने अपने शरीर पर, पीठ, बांहों, पैरों और धड़ सहित, चकत्ते और निशान दिखाते हुए वीडियो साझा किए।

एक ही वॉशरूम इस्तेमाल करते थे 17 कंटेस्टेंट

सोनाली राउत ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की। इसमें उन्होंने स्थितियों को दयनीय बताया, जिसमें रसोई में चूहे किराने का सामान कुतर रहे थे और खाने में कॉकरोच पाए जा रहे थे। साथ ही पोस्ट में सोनाली ने अपनी कुछ तस्वीरें भी साझा की हैं, जिसमें उन्होंने अपने शरीर पर निकले दाने, निशान और चकत्ते दिखाए।

देश में गर्मी ने पकड़ा जोर, कई जगह पारा 45 डिग्री पर पहुंचा, विदर्भ में लू की मार

-उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के अलग-अलग इलाकों में हीटवेव की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई हिस्सों में गर्मी का प्रकोप शुरू हो गया है। यूपी के बांदा में 17 अप्रैल को 45 डिग्री तापमान दर्ज करने वाला पहला शहर बना गया। विदर्भ के वर्धा में भी तापमान 45 डिग्री तक पहुंच गया है। दिल्ली में भी भीषण गर्मी को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। कई इलाकों में हीटवेव की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, विदर्भ और पूर्वी उत्तर प्रदेश में गर्मी का असर साफ दिखाई दे रहा है। नागपुर, गोंदिया, अमरावती समेत कई इलाकों में पारा 40 डिग्री से ऊपर पहुंच रहा है। पूरा विदर्भ क्षेत्र लू की मार झेल रहा है। इसके अलावा प्रयागराज, वाराणसी, सुल्तानपुर और फुर्सतगंज में लू का असर देखा जा सकता है। आने वाले दिनों में भी विदर्भ, मराठवाड़ा और मध्य महाराष्ट्र में तापमान ज्यादा रह सकता है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश और आसपास के इलाकों में कुछ स्थानों पर तापमान 45 डिग्री तक पहुंच सकता है। 21 से 24 अप्रैल के बीच ओडिशा में भी तापमान बढ़ने के आसार हैं, बताया जा रहा है, फिलहाल गुजरात के कुछ हिस्सों में तापमान ज्यादा नहीं बढ़ेगा। इस हफ्ते पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली के कुछ हिस्सों में भी लू की स्थिति बनने के आसार जताए जा रहे हैं।

आईएमडी के मुताबिक इस साल अप्रैल के तापमान में एक नया ट्रेंड देखने को मिला है। बीते सालों में जहां अप्रैल की शुरुआत में ही गर्मी का भयानक कहर शुरू हो जाता था, इस बार गर्मी का असर देर से महसूस हुआ है। साल 2026 में अप्रैल महीने में 16 अप्रैल को अधिकतम तापमान 40.3 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि 17 अप्रैल को यह बढ़कर 41.0 डिग्री पहुंच गया था। वहीं, साल 2025 में अप्रैल की शुरुआत में ही तापमान 40 डिग्री के पार चला गया था।

नई दिल्ली (सफदरजंग) के आंकड़ों के मुताबिक पिछले कुछ सालों में अप्रैल महीने का सबसे ज्यादा तापमान 43.5 डिग्री रहा, जो 29 और 30 अप्रैल 2022 को दर्ज किया गया था। वहीं, नई दिल्ली (पालम) में पिछले पांच सालों में अप्रैल का सबसे ज्यादा तापमान 44.0 डिग्री दर्ज किया गया, जो 30 अप्रैल 2022 को रिकॉर्ड हुआ था। बता दें, भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक मंगलवार को दिल्ली में हीटवेव की स्थिति बनी रह सकती है। ज्यादा पारा 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। इसके अलावा आने वाले दिनों में उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के अलग-अलग इलाकों में हीटवेव की संभावना है। पंजाब, पूर्वी राजस्थान, विदर्भ और छत्तीसगढ़, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली के कुछ इलाकों में 24 अप्रैल तक और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 25 अप्रैल तक हीटवेव का अलर्ट जारी किया है।

अनुमान लगाया जा रहा है कि वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के प्रभाव से 23 अप्रैल के आसपास एक नया सिस्टम पश्चिमी हिमालय तक पहुंचेगा, हालांकि इसका असर मुख्य रूप से पहाड़ी इलाकों तक ही सीमित रहने की संभावना है। दिल्ली में कुछ दिनों तक हल्के बादल छाए रह सकते हैं। दिल्ली और आसपास के इलाकों में हीटवेव जैसी स्थिति बनने की प्रबल संभावना है, और कुछ स्थानों पर तापमान 44डिग्री तक पहुंच सकता है।

मणिपुर में कांपी धरती, 5.2 तीव्रता का आया भूकंप, सो रहे लोग घरों से आए बाहर

-जापान में भूकंप के बाद कुजी बंदरगाह पर 80 सेंटीमीटर ऊंची दिखी सुनामी लहरें

इम्फाल (एजेंसी)। मंगलवार तड़के मणिपुर में 5.2 तीव्रता का भूकंप आया। वहीं दूसरी ओर जापान में आए विनाशकारी भूकंप के बाद समुद्र की लहरों ने तटीय इलाकों में दस्तक दी है। राहत की बात यह है कि अभी तक किसी बड़े जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक मंगलवार सुबह 5:59 बजे मणिपुर के कामजोंग जिले में भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.2 मापी गई। भूकंप का केंद्र जमीन से 62 किलोमीटर नीचे था। सुबह के समय आए इन झटकों से लोग डरकर घरों से बाहर आ गए। फिलहाल राज्य के किसी भी हिस्से से नुकसान की कोई खबर नहीं है। वहीं दूसरी ओर जापानी मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि इवाते प्रांत के कुजी बंदरगाह पर 80 सेंटीमीटर ऊंची सुनामी देखी गई। शाम 4:53 बजे आए भूकंप की तीव्रता जापान के भूकंपीय तीव्रता पैमाने पर 7 में से 5 के ऊपरी स्तर पर दर्ज की गई और इसका केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई पर था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने पिछले एक सप्ताह से इसी तरह के भूकंपों की चेतावनी जारी की थी। जापानी मौसम एजेंसी ने होक्काइडो, आओमोरी और इवाते प्रांतों के प्रशांत तटों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की है और तत्काल 3 मीटर तक ऊंची लहरों के आने का पूर्वानुमान लगाया है। जापानी प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने भूकंप प्रभावित क्षेत्रों के लोगों से ऊंची जगहों पर जाने का आग्रह किया।

'आई-पैक' ने 1300 कर्मियों को छुट्टी पर भेजा, तरह-तरह के उठ रहे सवाल

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और सीएम ममता बनर्जी का चुनावी कैंपेन संभाल रही फर्म 'आई-पैक' का कोलकाता के विधाननगर स्थित दफ्तर दो दिन से बंद है। सूत्रों के मुताबिक इसके एचआर ने 1300 कर्मियों को छुट्टी पर भेज दिया है। यह सब ऐसे समय हुआ है जब पहले चरण का मतदान को कुछ दिन ही बचे हैं। 23 अप्रैल को पहले चरण के तहत 152 सीटों पर मतदान होना है। चुनाव प्रचार मंगलवार को खत्म हो गया। दूसरे चरण की वोटिंग 29 अप्रैल को है। रिजल्ट 4 मई को आएंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तृणमूल की बूथ लेवल की गतिविधि से लेकर नेताओं की सभाएं, रैलियां, सब कुछ तय करने में आईपैक एक पॉलिटिकल कंसल्टेंसी कंपनी की अहम भूमिका निभा रही है। बंगाल में पार्टी के मौजूदा करीब 33फीसदी विधायकों के टिकट काटने के फैसले के पीछे भी इसी का सर्वे आधार था। इसने बंगाल के 93 हजार पोलिंग बूथों के लिए एक लाख शैडो एजेंट्स तैयार किए थे। टीएमसी भले ही इसके बंद होने की खबरों को खारिज कर रही है, लेकिन मतदान से ठीक पहले संगठन और कार्यकर्ता असमंजस में आ गए हैं। हालांकि पार्टी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि हम संसद में दूसरी बड़ी विपक्षी पार्टी हैं। 5 एजेंसियों के साथ काम कर रहे हैं। सभी ठीक हैं। पार्टी के एक अन्य नेता ने बताया कि टीएमसी संगठन 4 स्तर पर काम कर रहा है। इस बीच, टीएमसी ने आशंका जताई है कि उसके 800 नेताओं, कार्यकर्ताओं को केंद्रीय सुरक्षा बल एहतियातन गिरफ्तार कर सकते हैं। इसे लेकर पार्टी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर तुरंत सुनवाई की मांग की है। पार्टी को आशंका है कि केंद्रीय बल राज्य के पुलिस थानों को कब्जे में ले सकते हैं।

दिल्ली में शराब के बाद गुजरात में हवाला कांड में फंस सकती आम आदमी पार्टी

श्रीनगर(एजेंसी)। सूरत,(ईएमएस)। गुजरात के सूरत जिले में सामने आए कथित हवाला मामले ने आम आदमी पार्टी (आप) की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। दिल्ली के कथित शराब घोटाले में ट्रायल कोर्ट से राहत मिलने के बाद जहां मामला हाई कोर्ट में पहुंच चुका है, वहीं अब गुजरात से एक नया विवाद सामने आया गया है। सूरत पुलिस ने दावा किया है कि एक बड़े हवाला रैकेट का खुलासा किया है, जिसमें पार्टी के कुछ पदाधिकारी शामिल हैं और जांच की आंच बड़े नेताओं तक भी पहुंच सकती है। पुलिस ने हवाला मामले में आकाश मिश्रा और अजय तिवारी को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि ये दोनों हवाला नेटवर्क के जरिए पैसे के लेनदेन में शामिल थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह नेटवर्क कथित तौर पर दिल्ली से संचालित हो रहा था और इसमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के निर्देश होने की भी आशंका जाहिर की गई है। सूरत पुलिस की जांच में देखा जा रहा है कि क्या इन पैसों का उपयोग गुजराज की पटेल सरकार के खिलाफ माहौल बनाने और सोशल मीडिया पर प्रभाव डालने के लिए किया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मिश्रा पहले सत्येंद्र जैन के साथ काम कर चुका है और कई राज्यों—दिल्ली, हरियाणा, बिहार और मध्य प्रदेश में सक्रिय रहा है। आरोप है कि हवाला के जरिए मिले पैसे सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और यूट्यूबर्स को देते थे, ताकि वे गुजरात सरकार के विरोध में माहौल तैयार करें और सामाजिक विभाजन को बढ़ावा दें। इस मामले में आयकर विभाग ने भी जांच शुरु की है। जांचकर्ताओं का कहना है कि आरोपियों ने सूरत के महिधरपुरा इलाके में एक अंगड़िया से कई बार 15-20 लाख तक की रकम प्राप्त की।

कोलकाता के आनंदलोक अस्पताल में भीषण आग... 75 से 80 मरीजों को बाहर निकाला गया

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के मशहूर आनंदलोक अस्पताल में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग ने अस्पताल की कई मंजिलों को अपनी चपेट में ले लिया, जिसके बाद तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है और इसकी जांच जारी है। आग लगने के बाद अस्पताल में भर्ती मरीजों को तुरंत सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया। स्ट्रेचर और व्हीलचेयर की मदद से करीब 75 से 80 मरीजों को बाहर निकालकर पास की इमारतों में पहुंचाया गया।

नारी के हक को जिस-जिसने मारा है उसका सर्वनाश हुआ है : आचार्य प्रमोद

-देश में सबसे ज्यादा समस्या पैदा करने का काम राहुल गांधी कर रहे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस से नाता तोड़ चुके सीनियर नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने महिला आरक्षण बिल को लेकर पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि देश की सबसे बड़ी समस्या अब राहुल गांधी बन चुके हैं। चाहे महिलाओं की बात हो, 370 की बात हो, तीन तलाक की बात हो, चुनाव आयोग की बात हो, सबसे ज्यादा समस्या पैदा करने का काम राहुल गांधी कर रहे हैं। कांग्रेस के नेता रह चुके आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि जो नारी शक्ति का सम्मान नहीं करेगा, उसका पतन सुनिश्चित है। पूरे देश के अंदर कश्मीर से कन्याकुमारी तक, अटक से कटक तक भारत की नारी एक ही नारा लगा रही है कि राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष ने नारी शक्ति का अपमान किया है। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि राहुल गांधी को यह पता चल चुका है कि देश की उन्होंने आधी आबादी के हकों को मारने का काम किया है। पीएम मोदी महिलाओं का सम्मान करना चाहते थे, लेकिन राहुल गांधी ने उसका विरोध किया। जबसे यह सृष्टि बनी है, तबसे लेकर आज तक नारी का अपमान जिस, जिसने किया है। नारी के हक को जिस-जिसने मारा है उसका सर्वनाश हुआ है। कृष्णम ने कहा कि राहुल गांधी ने जब से महिलाओं का अपमान किया है, उनकी आत्मा मन ही मन उन्हें कचोट रही है और वह अनर्गल बातें कर रहे हैं। सच बात यह है कि देश की जनता और खासतौर पर माताएं-बहनें अब कांग्रेस के पुतले जला रही हैं। उससे डरकर राहुल गांधी का मानसिक संतुलन बिगड़ चुका है।

हाईकोर्ट ने मोहन भागवत की जेड प्लस सुरक्षा पर खर्च को लेकर याचिका खारिज की

-याचिकाकर्ता की मंशा पर जताई शंका, सार्वजनिक धन के दुरुपयोग के आरोप नहीं माने

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत को मिली जेड प्लस सुरक्षा पर होने वाले खर्च को लेकर दायर जनहित याचिका को बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर खंडपीठ ने खारिज कर दिया है। अदालत ने न केवल याचिका को अस्वीकार किया, बल्कि याचिकाकर्ता की मंशा पर भी सवाल उठाए।

यह मामला हाईकोर्ट की नागपुर पीठ के समक्ष आया था, जहां मुख्य न्यायाधीश जस्टिस श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति जस्टिस अनिल किलोर की पीठ ने सुनवाई की। याचिका में दावा किया गया था कि भागवत को दी गई जेड प्लस सुरक्षा पर हर महीने लगभग 40 से 45 लाख रुपये खर्च हो रहे हैं, जो करदाताओं के पैसे का दुरुपयोग है। नागपुर निवासी ललन सिंह द्वारा दायर इस याचिका में कहा गया था कि चूंकि आरएसएस एक पंजीकृत संगठन नहीं है, इसलिए उसके प्रमुख को दी जा रही सुरक्षा का खर्च सरकार की बजाय संगठन को वहन करना चाहिए। याचिकाकर्ता ने अदालत से अनुरोध किया था कि इस खर्च की भरपाई संघ से कराई जाए। याचिका में मुकेश अंबानी से जुड़े एक मामले का भी हवाला दिया गया, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने 2023 में निर्देश दिया था कि उन्हें दी गई जेड प्लस सुरक्षा का खर्च उनके परिवार द्वारा उठाया जाए। हालांकि, हाईकोर्ट ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया और याचिका को खारिज करते हुए याचिकाकर्ता के इरादों पर सवाल उठाए। अदालत ने संकेत दिया कि इस तरह की याचिकाएं जनहित के नाम पर दाखिल की जाती हैं, लेकिन उनके पीछे वास्तविक उद्देश्य संदिग्ध हो सकता है।

गौरतलब है कि मोहन भागवत की सुरक्षा को जून 2015 में बढ़ाकर जेड प्लस श्रेणी में किया गया था, जिसके बाद उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआईएसएफ को सौंप दी गई थी। इससे पहले उनकी सुरक्षा महाराष्ट्र पुलिस के पास थी। उल्लेखनीय है कि उन्हें पहली बार 2012 में तत्कालीन यूपीए सरकार के दौरान जेड प्लस सुरक्षा प्रदान की गई थी, जब सुशील कुमार शिंडे देश के गृहमंत्री थे।

तमिलनाडु चुनाव: स्टालिन की होगी वापसी, बीजेपी खाता खुलना भी मुश्किल!

-डीएमके गठबंधन को 120 से 140 तो एआईएडीएमके को मिल सकती है 90 सीटें

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होना है। सरकार बनाने के लिए 118 सीटें की जरुरत होती है। मुकाबला डीएमके और एआईएडीएमके के बीच है। एक तरफ सीएम एमके स्टालिन का द्रविड़ियन मॉडल और उनकी पॉपुलर योजनाएं हैं, दूसरी तरफ जयललिता की विरासत संभाल रही एआईएडीएमके और बीजेपी गठबंधन है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तमिलनाडु में स्टालिन सरकार की वापसी हो सकती है। डीएमके गठबंधन को 120 से 140 सीटें मिल सकती हैं। इनमें डीएमके को 100 से 110, कांग्रेस को 10 से 15 और गठबंधन की बाकी पार्टियों को 10 से 15 सीटें मिल सकती हैं। 2021 में डीएमके को 133 और कांग्रेस को 18 सीटें मिली थीं। गठबंधन ने 159 सीटें जीती थीं। डीएमके ने अपने दम पर बहुमत हासिल किया था। वहीं दूसरी बड़ी पार्टी एआईएडीएमके के गठबंधन को 90 से 100 सीटें मिल सकती हैं। एआईएडीएमके को 70 से 80 सीटें मिलने के आसार हैं। 27 सीटों पर लड़ रही बीजेपी का खाता खुलना मुश्किल दिख रहा है, लेकिन पार्टी ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, तो 5 सीटें मिल सकती हैं। कोयंबटूर साउथ, तिरुनेलवेली, नागरकोइल, मोडाकुरिची और कारैकुडी सीट पर जीत के ज्यादा चांस हैं। गठबंधन की बाकी पार्टियों को 5 से 10 सीटें मिल सकती हैं। 2021 में एआईएडीएमके ने 66 और बीजेपी ने 4 सीटें जीती थीं। गठबंधन को सिर्फ 75 सीटें मिली थीं। रिपोर्ट के मुताबिक तमिल फिल्मों से सुपरस्टार थलापति विजय की नई पार्टी टीवीके का कोई खास असर नजर नहीं आ रहा है। पार्टी को 5 से 15 सीटें मिल सकती हैं। हालांकि पार्टी का वोट शेयर 12फीसदी रह सकता है। टीवीके पहली बार चुनाव लड़ रही है। पिछली बार एक्टर सीमान की पार्टी नाम तमिलर काची (एनटीके) और कमल हासन की मक्कल नीधि मय्यम (एमएनएम) का खाता नहीं खुला था। स्टालिन ने सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस को चुनाव के पहले मजबूत किया। गठबंधन को मैनेज करना उनकी सबसे बड़ी खासियत मानी जाती है। स्थानीय और जातियों वाली पार्टियों को साथ लाए। कलैगनार मगलिर उरीमाई थोगाई योजना के तहत हर महिला को एक हजार रुपए महीने दिया। ये पैसा करीब एक करोड़ महिलाओं को मिला। सरकारी बसों में महिलाओं के लिए फ्री सफर बड़ा फैक्टर है। सरकारी स्कूल से पढ़कर कॉलेज में जाने वाली लड़कियों को हर महीने एक हजार रुपए दिए गए। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए फ्री कोचिंग, लाइब्रेरी, रीडिंग रूम, स्कॉलरशिप प्रोग्राम चलाए। इनका फायदा लेने वाले युवा फर्स्ट टाइम वोटर हैं। तमिलनाडु में करीब 12.51 लाख युवा पहली बार वोट डालेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक गठबंधन की कमजोरी कांग्रेस है। उसे 28 सीटें मिली हैं। पार्टी के स्टार प्रचारक राज्य में कम ही सक्रिय रहे। कांग्रेस ने प्रचार का पूरा जिम्मा डीएमके को सौंप दिया है।

केदारनाथ मंदिर कमेटी का फैसला...न मोबाइल, न फोटो, और न ही वीडियो या इंस्ट्राग्राम रील बनाएंगे

देहरादून। केदारनाथ मंदिर की पवित्रता और धार्मिक मर्यादा बनाए रखने के लिए मंदिर समिति ने बड़ा निर्णय लिया है। अब मंदिर परिसर में मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया है। समिति के सदस्य विनीत पोस्टी के अनुसार, श्रद्धालु मंदिर के अंदर मोबाइल नहीं ले जा सकते और न ही फोटो, वीडियो या इंस्ट्राग्राम रील बना पाएंगे। इस नियम का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी, जिसमें सजा का प्रावधान भी शामिल हो सकता है। इस फैसले का मुख्य उद्देश्य श्रद्धालुओं को शांतिपूर्ण और आध्यात्मिक वातावरण में दर्शन का अनुभव कराना है। देहरादून से मिली जानकारी के अनुसार, मंदिर समिति ने सभी यात्रियों से इन दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है ताकि धार्मिक स्थल की गरिमा बनी रहे। वहीं, रुद्रप्रयाग पुलिस प्रशासन ने आगामी केदारनाथ यात्रा को ध्यान में रखते हुए व्यापक यातायात प्रबंधन योजना तैयार की है। इस योजना के तहत यात्रा मार्गों पर ट्रैफिक को नियंत्रित करने, भीड़भाड़ कम करने और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। राष्ट्रीय राजमार्गों से लेकर संपर्क मार्गों तक यातायात व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। प्रमुख स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की जाएगी और स्थायी व अस्थायी पार्किंग की व्यवस्था भी की जाएगी ताकि जाम की स्थिति से बचा जा सके। पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर ने बताया कि जिले को 2 सुपर जोन और 11 सेक्टरों में बांटा गया है। साथ ही 13 मोबाइल पुलिस टीमें भी तैनात रहेंगी। जरूरत पड़ने पर वैकल्पिक मार्गों का उपयोग किया जाएगा। यह पूरी योजना श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सुचारू यात्रा सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है।

अपर्णा और शाही के सपा-कांग्रेस का झंडा जलाने पर बीजेपी नाराज, पार्टी की हुई किरकिरी

-अखिलेश ने कहा था- बीजेपी वाले 12 करोड़ आबादी वाले यूपी में सिर्फ 12 महिलाएं भेजते

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा में महिला आरक्षण बिल को लेकर बिल के पारित ना होने पर यूपी महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव और सदस्य ऋतु शाही ने सपा-कांग्रेस का झंडा जलाकर विरोध जताया था। अब दोनों महिला नेताओं के इस प्रदर्शन पर बीजेपी नेतृत्व नाराज है। राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव और सदस्य ऋतु शाही पर पार्टी हाईकमान ने सवाल उठाए हैं कि इससे पार्टी की किरकिरी हुई है।

बता दें 17 अप्रैल की देर रात विधानसभा के बाहर अपर्णा यादव और ऋतु शाही ने महिलाओं के साथ प्रदर्शन किया। उन्होंने सपा और कांग्रेस के झंडे जलाए और विपक्षी दलों के खिलाफ नारेबाजी की। यह प्रदर्शन संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के गिर जाने के विरोध में किया गया था। अपर्णा ने कहा था कि यह कलंकित करने वाली रात है। विपक्ष का चेहरा दिखावटी है। नारी शक्ति इन्हें कुचल देगी। सपा-कांग्रेस के नेता दुर्योधन और दुशासन जैसे हैं, इसलिए हमने उनके झंडे जलाए।

प्रदर्शन में सिर्फ 10-12 महिलाओं की मौजूदगी पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तंज कसा। उन्होंने एक फोटो शेयर कर लिखा- बीजेपी वाले 12 करोड़ महिलाओं वाले यूपी में सिर्फ 12 महिलाओं को भेजते हैं। कहा जा रहा है कि अखिलेश के इस पोस्ट ने बीजेपी को काफी शर्मिंदगी में डाल दिया, जिसकी वजह से पार्टी आला कमान दोनों ही नेताओं से नाराज है। सूत्रों के मुताबिक यूपी बीजेपी अध्यक्ष पंकज चौधरी और महासचिव धर्मपाल सिंह सहित कई बड़े नेता इस घटना से नाराज हैं। उनका कहना है कि बिना पार्टी की अनुमति के और इतनी कम संख्या में प्रदर्शन करना पूरी पार्टी को बदनाम करने जैसा था। पार्टी सूत्रों के मुताबिक अपर्णा यादव और ऋतु शाही से या तो लिखित स्पष्टीकरण मांगा जा सकता है या फिर मौखिक जवाब।

बता दें मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव 2022 में सपा छोड़कर बीजेपी में शामिल हुई थीं। ऋतु शाही एसटीएफ के डिप्टी एसपी धर्मेश कुमार शाही की पत्नी हैं और पहले बीजेपी की गोरखपुर इकाई की महिला विंग की कोषाध्यक्ष रह चुकी हैं। बताया जा रहा है कि इस पूरे प्रकरण से बीजेपी की रणनीति को धक्का लगा है, महिला आरक्षण बिल पर विपक्ष के विरोध के बाद इसे बड़ा मुद्दा बनाने के फ़िराक में है। फिलहाल दोनों महिला नेताओं की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

तुम से न हो पाएगा... कहकर तेज प्रताप यादव ने राहुल गांधी पर कस दिया तंज

इंडिया गठबंधन को प्रियंका गांधी वाड्रा ही चला सकती

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी से इंडिया गठबंधन नहीं चल पाएगा है। लालू के बड़े बेटे ने कहा कि प्रियंका गांधी वाड्रा इंडिया गठबंधन का नेतृत्व कर सकती हैं और उनमें यह क्षमता है। तेज प्रताप ने कहा, प्रियंका गांधी वाड्रा ही चला सकती हैं। वे इंदिरा गांधी जी की तरह हैं। राहुल गांधी से गठबंधन चलने वाला नहीं है। यात्रा निकालने से या फिर बुलेट पर बैठ जाने से गठबंधन नहीं चलता। इस तरह तेज प्रताप ने कांग्रेस के सर्वोसर्वा राहुल गांधी पर ही सीधा सवाल उठा दिया है।

नीतीश कुमार के बिहार का मुख्यमंत्री पद छोड़ने को लेकर राहुल गांधी ने कहा था कि वह कंप्रोमाइज हुए हैं और इसकारण भाजपा के दबाव में इस्तीफा दिया है। इस बोर में तेज प्रताप से पूछा गया, तब उन्होंने कहा कि राहुल गांधी इन्हीं सब चीजों में फंसे रहने वाले है। शुरू में बुलेट चलाते हुए उनका शौक पूरा नहीं हुआ। अब उन्हें कुर्सी पर बैठने का लालच हुआ है। वह जो कुकिंग कर रहे थे और मीट-मुर्गा बना रहे थे, वही बनाते रहें। तेज ने कहा, प्रियंका गांधी ही चला सकती हैं। राहुल गांधी जी से चलने वाला नहीं है। तेज प्रताप ने कहा कि अब नीतीश के मुख्यमंत्री पद छोड़ने पर बात कर रहे हैं। नीतीश छोड़कर गए, तब दूसरे नेता आए और सीएम बन गए। राहुल गांधी को बिहार को लेकर लालच क्यों लग रहा है। उन्हें क्या यहां पर मुख्यमंत्री का पद चाहिए।

बात दें कि तेज प्रताप यादव ने बिहार विधानसभा चुनाव में आरजेडी से बगावत की थी। वह अपने जनसत्ता दल की ओर से ही खुद लड़े थे और कैंडिडेट भी उतारे थे। हालांकि तेज प्रताप यादव खुद हार गए थे और उनके उतारे किसी कैंडिडेट को भी जीत नहीं मिली थी। तेज प्रताप अपने छोटे भाई तेजस्वी यादव के खिलाफ चुनाव में सीधे हमले करते नहीं दिखे थे, लेकिन उनके करीबियों पर खूब बाण चलाए थे। इतना ही नहीं उनकी बहन रोहिणी आचार्य भी अक्सर सोशल मीडिया पर तेज प्रताप का ही समर्थन करती दिखती हैं। बता दें कि आरजेडी में इस फूट को भी हार की एक वजह माना जाता है।

भारत और रुस एक-दूसरे के देशों में हजारों सैनिक, फाइटर जेट और वॉरशिप तैनात करने की तैयारी में

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-ईरान जंग के बीच एक बड़ी हलचल हुई है। जिसका ध्यान पूरी दुनिया से खींचा है। दरअसल भारत और रूस एक दूसरे की जमीन पर अपने हजारों सैनिक, फाइटर जेट और वॉरशिप तैनात करने की तैयारी शुरू कर रहे हैं। बता दें कि भारत और रूस के बीच रीलॉस यानी कि रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक सपोर्ट समझौता पूरी तरह से लागू हो गया है। इसके तहत दोनों देश एक दूसरे के एयरबेस, नेवल बेस और सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल कर सकते हैं और वह भी पूरी सफाई के साथ ऑपरेशन कर सकते है। इस डील की सबसे बड़ी ताकत इसकी क्षमता है। अब दोनों देश एक साथ 3000 सैनिक, 10 मिलिट्री एयरक्राफ्ट और पांच वॉरशिप्स एक दूसरे के क्षेत्र में तैनात कर सकते हैं। लेकिन असली खेल सिर्फ तैनाती नहीं है बल्कि उस तैनाती को मिलने वाला पूरा सपोर्ट है। यानी कि रिफ्यूलिंग, रिपेयर, मेंटेनेंस, मेडिकल और ट्रांसपोर्ट यानी पूरी युद्ध मशीन को कहीं भी चलाने की ताकत।

अब भारत की सेना सिर्फ अपने क्षेत्र तक सीमित नहीं बल्कि जरूरत पड़ने पर दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में तेजी से ऑपरेट कर सकती है। बात दें कि आज दुनिया एक नए पावर गेम में है। जहां हर देश अपने सप्लाई रूट्स और मिलिट्री रीच को सुरक्षित करने में लगा है। दूसरी वजह दुनिया भर में चीन का बढ़ता असर है। चीन लगातार एशिया और इंडोपेसिफिक में अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। इसके बाद भारत के लिए अपनी मौजूदगी बढ़ाना जरूरी था। तीसरी वजह रूस की रणनीति को मना जा रहा है। पश्चिमी दबाव के बीच रूस को इसतरह के पार्टनर की जरूरत थी जिस पर भरोसा कर सके और भारत रुस के लिए दुनिया में सबसे भरोसेमंद दोस्त है। इस बीच भारत ने जो रास्ता चुना है वह सबसे अलग है ना पूरी तरह किसी एक के साथ और ना किसी के खिलाफ बल्कि अपने हितों के हिसाब से हर बड़े देश के साथ संतुलन बनाकर चलना।

रूस के पास आर्कटिक से लेकर यूरोप तक फैले सैन्य बेस है और इस डील के बाद भारत को इन इलाकों में एक्सेस मिल सकता है। खासकर आर्कटिक जहां भविष्य के नए समुद्री रास्ते बन रहे हैं। यानी आने वाले समय में व्यापार और संसाधनों पर सीधा असर होगा। दूसरा लॉजिस्टिक मतलब रियल पावर मिलना है। युद्ध सिर्फ हथियारों से नहीं बल्कि सप्लाई से भी जीता जाता है। अब भारत और रूस एक दूसरे को फ्यूल, रिपेयर बेस सपोर्ट दे सकते है। मतलब जहां जरूरत वहां ऑपरेशन आसान। तीसरा स्ट्रेटेजिक ऑटोनोमी जिसका पहले हमने जिक्र किया। यानी कि भारत ने अमेरिका के साथ एलई एमओए किया और अब रूस के साथ रिलोस। मतलब साफ है भारत किसी एक गुट में नहीं बल्कि हर बड़ी ताकत के साथ संतुलन बनाकर चल रहा है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)